NA Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 01 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-213

रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को भारत में बसा रहे नेता

हर मोर्चे पर भारत को कमजोर कर रहे सियासतदां

दुनिया का कोई देश ऐसा नहीं जो अपने यहां अवैध घुसपैठ को स्वीकार करे। हर देश ने घुसपैठ को रोकने के लिए कानून बना रखे हैं और उन्हें वापस उनके देश भेज दिया जाता है। किंतु भारत में स्वाधीनता के बाद से घुसपैठ लगातार जारी है। लगातार यह खुलासा होता रहा कि बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ कैसे हो रही है और कैसे कराई जा रही है। इस पर तो रोक नहीं लगी, अब रोहिंग्याओं का भी भारत में घुसना शुरू हो गया है। इसके लिए देश का प्रशासन और सुरक्षा तंत्र जिम्मेदार है।

बांग्लादेश की तरफ से हजारों की संख्या में रोज भारत आ रहे घुसपैठियों की तरह ही म्यांमार की ओर से भी बहुत अधिक लोगों की घुसपैठ हो रही है। म्यांमार में वर्ष 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद भारत में घुसपैठ करनेवाली की संख्या में अचानक तेजी आई, जो लगातार जारी है। यदि इन चार साल में इस सीमा से भारत में आए घुसपैठियों की संख्या का अंदाजा लगाया जाएगा तो यह संख्या लाखों में पहुंच चुकी है। इनमें से परिवार

घुसपैठिए छीन रहे मूल नागरिकों के आर्थिक, सामाजिक राजनीतिक अधिकार

के साथ बढ़ते क्रम में इनकी संख्या सिर्फ चार साल में ही अनुमानित डेढ़ लाख पार हो चुकी है। यानी कि एक छोटा सा कस्बा एक जगह भारत में म्यांमार की सीमा से भारत में घुसे रोहिंग्याओं और अन्य घुसपैठियों से बसाया जा सकता है, जो कि देश में सर्वत्र फैल गए हैं। ये एक जगह से आनेवालों का आंकड़ा सिर्फ चार सालों का है, जबकि भारत में घुसपैठ की ये समस्या लगातार

शुभ-लाभ सरोकार

पिछले 70-75 सालों से चल रही है।

यही हाल बांग्लादेश से लगी भारतीय सीमा का है। यहां से जत्थे के जत्थे भारत की ओर चले आ रहे हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच 4,095 किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसमें से लगभग 1,116 किलोमीटर नदी से घिरा हुआ क्षेत्र है। बांग्लादेश

घुसपैठ के कारण असम के नौ जिले हुए मुस्लिम बहुल अब झारखंड की बारी

तीन तरफ से पांच भारतीय राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा से घिरा हुआ है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर काफी बड़े इलाके में बाड़ नहीं है, क्योंकि राज्य सरकार ने अभी तक जमीन नहीं दी है। अकेले दक्षिण बंगाल में भारत-बांग्लादेश की 913 किलोमीटर की सीमा में अधिकांश पर अभी तक बाड़ नहीं लगी है। इनमें कई इलाके में नदी की सीमा है, जोकि लगभग 372 किलोमीटर है, सिर्फ 404 किलोमीटर पर बाड़ लग सकी है।

स्वाभाविक है ऐसे में बांग्लादेशी घुसपैठिये इनका लाभ उठाकर आसानी से भारत में प्रवेश कर जाते हैं। फिर भारत में प्रवेश करने वाले बांग्लादेशियों के पास भारतीय नागरिकता के प्रमाण जैसे आधार कार्ड, वोटर कार्ड और पैन कार्ड पहले से मौजूद रहते हैं। यहां तक कि बैंकों में अकाउंट तक होते हैं। ये देश के विभिन्न हिस्सों में ज्यादातर उन इलाकों में चले जाते हैं, जहां रोजगार के साधन अधिक हैं। ये प्रायः देश के हर बड़े शहर में रहते हैं और खुद को पश्चिम बंगाल का निवासी बताते हैं। ऐसे में इनकी पहचान करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। जबकि भारतीय नागरिकता के लिए विधिवत नियम बने हुए हैं। जिनका अनुपालन करते हुए वैध तरीके से भी भारत की नागरिकता ली जा सकती है, लेकिन बांग्लादेशी किसी नियम से नहीं चलते, ▶10पर

ईरान की राजधानी तेहरान में हुई सनसनीखेज घटना

हमास का सरगना इस्माइल हानिया मारा गया

तेहरान, 31 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान में हुए एक बड़े हमले में हमास के सरगना इस्माइल हानिया का खात्मा का कर दिया गया है। ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने हानिया के मारे जाने की आधिकारिक पुष्टि की है। आईआरजीसी के एक बयान में कहा गया है कि तेहरान में हानिया के आवास को निशाना बनाया गया और हमास प्रमुख इस्माइल हानिया और उनके एक बॉडी गार्ड की हत्या कर दी गई। इस हमले के पीछे इज़राइल

हमास सरगना के तेहरान स्थित घर पर हुआ हमला

हमले में इस्माइल और उसका अंगरक्षक मारा गया

का हाथ बताया जा रहा है। हानिया के तेहरान स्थित आवास पर बुधवार 31 जुलाई को तड़के हमला किया गया। हमास की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि एक इज़राइली हमले में फिलिस्तीनी समूह के नेता इस्माइल हानिया की तेहरान स्थित उनके आवास पर हत्या कर दी गई।

हमास चीफ इस्माइल हानिया मंगलवार 30 जुलाई को ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने गया था। इस्माइल हानिया ने ईरान के सुप्रीम लीडर से मुलाकात भी की थी। ▶10पर

अपने दुश्मनों को छोड़ता नहीं है इज़राइल

तेल अवीव, 31 जुलाई (एजेंसियां)। इज़राइल का अपने नागरिकों की हत्या का बदला लेने का लंबा इतिहास रहा है। फिर चाहे वह 1972 में म्यूनिख ओलंपिक में इज़राइली खिलाड़ियों की हत्या करने वाले आतंकियों को ढूंढ-ढूंढकर मारना हो या ड्रोन हमलों में दुश्मन देशों के बड़े राजनीतिक और सैन्य चेहरों को खत्म करने का। आतंकी संगठन हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया की ईरान में हुई हत्या के बारे में कहा जा रहा है कि यह हत्या इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने कराई है। हालांकि, इसकी को पुष्टि नहीं हुई है। इज़राइल-हमास के बीच पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुए संघर्ष के बाद इज़राइली सरकार ने हमले का बदला लेने और इसके जिम्मेदारों को उनके अंजाम तक पहुंचाने की ▶10पर

इज़राइल-हमास संघर्ष में था इस्माइल हानिया का हाथ

तेहरान, 31 जुलाई (एजेंसियां)। आतंकी संगठन हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया को साल 2018 में अमेरिका ने आतंकवादी घोषित किया था। साल 2006 में फलस्तीन के आम चुनावों में हमास की जीत के बाद से ही संगठन में हानिया का दबदबा बढ़ने लगा था। उसे गाजा पट्टी में फलस्तीनी प्राधिकरण का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। इस दौरान मिस्र से गाजा पट्टी में आयातित वस्तुओं पर भारी कर लगाकर हानिया ने अपनी संपत्ति कई गुना बढ़ा ली। 2014 में हमास द्वारा सभी व्यापार पर 20 प्रतिशत कर लगाए जाने की घोषणा की गई थी। इन करों की वजह से हमास के 1,700 टॉप कमांडर करोड़पति बन गए थे। ▶10पर

लोकसभा में वित्त मंत्री ने राहुल गांधी को खूब धोया

विपक्षी नेता की अज्ञानता और हल्कापन चिंताजनक

राहुल जवाब दें, राजीव गांधी फाउंडेशन में कितने दलित?

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में दिए गए राहुल गांधी के वक्तव्य को अध्ययन और तथ्यों के आधार पर बौना साबित कर दिया। सीतारमण ने राहुल गांधी के बार-बार झूठ बोलने और गंभीर मसलों को भी अत्यंत बचकाने तरीके से पेश करने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के आचरण से नेता प्रतिपक्ष की मर्यादा घटी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट में किसी भी राज्य की अनदेखी नहीं की गई है।

उन्होंने विपक्षी नेताओं के उस दावे को भ्रामक बताया कि यदि बजट भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं लिया जाता, तो उसे कोई बजटीय आवंटन नहीं मिलता है। ▶10पर

जिनकी जाति का पता नहीं वे गणना की बात करते हैं: ठाकुर

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नेता अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कल के बजट पर दिए भाषण की जोरदार आलोचना करते हुए कहा कि एलओपी का मतलब लीडर ऑफ प्रोपेगेंडा नहीं होता। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकारों के दौरान हुए घोटालों का हलवा कांग्रेस ने खाया है।

ठाकुर ने पूछा, बोफोर्स, एंट्रिक्स देवास, नेशनल हेराल्ड, सबमरीन, ऑगस्टा वेस्टलैंड, 2जी, कॉमनवेल्थ, कोयला, वाल्मीकि, चारा और यूरिया घोटाले का हलवा किसने खाया? ▶10पर

आरबीआई की करेंसी एंड फाइनेंस की ताजा रिपोर्ट

डिजिटल क्रांति में भारत दुनिया में सबसे आगे

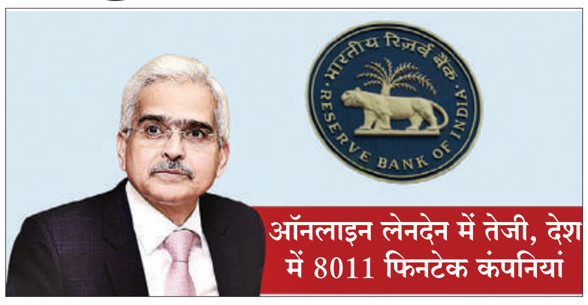

ऑनलाइन लेनदेन में तेजी, देश में 8011 फिनटेक कंपनियां

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत डिजिटल क्रांति के मोर्चे पर दुनिया में सबसे आगे है। देश ने डिजिटल भुगतान में तेजी लाकर न सिर्फ वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) को अपनाया है बल्कि इसे अपनाने में दुनिया की अगुवाई कर रहा है। आरबीआई की ताजा करेंसी एंड फाइनेंस 2023-24 रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में फिनटेक को अपनाने की दर सबसे ज्यादा 87 फीसदी है। यह दर 64 फीसदी के वैश्विक औसत से 23 फीसदी अधिक है। 22 जुलाई, 2024 तक देश में फिनटेक कंपनियों की संख्या बढ़कर 8,011 पहुंच गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने की सरकार की कोशिशों की बदौलत भारतीय फिनटेक कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसका अंदाजा फिनटेक कंपनियों के बढ़ते राजस्व से लगाया जा सकता है। 2030 तक फिनटेक कंपनियों का राजस्व 11.17 गुना बढ़कर 190 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। 2022 में यह आंकड़ा 17 अरब डॉलर रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय फिनटेक कंपनियों को जनवरी, ▶10पर

तेलंगाना हाईकोर्ट ने महिलाओं को दी मस्जिद में नमाज पढ़ने की इजाजत

हैदराबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने फैसला दिया है कि मुस्लिम महिलाएं भी मस्जिदों में नमाज अदा कर सकती हैं। शिया मुसलमानों के अखबारी संप्रदाय से जुड़े एक मामले का निपटारा करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि शिया मुसलमानों के अखबारी संप्रदाय की महिलाएं भी हैदराबाद के दारुलशिफा इबादत खाना में इबादत की हकदार हैं। जस्टिस नागेश भीमापाका ने 25 जुलाई को दिए अपने फैसले में कहा कि कुरान में महिलाओं को मस्जिदों में इबादत करने से रोकने के लिए कोई निषेध नहीं है।

जस्टिस नागेश भीमापाका ने अपने फैसले में लिखा, पवित्र कुरान में सर्वशक्तिमान ने कहीं भी महिलाओं को इबादत करने के लिए मस्जिदों में प्रवेश करने से

नहीं रोका है। अध्याय 2 अलबकारा 222-223 यह स्पष्ट करता है कि एक विशेष अवधि, जो प्रकृति द्वारा महिलाओं के लिए आराम की अवधि के रूप में दी गई थी, के अलावा महिलाओं को नमाज़ अदा करने से नहीं रोकता है।हाईकोर्ट ने अपने फैसले के पीछे सुप्रीम कोर्ट द्वारा साल 2018 में सबरीमाला केस में दिए गए फैसले का भी उल्लेख किया है, जिसमें शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया था कि मासिक धर्म की उम्र वाली महिलाओं को केरल के सबरीमाला मंदिर में प्रवेश करने से नहीं रोका जा सकता है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने यह भी बताया कि शिया मुसलमानों के एक अन्य संप्रदाय (उसूली संप्रदाय) की महिलाओं को पहले ही वक्फ बोर्ड द्वारा 2007 की गई कार्रवाई के अनुसार मस्जिदों में इबादत की इजाजत दी जा चुकी है। हाईकोर्ट ने कहा कि इस प्रकार, अखबारी संप्रदाय की महिलाओं को मस्जिदों में इबादत करने से रोका गया तो यह साफ तौर पर भेदभावपूर्ण होगा। ▶10पर

मस्जिद में महिलाओं के नमाज पढ़ने पर बहस क्यों?

मस्जिद में महिलाओं के नमाज पढ़ने पर आपत्ति क्यों होती है और उस पर रोक क्यों लगाई जाती है, यह इस्लामिक समझ से भी परे है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि मस्जिद में मुसलमान महिलाओं के नमाज पढ़ने पर कोई रोक नहीं है। लेकिन मस्जिद में महिला और पुरुष को मेल-मिलाप की इजाजत नहीं है। पुणे की महिला फरहा अनवर हुसैन शेख ने सुप्रीम कोर्ट में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत महिलाओं के मस्जिद में प्रवेश और नमाज पढ़ने की अनुमति को लेकर याचिका दायर की थी। इस याचिका में मस्जिद में महिलाओं के प्रवेश न देने को अवैध और असंवैधानिक बताया गया था। याचिका में इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 15,21, 25 और 29 का भी उल्लंघन बताया गया था।

फरहा अनवर ने बताया था कि वे रमजान के दौरान शॉपिंग के लिए गई थीं। नमाज का वक्त हुआ तो मस्जिद में गई तो उन्हें मस्जिद में जाने से रोक दिया गया, जबकि उनके पति को जाने दिया गया। उन्होंने पुणे की मस्जिद के अध्यक्ष और सचिव को भी मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए अनुमति मांगी, लेकिन उनकी तरफ कोई जवाब नहीं मिला। तब जाकर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

कार्टून कॉर्नर

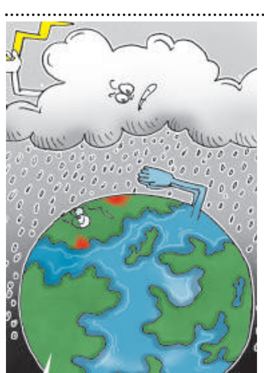

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 24°

संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

भारत में हमले की साजिश रच रहे आतंकी संगठन

न्यूयॉर्क, 31 जुलाई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा किया गया है। इसमें बताया गया कि आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवेंट खुरासान (आईएसआईएलके) भारत में बड़े पैमाने पर हमला करने में असफल रहा। इसके बावजूद अब वह भारत में मौजूद अपने आकाओं की मदद से ऐसे लोगों की भर्ती करना चाहता है, जो अकेले घटनाओं को अंजाम दे सके।

आईएसआईएल (दाएश), अल-कायदा और संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के बारे में विश्ले-षणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी दल की 34वीं रिपोर्ट मंगलवार को जारी की गई। इसमें कहा गया कि सदस्य देशों ने इस बात पर चिंता जताई है कि अफगानिस्तान से आए आतंकवादी क्षेत्र में असुरक्षा का कारण बनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बड़े पैमाने पर हमला करने में

असफल रहने के बावजूद, आईएसआईएलके अब नई साजिश रच रहा है। वो देश में मौजूद अपने आकाओं की मदद से ऐसे लोगों की भर्ती करना चाहता है, जो अकेले घटनाओं को अंजाम दे सके। इसके साथ ही इसने उर्दू में लिखी एक किताब जारी की है, जिसमें हिंदू-मुस्लिम दुश्मनी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और भारत के संबंध में अपनी रणनीति की रूपरेखा बताई गई है। ▶10पर

पश्चिमी पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को मिली बड़ी राहत

जम्मू कश्मीर में मिला जमीन का मालिकाना हक

जम्मू, 31 जुलाई (ब्यूरो)। भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटने की पांचवीं सालगिरह से ठीक पांच दिन पूर्व बड़ा फैसला लिया है। जम्मू कश्मीर सरकार ने पश्चिमी पाकिस्तान के शरणार्थियों को भारत के अंदर आने वाले केंद्र शासित प्रदेश में जमीन पर मालिकाना हक दिया है।

जम्मू कश्मीर में जमीनों पर यह मालिकाना हक उन्हीं पाकिस्तानी विस्थापितों को प्रदान किया गया है, जिनके पूर्वजों को तत्कालीन राज्य सरकार ने 70 साल पहले बसाया था। अधिकारियों ने बताया कि फैसले से पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित लोगों के साथ सात दशक से अधिक पुराना भेदभाव खत्म हो गया है। अब उन्हें भी प्रदेश की भूमि पर मालिकाना हक दे दिया गया है। ऐसा ही पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से विस्थापित लोगों के मामले में किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे

जम्मू क्षेत्र में बसे पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित हजारों परिवारों को सशक्त बनाया जा सकेगा।

अब तक इन परिवारों को नान-स्टेट सब्जेक्ट माना जाता था और उन्हें पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य में विधान सभा चुनावों में वोट देने का कोई अधिकार नहीं था। बाद में 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के खत्म होने के मद्देनजर भारत सरकार से इन्हें डोमिसाइल का दर्जा मिला। ▶10पर

TIBCON CAPACITORS
It's all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

बागमती नदी उफान पर, काठमांडू के कई इलाके जलमग्न

काठमांडु, 31 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल की राजधानी काठमांडू में बीती रात से हो रही मूसलाधार बारिश से बागमती नदी उफान पर है। इस वजह से त्रिपुरेश्वर, कालीमाटी, टेकु इलाके के अलावा बागमती कॉरिडोर के किनारे की बस्तियां जलमग्न हो गई हैं।

जल एवं मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार बागमती और उसकी सहायक नदियां हनुमंते, मनोहरा, धोबीखोला, बिष्णुमती, नख्खू, बल्खु का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। विभाग ने अनुरोध किया है कि बागमती कॉरिडोर के अलावा अन्य नदियों के आसपास न जाएं। उधर, धोबीखोला, बल्खु खोला, कागेश्वरी मनोहरा इलाके की गलियारे वाली सड़कों पर अब भी काफी पानी जमा है। नदी किनारे बने कॉरिडोर के जलमग्न होने के कारण यातायात प्रभावित है। इन सड़कों पर यातायात को फिलहाल पूरी तरह से रोक दिया गया है।

काठमांडू में बाढ़ के कारण सत्तारूढ दल यूएमएल का केंद्रीय कार्यालय सहित शंखमूल पार्क, कालीमाटी सब्जी बाजार क्षेत्र सहित अन्य स्थान भी जलमग्न हो गए हैं। भक्तपुर में मनोहरा नदी ने भी रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। महादेव नदी की बाढ़ से सैकड़ों घर जलमग्न हो गए हैं।

भक्तपुर के पुलिस इंस्पेक्टर टेकेंद्र पौडेल ने कहा कि सूर्यबिनायक और मध्यपुर थिमी नगरपालिका में नदी में फंसे 33 लोगों को बचाया लिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद से शंकर दास वैरागी ने दिया इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शंकर दास वैरागी ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री के मातहत रहे राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के तौर पर 6 महीने पहले ही वैरागी की नियुक्ति हुई थी। नेपाल में सत्ता गठबन्धन और सरकार के नेतृत्व परिवर्तन के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शंकर दास वैरागी के इस्तीफा देने की जानकारी आई है। प्रधानमंत्री कार्यालय में सचिव रहे कृष्णहरि पुष्कर ने वैरागी के इस्तीफे की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वैरागी का इस्तीफा 24 जुलाई को ही आ गया था लेकिन आज हुई कैबिनेट की बैठक में उसको मंजूर कर लिया गया है। शंकर दास वैरागी का नाम कुछ दिन पहले तक भारत में नेपाल के राजदूत के रूप में भेजे जाने की व्यापक चर्चा थी लेकिन सरकार ने वर्तमान राजदूत डा शंकर शर्मा को ही निरन्तरता देने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि प्रचण्ड सरकार द्वारा उनकी नियुक्ति होने के कारण इस्तीफा लिया गया है। उन्हें प्रचण्ड ने अपने कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद सृजित कर नियुक्ति दी थी। कभी नेपाल के विदेश सचिव रहे वैरागी देश के मुख्य सचिव भी रह चुके हैं। अपने कार्यकाल के 6 महीने पहले ही मुख्य सचिव के पद से इस्तीफा देने के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री प्रचण्ड ने उन्हें सुरक्षा सलाहकार का विशेष पद सृजित कर नियुक्ति दी थी।

पाकिस्तान में शिया-सुन्नी जंग में अब तक 43 लोगों की मौत

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी कुर्रम आदिवासी जिले में एक भूमि विवाद में सुन्नी और शिया जनजातियों के बीच जारी खूनी संघर्ष में अबतक 43 लोग मारे जा चुके हैं और 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय जनजातीय जिरगा की सहायता और समर्थन से युद्धरत जनजातियों ने सोमवार को अस्थायी युद्ध विराम की घोषणा की। अस्थिर पहाड़ी कुर्रम क्षेत्र में पिछले कई दशकों में जनजातियों और धार्मिक समूहों के बीच सांप्रदायिक झड़पें और आतंकवादी हमले हुए हैं। सरकार के गृह और आदिवासी मामलों के विभाग के अनुसार, वर्तमान में कुर्रम में आठ बड़े संघर्ष देखने को मिले। पिछले सप्ताह शिया और सुन्नी के दो परिवारों के बीच एक संपत्ति के स्वामित्व को लेकर खूनी लड़ाई शुरू हुई थी। यह दुश्मनी तेजी से कई गांवों और बस्तियों में फैल गई जिसके बाद पूरे जिले में हिंसा होने लगी। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में 34 शिया जनजाति के और आठ सुन्नी जनजाति से थे। कुर्रम के मकबल और टेरी मंगल इलाकों में, रविवार रात और सोमवार सुबह तक शिया और सुन्नी जनजातियों के बीच गोलीबारी जारी रही। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में सुन्नी जनजातियों को सीमा पार से समर्थन मिल रहा है क्योंकि ये परिवार पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच विवादित सीमा डूरंड रेखा के दोनों ओर रहते हैं। क्षेत्र के अधिकांश गांवों में संघर्ष और अशांति को रोकने के लिए सड़कें बंद कर दी गई है। हालांकि, इसके कारण खाने और दवाओं की कमी का लोगों को सामना करना पड़ रहा है।

ब्राजील की नदी में नाव पलटने से तीन लोगों की मौत, नौ लापता

साओ पाउलो। उत्तरी ब्राजील की अमेजन नदी में नाव पलटने से एक साल के बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 16 घायल हो गए जिनमें से नौ लापता बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाव पर दो सौ से ज्यादा यात्री सवार थे। ब्राजील के एमेज़ोनस स्टेट के उआरिनी म्युनिसिपैलिटी के पास विस्फोट के बाद उसमें आग लग गई। रिपोर्ट में पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि नाव में सवार दो सौ लोगों में से कम से कम 183 लोग सुरक्षित बचने में सफल रहे। यह तीन दिनों में एमेज़ोनस में यात्री नाव पर लगी दूसरी घटना थी। शनिवार को भी एक नाव में आग लगने के बाद पलट गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और पांच लापता हो गए।

पीटीआई नेता रऊफ हसन 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

इस्लामाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता रऊफ हसन समेत 10 लोगों को को सोशल मीडिया पर सरकार विरोधी प्रचार के मामले में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।पाकिस्तानी समाचारपत्र डॉन की रिपोर्ट के अनुसार इस्लामाबाद के जिला और एवं न्यायालय ने सरकार विरोधी डिजिटल अभियान के मामले में हसन और नौ अन्य को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 13 अगस्त मुकर्रर की है। इस्लामाबाद पुलिस और संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम 2016 (पीईसीए) के तहत एक कथित मामले में पिछले सप्ताह पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पर छापा मारा था। छापे के दौरान हसन को गिरफ्तार किया गया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हसन की गिरफ्तारी उस समय हुई जब गृह मंत्रालय ने दावा किया कि पीटीआई सरकार विरोधी प्रचार में शामिल है। सरकार ने पहले उन लोगों के खिलाफ जांच के लिए संयुक्त जांच समिति का गठन किया था जो कथित तौर पर दुर्भावनापूर्ण सोशल मीडिया पर अभियान चलाकर अराजकता पैदा कर रहे थे।

हसन ने आरोपों का हालांकि, खंडन करते हुए कहा कि वह एक थिंक टैंक चलाता है और ब्रिटेन निवासी राहुल ने उसे बहरीन में एक कार्यक्रम के लिए अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया था।

गाजा से 85 मरीजों को चिकित्सा देखभाल के लिए भेजा गया यूएई

जिनेवा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। फलस्तीन के गाजा पट्टी से 85 बीमार और गंभीर रूप से घायल मरीजों को बड़े पैमाने पर संयुक्त अभियान में विशेष चिकित्सा देखभाल के लिए अबू धाबी ले जाया गया है।संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) सरकार और अन्य भागीदारों के साथ साझेदारी में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा संचालित यह चिकित्सा निकासी अक्टूबर 2023 के बाद से इस तरह का सबसे बड़ा ऑपरेशन है। रोगियों में 35 बच्चे और 50 वयस्क शामिल थे। सभी पीड़ितों को गाजा से केरेम शालोम क्रॉसिंग के माध्यम से इजरायल के रेमन हवाई अड्डे तक ले जाया गया। पूर्वी भूमध्य सागर के लिए डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक हनान बाल्की ने कहा, मैं गाजा से बीमार और गंभीर रूप से घायल मरीजों को निकालने और उन्हें चिकित्सिकीय देखभाल प्रदान करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात का बेहद आभारी हूं। उल्लेखनीय है कि यह ऑपरेशन गाजा में चल रहे स्वास्थ्य सेवा संकट का उल्लेख करता है जहां उन्नत चिकित्सा देखभाल तक पहुंच सीमित है। डब्ल्यूएचओ और संयुक्त अरब अमीरात का सहयोग क्षेत्र में तत्काल चिकित्सा आवश्यकताओं को रेखांकित करता है।

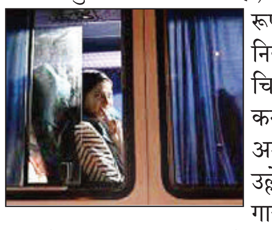

पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री डार ईरान के दौरे पर

इस्लामाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार मंगलवार को ईरान की यात्रा पर गये। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए ईरान गये हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के लोगों और सरकार की ओर से उपप्रधान मंत्री ने ईरानी राष्ट्रपति को उनके पद संभालने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। श्री डार ने नए राजनीतिक प्रशासन को सत्ता के सफल और सुचारु हस्तांतरण पर बधाई दी। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, उप प्रधान मंत्री ने नए ईरानी प्रशासन और ईरान के साथ संबंधों को और मजबूत करने की पाकिस्तान की प्रतिबद्धता के प्रति समर्थन और एकजुटता भी व्यक्त की।

इजराइल ने हिजबुल्ला को निशाना बनाकर बेरूत पर किया हवाई हमला, एक की मौत

बेरूत, 31 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल ने हिजबुल्ला को निशाना बनाते हुए बेरूत पर हवाई हमला किया जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसी के साथ इजराइल का लेबनान में सक्रिय चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के साथ तनाव बढ़ गया है।

इजराइल की सेना ने कहा कि यह हमला उसके नियंत्रण वाले गोलान हाइट्स क्षेत्र में गत सप्ताहांत रॉकेट से हमला करने और 12 बच्चों एवं किशोरों की मौत के साथ-साथ अन्य हमलों में कई इजराइली नागरिकों की मौत के लिए जिम्मेदार आतंकी कमांडर के ठिकाने को निशाना बनाकर किया गया।

इजराइल ने बीते शनिवार को मजदल शम्स शहर में हुए रॉकेट हमले के लिए हिजबुल्ला को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, चरमपंथी संगठन ने हमले में अपनी भूमिका से इनकार किया है। इजराइली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने मंगलवार के हमले के तुरंत बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में लिखा, ''हिजबुल्ला ने अपनी हदें पार कर दी है।''

लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि ड्रोन से किए गए इस हमले में तीन रॉकेट दागे गए, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। सूत्रों के मुताबिक, घायलों को पास के अस्पतालों में ले जाया गया। विस्फोट स्थल के पास स्थित बहमन अस्पताल ने लोगों से रक्तदान करने का आह्वान किया। यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि जिस पर हमला किया गया है उसकी हमले में मौत हुई या घायल हुआ है।

हिजबुल्ला के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार शाम को बेरूत के दक्षिण में हिजबुल्ला के गढ़ पर इजराइली हवाई हमला हुआ, जिससे नुकसान हुआ है।

कमला हैरिस से सीधे बहस करने से बचते नजर आ रहे डोनाल्ड ट्रंप

न्यूयॉर्क, 31 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की आधिकारिक उम्मीदवार होने के बाद रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति उम्मीदवार व पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी प्रतिद्वंदी हैरिस के साथ बहस करने की अपनी पूर्व प्रतिबद्धता से पीछे हटते नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने इस संभावित बहस के महत्व पर सवाल उठाया है और कहा है कि वह ''संभवत:'' बहस करेंगे, लेकिन वह ''ऐसा न करने का भी तर्क दे सकते हैं''। ट्रंप के इस बयान पर हैरिस की टीम ने पलटवार करते हुए कहा कि वह 'डरे हुए हैं'। फॉक्स न्यूज चैनल पर सोमवार रात को प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप से हैरिस के साथ बहस करने के बारे में कई बार सवाल पूछे जाने के बाद पहले की तुलना में अधिक नरमी से जवाब दे रहे थे।

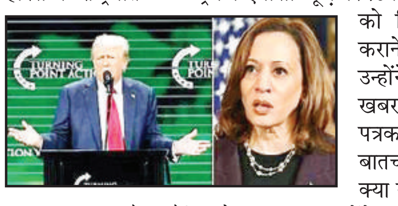

रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप तत्कालीन डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडन के साथ बहस करने के लिए तैयार थे। लेकिन बाइडन के दौड़ से बाहर होने और हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद ट्रंप ने बाइडन के साथ मूल बहस की शर्तों पर सवाल उठाए हैं, जिस पर उन्होंने सहमति जताई थी।

ट्रंप ने एबीसी न्यूज़ पर 10 सितंबर को प्रस्तावित बहस को किसी दूसरे नेटवर्क पर कराने का सुझाव दिया है। उन्होंने एबीसी को ''फर्जी खबर'' बताया है। पिछले हफ्ते पत्रकारों के साथ फोन पर बातचीत में ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह कम से कम एक बार हैरिस के साथ बहस करेंगे। उन्होंने जवाब दिया, ''हाँ, बिल्कुल। मैं ऐसा करना चाहूँगा,''। ट्रंप ने कहा कि बहस करना एक बाध्यता है। ट्रंप से सोमवार के साक्षात्कार में बार-बार प्रोस्ताता लॉरा इंग्राहम द्वारा बहस को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''मैं बहस करना चाहता हूं। लेकिन मैं यह भी कह सकता हूं। हर कोई जानता है कि मैं कौन हूं। और अब लोग जानते हैं कि वह कौन है।''

पूर्व राष्ट्रपति ने अंतत: कहा, इसका उत्तर हां है, मैं संभवत: बहस करूंगा। उन्होंने एक मिनट तक कहा कि राज्यों में प्रारंभिक मतदान शुरू होने से पहले किसी भी बहस को आयोजित किया जाना चाहिए और फिर उन्होंने कहा, इसका उत्तर हां है, लेकिन मैं ऐसा न करने का भी तर्क दे सकता हूं।

ब्रिटेन में बच्चों के बीच हुई चाकूबाजी, एक मासूम की मौत, पीएम ने जताया दुख

लंदन, 31 जुलाई।

उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के साउथपोर्ट में बच्चों की डांस क्लास में हुई चाकूबाजी की घटना में नौ साल की एक बच्ची की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। इससे पहले, छह और सात साल की दो बच्चियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। पांच अन्य जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। उधर, मर्सीसाइड पुलिस के जासूसों ने मामले में 17 वर्षीय संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की। मर्सीसाइड पुलिस ने बताया कि आज तड़के चाकू से किये गए हमले में जख्मी हुई एक और बच्ची की मौत हो गई।

इस घटना पर ब्रिटने के प्रधानमंत्री स्टॉर्मर चिंता जाहिर की है। स्टॉर्मर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'साउथपोर्ट से भयावह और बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। मैं पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को उनकी त्वरित कार्रवाई के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।' पुलिस ने कहा कि चाकूबाजी का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है और हमले को आतंकवाद से संबंधित नहीं माना जा रहा है। पुलिस ने पुष्टि की कि अधिकारी किसी और संदिग्ध की तलाश नहीं कर रहे हैं। मर्सीसाइड पुलिस की प्रमुख कांस्टेबल सेरेना केनेडी ने कहा, कार्डिफ (वेल्स) में जन्मे लैंकशर के 17 वर्षीय व्यक्ति को हत्या और हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार करके थाने ले जाया गया, जहां अधिकारी उससे पूछताछ करेंगे। इस बीच, गायिका टेलर स्विफ्ट ने कहा कि वह घटना के बारे में जानकर पूरी तरह स्तब्ध हैं और इस भयावह घटना के बारे में अब जानकारी ले रही हैं। उन्होंने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, डांस क्लास में ये छोटे-छोटे बच्चे थे। मैं पूरी तरह असमंजस में हूं कि इनके परिवारों तक अपनी संवेदनाएं कैसे पहुंचाऊं।

पड़ोसी देश में बद से बदतर हो रहे हालात

तो क्या फिर होगा पाकिस्तान का बंटबारा ?

इस्लामाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन देखा जा रहा है। बलोच कार्यकर्ता महरंग बलोच ने ग्वादर में प्रदर्शन पर बैठ गई हैं। पाकिस्तानी अधिकारी उन्हें हटाने की कोशिश में लगे हैं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बलूचों का कहना है कि पाकिस्तान सरकार बंदूकों के जरिए उन्हें डराना चाहती है, लेकिन वह ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। बलूचों का आरोप है कि पाकिस्तान और चीन मिलकर बलोचिस्तान के संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं। वहीं कई एक्सपर्ट्स का मानना हैं कि ये प्रदर्शन उसी तरह हैं, जिसने पूर्वी पाकिस्तान को तोड़कर बांग्लादेश बना दिया था।

जानकार ने कहा कि यहा प्रदर्शन हमेशा होते रहे हैं, जो लीडरशिप को बदलते रहे हैं। आज के समय कई प्रदर्शन महिलाएं लीड कर रही हैं और ऐसा ही कुछ हमें बलोचिस्तान में देखने को मिलता है। उन्होंने कहा, बलोचिस्तान की पॉलिटिस में बहुत कुछ बदल रहा है। महिलाओं और युवाओं को आगे किया जा रहा है, जो कि सॉफ्ट बेस हैं। बलोचिस्तान की कई छात्राएं मारी गई, अरेस्ट हुईं और प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जो कुछ नया नहीं है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कोई भी प्रदर्शनकारी सरकार की बातचीत पर भरोसा नहीं करता। उन्हें पता हैं कि पाकिस्तान सरकार की ओर से लिखित में भी शर्तें मान ली जाती हैं। लेकिन बाद में वे पलट जाते हैं। उन्होंने कहा, बलोचिस्तान के प्रदर्शन में अगर उनकी मांगें देखी जाएं तब वह कुछ भी ऐसा नहीं है, जिसे न माना जाए। वे अपने हक की बात कर रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान में लोग खुद मान रहे हैं, जैसे बलूचों ने खुद को अलग करने की मांग कर ली है।

जानकार कहते हैं कि हमारे लोकतंत्र में बलोचिस्तान है। लेकिन उन्हें यह हक नहीं दिया गया कि वह खुद का फैसला कर सके। हर किसी को पता है कि यह कठपुतली सरकार है। जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं उनमें से कई लोगों के परिवार वालों ने सरकार के खिलाफ बंदूक उठा रखी है।

बांग्लादेश जैसा होगा हाल?

उन्होंने कहा, बलूचिस्तान को इतनी आजादी दी जाए कि वह खुद का फैसला ले सके तब कोई दिक्कत नहीं होगी। इसमें समस्या ये है कि सरकार को लगता है कि पाकिस्तान विरोधी लोग सदन में आएंगे और वे फैसले जो उन्हें पसंद नहीं आएंगे। यह बांग्लादेश वाली बात है। वह भी अपने हक और सरकार मान रहे थे। आपने पहले ही सोच कर रखा होता है कि आपको नहीं मानना, जिसके नुकसान बाद में देखने पड़ते हैं।

इस्लाम के नाम पर आतंकवाद की पैरवी करने वाले अंजेम चौधरी को आजीवन कारावास

लंदन। इस्लाम के नाम पर बड़े बड़े उपदेश देकर युवाओं को बहकाने वाले ब्रिटिश-पाकिस्तानी उपदेशक अंजेम चौधरी को आतंकवादी संगठन चलाने का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।चौधरी को पिछले सप्ताह अल-मुहाजिरून(एएलएम) चलाने का दोषी पाया गया था। इस संगठन को एक दशक से भी अधिक समय पहले आतंकवादी संगठन मानते हुए प्रतिबंधित कर दिया गया था। जस्टिस मार्क वॉल ने ब्रिटिश-पाकिस्तानी उपदेशक के लिए आजीवन कारावास की सजा की घोषणा की है। उसे कम से कम 28 साल की सजा होगी। वॉल ने लंदन के वूलविच क्राउन कोर्ट में चौधरी से कहा कि एएलएम जैसे संगठन ऑनलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से हिंसा की बात करते हैं। जज ने कहा, उनका अस्तित्व उन व्यक्तियों को साहस देता है जो उनके सदस्य हैं। वे उन लोगों के बीच दरार पैदा करते हैं जो शांतिपूर्ण तरीके से एक साथ रह सकते हैं। चौधरी के वकील पॉल हाइन्स ने तर्क दिया कि यह समूह एक संगठन से ज्यादा कुछ नहीं है और इससे जुड़े लगभग सभी हमले पहले ही हो चुके हैं। ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा की पुलिस ने संयुक्त जांच के बाद सबूत इकट्ठा किए कि अंजेम चौधरी न्यूयॉर्क में स्थित अनुयायियों के साथ ऑनलाइन व्याख्यानों के माध्यम से एएलएम चला रहा था। अभियोजकों ने कहा कि इस समूह ने कई नामों से काम किया है। न्यूयॉर्क स्थित इस्लामिक थिंकर्स सोसाइटी भी इसी का हिस्सा है। न्यूयॉर्क की डिप्टी पुलिस कमिश्नर रेबेका वेनर ने मामले को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि इस्लामिक थिंकर्स सोसाइटी एएलएम की अमेरिकी शाखा थी। चौधरी को उसके एक अनुयायी खालिद हुसैन के साथ दोषी ठहराया गया है। अभियोजकों के अनुसार, वह समूह का एक समर्पित समर्थक भी था।

घुसपैठियों और आतंकियों की तलाश में चल रही व्यापक तलाशी

जम्मू, 31 जुलाई (ब्यूरो)।

एलओसी पार से हाल ही में घुसपैठ की कई कोशिशों के जवाब में सेना ने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तलाशी अभियान तेज कर दिया है। ये तलाशी अभियान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण केरन, टंगधार, मच्छेल, उड़ी और नौगाम सेक्टरों में चलाए जा रहे हैं। यह कदम सुरक्षा उपायों को बढ़ाने और घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने के लिए चौबीसों घंटे गश्त के बीच उठाया गया है।

पिछले महीने में ही कई बार ऐसी घटनाएं हुई हैं, जब हथियारबंद आतंकवादियों ने एलओसी पार करने की कोशिश की। सेना ने हाल ही में उत्तरी कश्मीर में घुसपैठ की कुछ कोशिशों को नाकाम किया है। 18 जुलाई को कुपवाड़ा जिले में एलओसी पर सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया था। सेना अधिकारियों का कहना था कि पिछले शनिवार को कुपवाड़ा जिले के मच्छेल सेक्टर के कमाकारी इलाके में सेना ने पाकिस्तान की बार्डर एक्शन टीम (बीएटी) के हमले को नाकाम कर दिया था, जिसमें एक सैनिक शहीद हो गया था और दूसरा घायल हो गया था। गोलीबारी में एक पाकिस्तानी घुसपैठिया, जो पाक सेना का कमांडों माना जा रहा था, भी मारा गया। रक्षा सूत्रों ने संकेत दिया कि हमला करने वाली बैट टीम में संभवतः पाकिस्तानी सेना के नियमित जवान और आतंकवादी संगठनों के साथ सहयोग करने वाले एसएसजी कमांडो शामिल थे।

उत्तरी कश्मीर में तैनात एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा, घुसपैठ की लगातार कोशिशों को देखते हुए हमने एलओसी पर सतर्कता बढ़ा दी है। उन क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जा रहा है जो पारंपरिक रूप से घुसपैठ के लिए असुरक्षित रहे हैं। सेना ने एलओसी पर चौबीसों घंटे निगरानी करने के लिए उन्नत निगरानी उपकरणों से लैस अतिरिक्त गश्ती दलों को तैनात किया है।

उनका कहना था कि हम घुसपैठ की किसी भी कोशिश का मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमने कुछ कोशिशों को नाकाम किया है। सैनिक चौबीसों घंटे अलर्ट पर हैं। हमने अपनी गश्त और निगरानी उपायों को तेज कर दिया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी आतंकवादी एलओसी को पार करने में सफल न हो। वे कहते हैं कि एलओसी पर बीहड़ इलाके और घने जंगलों के बावजूद उन्होंने घुसपैठ की चुनौतियों पर काबू पा लिया है और इसकी अनुमति नहीं देंगे। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि घुसपैठिए अक्सर पता लगाने से बचने के लिए इन भौगोलिक विशेषताओं का फायदा उठाते हैं। इसके अलावा, आतंकवादियों द्वारा अत्याधुनिक संचार उपकरणों और रणनीतियों के उपयोग ने घुसपैठ को रोकने के कार्य को थोड़ा जटिल बना दिया है।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए सेना ने अपने अभियानों में उन्नत तकनीक को शामिल किया है। एक अन्य वरिष्ठ सेना अधिकारी ने कहा, किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने और निगरानी करने के लिए थर्मल इमेजिंग डिवाइस, नाइट-विज़न गॉगल्स और यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। उनका दावा था कि किसी भी खतरे का समन्वित जवाब सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ खुफिया जानकारी साझा करने के तंत्र को मजबूत किया गया है। हम संभावित खतरों से अवगत हैं और उनका मुकाबला करने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रहे हैं। हमारे सैनिक किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित हैं। हम शांति और सुरक्षा में किसी भी तरह की बाधा नहीं आने देंगे।

सोने पर शुल्क की कटौती से कश्मीर में सोने की खरीद बढ़ी

जम्मू, 31 जुलाई (ब्यूरो)।

सोने पर शुल्क में कटौती से कश्मीर के ज्वेलर के चेहरों पर मुस्कान आ गई है क्योंकि पिछले कुछ दिनों में यहां के बाजारों में बिक्री बढ़ गई है, जिससे ज्वेलर को काफी राहत मिली है और अधिक किफायती कीमतों से ग्राहक प्रसन्न हैं।

कश्मीर में सोने और चांदी के व्यापार से जुड़े ज्वेलर ने कहा कि वे अपनी बिक्री में उछाल देख रहे हैं।

गोल्ड ज्वेलर एसोसिएशन कश्मीर के अध्यक्ष बशीर अहमद ने कहा कि सोने पर सीमा शुल्क में कटौती से पहले बिक्री बेहद कम थी, लगभग 90 प्रतिशत की गिरावट आई थी। अब हमारे चेहरों पर कुछ खुशी है, पहले यह उदास हुआ करता था क्योंकि हमारी बिक्री लगभग 90 परसेंट कम हो गई थी।

वे कहते थे कि सोने पर सीमा शुल्क में कटौती के बाद से, वे दैनिक सोने की बिक्री में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि देख रहे हैं हालांकि, उन्होंने कहा कि लोगों को कीमतों के संबंध में कुछ भ्रम है, उनका कहना है कि सोने की वस्तुओं की खरीद के दौरान श्रम शुल्क को शामिल किया जाना है। विशेष रूप से, भारत सरकार ने पिछले सप्ताह सोने पर आयात शुल्क 15 परसेंट से घटाकर 6 परसेंट कर दिया, एक ऐसा कदम जिससे हितधारकों ने कहा कि खुदरा मांग बढ़ सकती है।

शुल्क कटौती के बाद से, कश्मीर में ग्राहक कम दरों पर सोना खरीदने के लिए आभूषण की दुकानों की ओर रुख कर रहे हैं, कई लोग भारी आभूषणों का विकल्प चुन रहे हैं, जो पहले उस समय पहुंच से बाहर थे जब सोने की कीमतें इस महीने की शुरुआत में 74,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थीं। सोने की कीमत मंगलवार को 950 रुपए की और गिरावट के साथ 71,050 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जबकि पहले यह 72,000 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में 1,650 रुपए की अधिक गिरावट देखी गई, जो शनिवार को 72,350 रुपए प्रति 10 ग्राम से 70,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई।

प्रीति सूदन यूपीएससी की अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।

पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन को संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्रीमती सूदन 1983 बैच की आईएएस अधिकारी रही हैं। प्रीति सूदन एक अगस्त को अपना कार्यभार संभालेंगी। वे संघ लोकसेवा आयोग में सदस्य रही हैं।

प्रीति सूदन ने खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग और महिला एवं बाल विकास तथा रक्षा मंत्रालय में सचिव के रूप में भी कार्य किया। वे एलएसई से अर्थशास्त्र में एमफिल और सामाजिक नीति और योजना में एमएससी हैं। उन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवर आयोग और ई-सिगरेट पर प्रतिबंध पर कानून के अलावा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और आयुष्मान भारत सहित भारत के दो प्रमुख प्रमुख कार्यक्रम शुरू किए हैं। प्रीति विश्व बैंक की सलाहकार भी थीं। उन्होंने तंबाकू नियंत्रण पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन के सीओपी-8 के अध्यक्ष, मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य के लिए साझेदारी के उपाध्यक्ष, वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य साझेद-ारी के अध्यक्ष के रूप में और महामारी की तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के स्वतंत्र पैनल के सदस्य के रूप में कार्य किया।

उत्तराखंड में नहीं बढ़ेगा पंचायतों का कार्यकाल

देहरादून, 31 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रदेशभर के पंचायत प्रतिनिधि त्रिस्तरीय पंचायतों का दो साल का कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर जहां 15 जुलाई से आंदोलनरत हैं। लेकिन शासन का स्पष्ट कहना है कि पंचायतों का कार्यकाल नहीं बढ़ेगा। पंचायत एक्ट में इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं है।

नवंबर में पंचायतों का पांच साल का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इसके बाद दिसंबर में 7,795 ग्राम पंचायतों और 400 जिला पंचायत सदस्यों समेत क्षेत्र पंचायत और वार्ड सदस्यों के पदों पर चुनाव कराए जाएंगे। उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन से जुड़े पंचायत प्रतिनिधियों ने पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर मंगलवार को प्रदेश के 89 ब्लॉक कार्यालयों में तालाबंदी कर प्रदर्शन किया।

संगठन का कहना है कि मांग पर अमल न होने पर तीन अगस्त को पंचायत प्रतिनिधि मुख्यमंत्री आवास कूच करेंगे।

संगठन के प्रदेश संयोजक जगत सिंह मार्तोलिया बताते हैं कि राज्य में 2020-21 में कोविड के दौरान त्रिस्तरीय पंचायतों की बैठकें नहीं हो सकी, जिससे ग्राम, क्षेत्र और जिला पंचायत क्षेत्रों में विकास कार्य प्रभावित हुआ है। उनका कहना है कि पहले भी पंचायतों का कार्यकाल बढ़ा है।

राज्य गठन के बाद 2001 में पंचायतों के चुनाव होने थे, लेकिन उस दौरान एक साल तीन महीने 28 दिन का कार्यकाल बढ़ाया गया।

झारखंड सरकार ने भी पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाया है। पंचायती राज विभाग के सचिव चंद्रेश कुमार यादव बताते हैं कि पंचायतों के चुनाव का कार्यकाल बढ़ाने की पंचायतराज एक्ट में कोई व्यवस्था नहीं है। पंचायतों के चुनाव तय समय पर होंगे। पंचायतों के परिसीमन के बाद उनके आरक्षण की कार्रवाई की जाएगी। जिसके बाद त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए जाएंगे।

पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने पिछले दिनों मुख्य सचिव को पंचायतों का दो साल का कार्यकाल बढ़ाने के लिए जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। निर्देश में कहा गया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2024-25 में न कराकर हरिद्वार जिले के साथ वर्ष 2027 में कराने चाहिए। विभागीय मंत्री ने यह भी कहा, झारखंड ने पंचायतों का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ाया था। वहीं, राजस्थान ने भी एक राज्य एक चुनाव की घोषणा की है। इन राज्यों से जानकारी लेकर किस तरह की व्यवस्था हो सकती है, इस पर कार्य किया जाए। प्रदेश में ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान के 7,795, पंचायत प्रमुख के 95, जिला पंचायत अध्यक्ष के 13, ग्राम पंचायत सदस्य के 58,970, क्षेत्र पंचायत सदस्य के 3,202 और जिला पंचायत सदस्य के 400 पदों के लिए चुनाव होने हैं। हरिद्वार जिले को छोड़कर अन्य सभी 12 जिलों में विभाग की इसी साल चुनाव कराने की तैयारी है।

वायनाड भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 184 हुई, 225 लापता

वायनाड, 31 जुलाई (एजेंसियां)।

केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन में मरने वालों की संख्या ुधवार को बढ़कर 184 हो गई हैं। 225 लोग अ भी लापता हैं।अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राजस्व विभाग के सूत्रों के अनुसार, कुल 191 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।केरल के वायनाड जिले में मेप्पाडी पंचायत के वेल्लारीमाला गांव के मुंडक्कई और चूरलमाला में मंगलवार को भीषण भूस्खलन हुआ था। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने ताया कि अ तक कुल 89 शवों की पहचान हो चुकी है और 143 शवों का पोस्टमार्टम पूरा हो चुका है। मलप्पुरम जिले के पोथुक्कल से मुंडेरी इलाकों के बीच चलियार नदी से 72 शव बरामद किए गए, जिनमें से 13 शव बुधवार को बरामद किए गए। यह स्थान मुंडक्कई में दुर्घटना स्थल से लगभग 38 किलोमीटर दूर है। मुंडक्कई में घरों के मलबे से 14 शव बरामद किए गए।इस बीच, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने एक सर्वदलीय बैठक में भाग लिया। मुंडक्कई में 500 से अधिक घरों के लगभग 1,000 पीड़ितों के रहने के लिए आठ राहत शिविर स्थापित किये गये हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि मुंडक्कई में केवल 30 घर बचे हैं। सेना, नौसेना, तटरक्षक बल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, केरल पुलिस विशेष बल, श्वान दस्ता और स्थानीय स्वयंसेवकों के लगभग 600 बचाव कर्मी मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं। उन्होंने लगभग 250 फंसे हुए लोगों को बचाया है।गौरतलब है कि 30 जुलाई को भूस्खलन में पुल ह जाने के बाद सेना के जवानों ने चूरलमाला को मुंडक्कई से जोड़ने के लिए बेली ्रिज का निर्माण शुरू कर दिया है। राजस्व मंत्री के. राजन और पांच सदस्यीय मंत्री दल अब भी चाव और खोज अभियान में सहायता के लिए मुंडक्कई में डेरा डाले हुए है। देर रात तक 1 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया, 3 हजार लोगों को रिहै सेंटर में भेजा गया है। लगातार शवों को निकालने का काम जारी है। लेकिन इस आपदा ने सैकड़ों परिवारों की उम्मीदें, सपने और खुशियां छीन ली हैं। लोग अपनों की तलाश में अस्पताल पहुंच रहे हैं। हालात यह हैं कि जब लोग अपनों का शव देखते तो सारी उम्मीदें टूट जाती हैं...बस रहा जाता है तो दर्द। दर्द अपने खास को खोने का, प्रकृति की बेरूखी और सिस्टम की अनदेखी का। बुधवार को मेप्पाडी के फैमिली हेल्थ सेंटर और नीलांबुर के सरकारी अस्प-ताल में कुछ ऐसा ही नजारा था। लोग अपनों के शव की पहचान करते नजर आए। इस दौरान पूरे अस्पताल में बस चीत्कारें गूंजती रहीं। लोगों ने शवों का नम आंखों से अंतिम संस्कार किया। वायनाड में कुछ शवों का अंतिम संस्कार किया गया तो कुछ शवों को दफनाया गया। वायनाड के अंतिम संस्कार स्थल पर तो एक साथ जलती चिताओं के बीच गूंजती चीत्कार सुन हर आंख कुदरत की बेरूखी पर शोक मनाती नजर आई। वहीं मेप्पाडी जामा मस्जिद समिति ने शवों को दफनाने का इंतजाम किया है। इतने बड़े हादसे के बाद वायनाड के लोग मदद के लिए आगे आ रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि भूस्खलन के बाद अभी भी 180 लोग लापता हैं और 300 घर उजड़ गए हैं। प्रशासन का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मौसम विभाग ने वायनाड के अलावा मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानी हो सकती है। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संसद में बताया कि 23-24 जुलाई को ही केरल सरकार को अलर्ट किया गया था, सरकार समय रहते लोगों को हटाती तो इतना नुकसान नहीं होता।सेना ने मुंडक्कई गांव के बाहर स्थित इला रिसॉर्ट और वाना रानी रिसॉर्ट में फंसे 19 टूरिस्ट को बुधवार को निकाला। ये घटना के बाद से यहीं फंसे हुए थे। सेना के पीआरओ के मुताबिक, 122 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) मद्रास के जवानों ने रस्सियों के सहारे सभी नागरिकों को चूरलमाला तक सुरक्षित निकालने के लिए एक मानव पुल बनाया। हादसे के बाद राज्य में दो दिन के राजकीय शोक की घो-षणा की गई है। 12 जिलों में 30 जुलाई को स्कूल-कॉलेज में छुट्टी घोषित कर दी गई। केरल यूनिवर्सिटी ने 30 और 31 जुलाई को होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा।भूस्खलन की घटना का जायजा लेने वायनाड जा रहीं केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ुधवार (31 जुलाई) को सुबह करी साढ़े 7 जे एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गईं। उन्हें मलप्पुरम स्थित मंजेरी के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना एक स्कूटर सवार को बचाने के चलते हुई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने खरा मौसम और सुरक्षा कारणों से वायनाड दौरा रद्द कर दिया है। राहुल ने आज कांग्रेस सांसदों के साथ संसद के सेंट्रल हॉल में वायनाड में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति दो मिनट का मौन रखा।

निर्धारित शिड्यूल के आधार पर सभी क्षेत्रों को होगी विद्युत अपूर्ति

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)।

भीषण गर्मी और उमस के बीच प्रदेश की जनता को समस्या न हो, इसके लिए योगी सरकार ने निर्धारित शिड्यूल के अनुरूप सभी क्षेत्रों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति देने के निर्देश दिए हैं। सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों को निर्देशित किया गया है कि शिड्यूल के अनुरूप विद्युत आपूर्ति के बीच होने वाली विद्युत् समस्या की भरपाई रोस्टर के दौरान अतिरिक्त अपूर्ति देकर पूरी की जाए।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में 18 घंटे, तहसील मुख्यालय स्तर पर 21 घंटे और जनपद मुख्यालय स्तर पर 24 घंटे विद्युत आपूर्ति का शिड्यूल प्रदेश सरकार ने निर्धारित किया है, जिसे हर हाल में बनाए रखना है। किसी भी क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति के दौरान यदि कोई स्थानीय फाल्ट के कारण कुछ समय के लिए विद्युत आपूर्ति बाधित होती है, तो उसकी भरपाई रोस्टर कटौती के दौरान अतिरिक्त आपूर्ति देकर की जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी गांव में सुबह 06 से 09 बजे के बीच व अपरान्ह 12 से 03 बजे के बीच रोस्टिंग तय की गई है और इसी दौरान सुबह 09 से 12 बजे के बीच स्थानीय फाल्ट के कारण 02 घंटे विद्युत आपूर्ति बाधित होती है तो दोपहर 12 से 03 बजे के बीच में 02 घंटे की अतिरिक्त विद्युत् आपूर्ति की व्यवस्था कर ली जाए, जिससे उस क्षेत्र में कुल 18 घंटे की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

कांग्रेस संसदीय दल की बैठक

माहौल कांग्रेस के पक्ष में : सोनिया गांधी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में 99 सीटें पाकर उत्साहित कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा, मैं यह कह सकती हूं कि अगर हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो लोकसभा चुनाव में जैसा माहौल दिखा उस आधार पर राष्ट्रीय राजनीति अब बदलने जा रही है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जीत का मंत्र दिया। सोनिया ने कहा कि इस वक्त माहौल कांग्रेस के पक्ष में है, लेकिन इस गति को बनाए रखना और लोकसभा चुनाव में पार्टी ने जो साख बनाई है, उसे बरकरार रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, हमें लगता था कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में लगे बड़े झटके से सही सबक लेगी। इसके बजाय, वह समुदायों को विभाजित करने और भय और शत्रुता फैलाने की अपनी नीति पर कायम है।

सोनिया ने कहा कि हमें बिल्कुल भी लापरवाह नहीं होना है। न ही हमें अति-आत्मविश्वास से भरना है। मैं यह कह सकती हूं कि अगर हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो लोकसभा चुनाव में जैसा माहौल दिखा उस आधार पर राष्ट्रीय राजनीति अब बदलने जा रही है। सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मार्ग में दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के शासनादेश से जुड़े विवाद का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा कि सौभाग्य से उच्चतम न्यायालय ने सही समय पर हस्तक्षेप किया, लेकिन यह केवल एक अस्थायी राहत हो सकती है। उन्होंने दावा किया, नौकरशाही को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति देने के लिए नियमों को अचानक बदल दिया गया। यह संगठन खुद को एक सांस्कृतिक संगठन कहता है, लेकिन पूरी दुनिया जानती है कि यह भाजपा का राजनीतिक और वैचारिक आधार है।

सोनिया गांधी ने महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव तथा जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव की संभावना के मद्देनजर पार्टी नेताओं में जोश भरने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, कुछ ही महीनों में चार राज्यों में चुनाव होने हैं। हमें लोकसभा चुनाव में बनी स्थिति को बरकरार रखना चाहिए। हमें आत्मसंतुष्ट और अति आत्मविश्वासी नहीं बनना चाहिए। माहौल हमारे पक्ष में है, लेकिन हमें लक्ष्य को ध्यान में रखने की भावना के साथ एकजुट होकर काम करना होगा।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि यदि कांग्रेस आगामी चुनावों में भी बेहतर प्रदर्शन करती है तो राष्ट्रीय राजनीति में बदलाव आएगा। उन्होंने वायनाड में भूस्खलन में 100 से अधिक लोगों की मौत पर दुख जताया और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना जाहिर की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बजट में किसानों और युवाओं को नजरअंदाज किया गया है।

आज कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता सोनिया गांधी ने की। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी समेत अन्य लोग संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में कांग्रेस संसदीय दल की आम बैठक में शामिल हुए। बैठक में वायनाड भूस्खलन और दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा– कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। चीज़ों के होने का इंतज़ार मत कीजिए– बाहर निकलें और नए मौक़ों की तलाश करें। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

योग और ध्यान आपको बेडौल होने से बचाने और मानसिक तौर पर सेहतमंद रखने में मददगार साबित होंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। परिवार के साथ रिश्ते–नातों में नयी जान डालने का सही समय है। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत अच्छी रहेगी। जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आप महसूस करेंगे कि आपके जीवनसाथी में शहद से भी ज़्यादा मिठास है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। अगर आप अपने काम पर ध्यान एकाग्र करें, तो आप अपनी उत्पादकता दोगुनी कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। जिन्हें भावनात्मक संबल की ज़रूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दिक़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता–पिता का चैन छीन सकता है। आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। आपको बढ़िया परिणामों को पाने के लिए अपनी तरफ़ से बेहतरीन प्रयास करने की आवश्यकता है। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। कोई पुराना दोस्त अपने साथ आपके जीवनसाथी के पुराने यादगार क़िस्से लेकर आ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

खीज और चिड़चिड़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। आपके फ़ैसले में माता–पिता की मदद अहम साबित होगी। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त होगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। व्यावसायिक फ़ैसलों को लेने के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमानी दिन गुज़ार सकते हैं, इससे आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 01 अगस्त 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी दोपहर 03:31 तक
नक्षत्र : मृगशिरा प्रातः 10:24 तक
योग : व्याघात दोपहर 12:49 तक
करण : तैतिल दोपहर 03:31 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , तिलक पुण्यतिथि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सरोवर में निरंतर मछलियों के मरने के विरोध में पुष्कर कस्बा बंद रहा

अजमेर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर से जुड़े तीर्थराज पुष्कर में पवित्र सरोवर में निरंतर मछलियों के मरने से गदराये जल तथा बदबू से नाराज तीर्थ पुरोहितों के आवाह्न पर बुधवार को पुष्कर कस्बा बंद रहा। खासकर पुष्कर का मूल ब्रह्मा मंदिर मार्ग पूरी तरह बंद एवं सफल रहा।

पुष्कर सरोवर के तीर्थ पुरोहित संघ के आवाह्न पर बुधवार सुबह से ही लोग ब्रह्मा मंदिर के बाहर एकत्रित हुए और अजमेर जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। बाजार में प्रातः कालीन जरूरत की जो दुकानों को खोला गया, उन्हें भी पुष्कर रक्षा के नाम पर बंद करा कर समर्थन जुटा लिया गया। सभी ने स्वेच्छा से दुकानें बंद रख समर्थन दिया। बाद में सभी लोग सामूहिकता के साथ नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया। सभी जुलूस के रूप में बाजार से होकर पुनः ब्रह्मा मंदिर के नीचे सड़क पर जमा हो गये और तेज नारेबाजी करते हुए जिला क्लकटर को मौके पर बुलाने की मांग की।

विरोध प्रदर्शन और बंद को देखते हुए पुष्कर उपखंड प्रशासन, अतिरिक्त पुलिस के साथ मौके पर मौजूद रहा। उपखंड अधिकारी पोद्दार ने बताया कि अधिक तापमान और आक्सीजन की कमी के कारण मच्छलियों के मरने का कारण हैं। उन्होंने बताया कि सरोवर के जल में आक्सीजन छोड़ने के साथ चूना डालने का काम भी किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बीते कल से मांग के बावजूद जिला कलक्टर पुष्कर नहीं पहुंची हैं और न ही पुष्कर विधायक एवं मंत्री सुरेश रावत की ओर सरोवर संरक्षण में कोई बयान आया है। श्री रावत विधानसभा में व्यस्तता के चलते पुष्कर भी नहीं आ पायें हैं। वहीं पवित्र सरोवर के सभी 52 घाट बदबू मार रहे हैं, जिससे पुष्कर के वाशिंदों की धार्मिक भावनाओं का हनन हो रहा है।

पुष्कर में मृत मछलियों की समस्या शीघ्र निपटाई जाएगी

अजमेर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर के पुष्कर स्थित पवित्र सरोवर में दम तोड़ रही मछलियों एवं बदबूदार पानी की गहराती समस्या पर बुधवार को पुष्कर बंद का असर अजमेर जिला प्रशासन पर दिखाई दिया। अजमेर के जिला कलेक्टर डा. भारती दीक्षित ने पुष्कर तीर्थ पुरोहित संघ के शिष्टमंडल को अपने कक्ष में बुलाकर बात की और सरोवर से जुड़ी समस्याओं को शीघ्रता से निपटाने का भरोसा दिलाया।उन्होंने कहा कि पुष्कर उनकी भी आस्था का केन्द्र है। वह शीघ्र वहां आकर जायजा लेंगी। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को सरोवर पर खास ध्यान देने के निर्देश भी दिये। शिष्टमंडल में तीर्थ पुरोहित संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष पुष्कर नारायण आदाली, सामाजिक कार्यकर्ता अरूण पाराशर, गोविंद पाराशर, ओमप्रकाश पाराशर शामिल थे। इस दौरान पुष्कर के उपखंड अधिकारी निखिल पोद्दार, तहसीलदार सृष्टि जैन एवं थानाधिकारी राकेश यादव भी मौजूद रहे।

बंडारू दत्तात्रेय ने शहीद सरदार उधम सिंह को किया नमन

चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को राजभवन में महान क्रांतिकारी शहीद सरदार उधम सिंह के शहीदी दिवस के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।श्री दत्तात्रेय ने कहा कि सरदार उधम सिंह एक सच्चे राष्ट्रवादी और देशभक्त थे। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौच्छावर कर देश की स्वतंत्रता प्राप्ति में महत्वपूर्ण भुमिका निभाई थी। शहीद सरदार उधम सिंह ने जलियांवाला बाग के दुःखद नरसंहार का बदला लिया था। उन्होंने कहा कि हमारे वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान व जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर युवाओं को देश की एकता, अखंडता और मजबूती के लिए काम करना चाहिए, तभी हमारे शहीदों के सपने साकार होंगे।

झुंझुनू में रात को दंपत्ति की गला काट कर हत्या

झुंझुनू, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में झुंझुनू जिले के मंड्रेला इलाके के बजावा गांव में एक सेवानिवृत सूबेदार और उनकी पत्नी का गलाकाट कर हत्या करने का मामला सामने आया है।

घटना की सूचना मिलते ही मंड्रेला एवं पिलानी दो थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची गयी है। पति–पत्नी दोनों घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। मौके से एफएसएल टीम और खोजी स्वान की टीम सबूत जुटा रही है।

पुलिस उपाधीक्षक विकास धींधवाल ने कहा कि बजावा गांव निवासी सेना से सेवानिवृत्त सूबेदार महावीर सिंह (72) एवं उनकी पत्नी भानवती (68) का लहूलुहान शव बुधवार सुबह उनके ही घर में मिला है। दोनों की हत्या गला रेतकर की गई है।

मौके पर मंड्रेला एवं पिलानी थाने की पुलिस टीम पहुंच गयी है। आसपास के इलाकों की छानबीन की जा रही है। रात को पति–पत्नी खेत में बने घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। बेटा नरेंद्र पूनिया और उसकी पत्नी सोनिया घर के अंदर सो रहे थे।

सोनिया सुबह करीब पौने छह बजे उठी। वह बाहर गई तो दोनों के शव देखे। इसके बाद उसने नरेंद्र को जगाया और पूरी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

ग्रामीणों ने बताया कि परिवार की किसी के साथ कोई रंजिश नहीं थी। महावीर सिंह के बेटे नरेंद्र पूनिया की मंड्रेला में मोबाइल शॉप है। उनके दो कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स भी हैं। इनमें से एक कॉम्प्लेक्स अभी निर्माणाधीन है। महावीर प्रॉपर्टी का भी काम करते हैं। पुलिस उपाधीक्षक धींधवाल ने बताया कि घटना की जानकारी महावीर सिंह के भाई पवन को दी गई।

रोडवेज की चपेट में आने युवक की मौत जैन समाज ने शव उठाने से किया इनकार

अजमेर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ के मदनगंज थानान्तर्गत रोडवेज की चपेट में आये मोटर साइकिल सवार मृतक मोहित जैन के समर्थन में आज सकल जैन समाज ने राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल के बहार प्रदर्शन किया और शव उठाने से इनकार कर दिया।

किशनगढ़ उपखंड अधिकारी अर्चना चौधरी एवं उपाधीक्षक महिपाल चौधरी ने अस्पताल के बाहर पहुंच कर समझाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हुये। प्रदर्शन करने वाले रोडवेज चालक की गिरफ्तारी और मृतक के परिजनों को मुआवजे के साद एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिये जाने की मांग पर अड़े हुए हैं। पूर्व विधायक सुरेश टांक भी मृतक के समर्थन में उपखंड अधिकारी से बात करने में लगे हैं लेकिन वे फोन नहीं उठा रही हैं। इस बात से टांक भी नाराज हो गये। किशनगढ़ पहुंची जानकारी के मुताबिक कांग्रेस विधायक विकास चौधरी ने इस मामले को विधानसभा से उठाते हुए मृतक के परिजनों को 50 लाख का मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिये जाने की बात रखी है। उल्लेखनीय है कि किशनगढ़ हाउसिंग बोर्ड निवासी मोहित जैन मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था कि अजमेर रोड पर चेतनप्रभु गेस्ट हाउस के सामने रोडवेज की टक्कर से मौत के मुंह में चला गया। उसे राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी, और आज परिजनों एवं जैन समाज ने शव उठाने से इनकार कर दिया।

हत्या के छह दोषियों को उम्रकैद, कोर्ट ने 20-20 हजार का जुर्माना भी ठोंका

सिरोही, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संख्या 2 आबूरोड की न्यायाधीश ग्रीष्मा शर्मा द्वारा सवा चार साल पहले मावल गांव में हुई 1 व्यक्ति की हत्या के मामले में 7 में से 6 आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास एवं 20–20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई है। इस मामले में 1 आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया गया है।

गौरतलब है कि इस मामले में आबूरोड रीको पुलिस द्वारा 12 अप्रैल 2020 को मामला दर्ज किया गया था। न्यायालय द्वारा इसमें 7 आरोपियों में से 6 आरोपियों को हत्या का दोषी माना गया हैं। अपने निर्णय में दोषियों को आजीवन कारावास तथा 20–20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है तथा 1 आर–ोपी को संदेह का लाभ देकर दोषमुक्त कर दिया गया हैं। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने अपने प्रकरण को साबित करने के लिए 10 गवाह करवाकर 54 दस्तावेजों को प्रदर्शित करवाया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद न्यायाधीश ग्रीष्मा शर्मा द्वारा अभियोजन की ओर से प्रस्तुत तर्कों से सहमति जताते हुए 6 आरोपियों को दोषी करार दिया गया जबकि, वीर पुत्र रतन को संजय का लाभ देकर दोष मुक्त कर दिया गया। पुलिस के अनुसार 12 अप्रैल 2020 की शाम 7:30 बजे मावल निवासी प्रार्थी पुखराज पुत्र कान्हाजी भील रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि शाम 5 बजे उसके चाचा के घर पर सो रहे थे तब वह उसके चाचा भंवरजी एवं उनका लड़का महेंद्र सब घर पर ही थे। उसी दौरान उनकी जाति के दिनेश पुत्र थावर, वीर पुत्र रत्न, दिनेश पुत्र मूल, ललित पुत्र थावरा, प्रकाश पुत्र थावरा एवं विक्रम पुत्र थावरा आदि लकड़ी लेकर आए और आते ही उसके चाचा भंवर का दिनेश पुत्र थावरा वीर पुत्र रत्न भील ने जोर से गला दबाया। इससे चाचा बेहोश हो गए बीच बचाव में महेंद्र के सर में लकड़ी की चोट मारी उनके जोर से चिल्लाने पर सभी आरोपी वहां से भाग गए। इलाज के दौरान चाचा भंवरलाल की मौत हो गई।

धिंगतानियां–सलारपुर खरीफ चैनल निर्माण को लेकर सीएम सैनी से मिले किसान

लेट–लतीफी पर सीएम ने अफसरों को फटकारा, तारा बाबा कुटिया में लिया पूजन में भाग

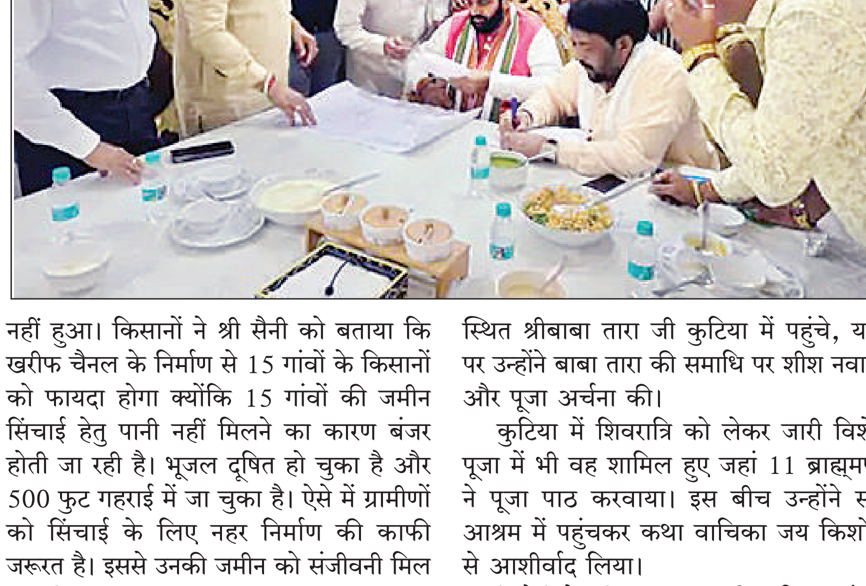

सिरसा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बुधवार को सिरसा आगमन पर धिंगतानियां–सलारपुर खरीफ चैनल निर्माण को लेकर विभिन्न गांवों के किसान विधायक गोपाल कांडा के निवास पर उनसे मिले।

किसानों की बात सुनकर मुख्यमंत्री नायब सैनी अधिकारियों पर आग बबूला हो गए। मुख्यमंत्री ने उपायुक्त आरके सिंह व सिंचाई विभाग के अधिशाषी अभियंता और एसडीओ को लताड़ लगाते हुए कहा कि हाई लेवल परचेज कमेटी में अभी तक फाइल पास क्यों नहीं हुई? अगले दो दिन में धिंगतानियां–सलारपुर खरीफ चैनल की फाइल पास करवाकर किसानों की जमीनों की राशि उनके अकाउंट में डाली जाए। उन्होंने कहा कि दो दिन में किसानों समस्या का समाधान हो जाएगा। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता गोबिंद कांडा व उपायुक्त आर के सिंह ने श्री सैनी को धिंगतानियां–सलारपुर खरीफ चैनल का नक्शा दिखाया।

किसानों ने श्री सैनी को बताया कि वे 15 सालों से लड़ाई लड़ रहे हैं। पूर्व सीएम मनोहर लाल ने धिंगतानिया–सलारपुर खरीफ चैनल का निर्माण करने की घोषणा 2019 में की थी। घो–षणा के बाद अब तक चैनल का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया।

वर्ष 2019 में खरीफ चैनल के निर्माण के लिए बजट राशि जारी हो चुकी है लेकिन आगे कुछ नहीं हुआ। किसानों ने श्री सैनी को बताया कि खरीफ चैनल के निर्माण से 15 गांवों के किसानों को फायदा होगा क्योंकि 15 गांवों की जमीन सिंचाई हेतु पानी नहीं मिलने का कारण बंजर होती जा रही है। भूजल दूषित हो चुका है और 500 फुट गहराई में जा चुका है। ऐसे में ग्रामीणों को सिंचाई के लिए नहर निर्माण की काफी जरूरत है। इससे उनकी जमीन को संजीवनी मिल जाएगी।

इससे पहले श्री सैनी आज सुबह रानियां रोड स्थित श्रीबाबा तारा जी कुटिया में पहुंचे, यहां पर उन्होंने बाबा तारा की समाधि पर शीश नवाया और पूजा अर्चना की।

कुटिया में शिवरात्रि को लेकर जारी विशेष पूजा में भी वह शामिल हुए जहां 11 ब्राह्मणों ने पूजा पाठ करवाया। इस बीच उन्होंने संत आश्रम में पहुंचकर कथा वाचिका जय किशोरी से आशीर्वाद लिया।

श्री सैनी के श्री बाबा तारा की कुटिया पहुंचने पर सिरसा विधायक, पूर्व गृह राज्यमंत्री एवं हलोपा सुप्रीमो गोपाल कांडा, उनके अनुज वरिष्ठ भाजपा नेता गोबिंद कांडा ने बुकें भेंटकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर, भाजपा जिला अध्यक्ष शीशपाल कंबोज सहित कई भाजपा नेता मौजूद थे। मुख्यमंत्री का सिरसा मे यह 10 दिन में दूसरा दौरा है।

मुख्यमंत्री इससे पहले 21 जुलाई को सिकंदरपुर स्थित राधा स्वामी सत्संग भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया था। मुख्यमंत्री ने यहां पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की थी। वहीं बता दें कि 28 दिन पहले भी सीएम सिरसा में आए थे और चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी के हॉल में कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत की थी।

भाजपा की नजर सिरसा में इनेलो और जजपा से छिटक चुके वोटरों पर है। लोकसभा चुनाव में इन वोटरों ने कांग्रेस का रूख किया था मगर विधानसभा चुनाव में परिस्थितियां अलग हैं। सिरसा जिले में भाजपा को 2019 में एक भी सीट नहीं मिली थी। यहीं कारण है सिरसा भाजपा के लिए अहम जिला है। यहां विधानसभा की 4 सीटे हैं। सिरसा जिले में डबवाली, रानियां, कालांवाली और सिरसा विधानसभा आती हैं। 4 में से 3 सीटों पर पंजाबी वोटरों का अच्छा प्रभाव है।

अगस्त माह के तीज त्योहार

हरियाली अमावस्या से जन्माष्टमी तक आएंगे यह त्योहार

अगस्त के शुरुआती दो दिन शिव पूजा के लिए खास रहेंगे। इनमें पहली तारीख को प्रदोष यानी तेरहवीं तिथि रहेगी। इसके अगले दिन चतुर्दशी यानी सावन की शिवरात्रि होगी। शिव पुराण के मुताबिक ये दोनों तिथियां शिव पूजन के लिए बेहद खास मानी जाती हैं। इन तिथियों में जल और दूध से शिवलिंग की पूजा-अभिषेक करने से बीमारियां दूर होती हैं और उम्र भी बढ़ती है। हर तरह की परेशानियों से भी छुटकारा मिलता है। इन दिनों में शिव पूजन करने से महापूजा करने जितना पुण्य मिलता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि अगस्त का महीना हर साल की तरह इस साल भी ढेरों बड़े तीज-त्योहारों से लेकर आ रहा है। इनमें सावन शिवरात्रि, हरियाली अमावस्या, सावन सोमावार, हरियाली तीज, नाग पंचमी और रक्षाबंधन आदि प्रमुख हैं। इसके अलावा, अगस्त महीने में पुत्रदा और अजा एकादशी, प्रदोष व्रत, कालाष्टमी समेत कई प्रमुख व्रत त्योहार मनाए जाएंगे। वहीं, सावन का महीना 22 जुलाई से शुरू हो चुका है जो कि 19 अगस्त तक चलेगा। इसी महीने सावन माह का अंत श्रावणी पूर्णिमा के साथ होगा और भाद्रपद माह की शुरूआत होगी। भादौ माह 20 अगस्त को शुरू हो रहा है। इसके अलावा इसी महीने सावन के तीन सोमवार पड़ेंगे। 5 अगस्त, 12 अगस्त और 19 अगस्त को सावन का आखिरी सोमवार होगा।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सावन के महीने में कई मुख्य त्योहार पड़ते हैं। मुख्य रूप से सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान शिव भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए कई प्रकार के कार्य करते हैं। वहीं, सावन के हर मंगलवार को मंगला गौरी व्रत किया जाता है। जो कि माता पार्वती को समर्पित होता है। अगस्त के महीने रक्षाबंधन, नागपंचमी, हरियाली तीज जैसे त्योहार मनाए जाते हैं

अगस्त के महीने में आने वाले हैं ये खास व्रत-त्योहार

प्रदोष तिथि यानी 1 अगस्त को व्रत रखें। इस दिन सूर्योदय के वक्त शिवलिंग पर जल चढ़ाना चाहिए। साथ ही शाम को सूर्यास्त के वक्त शिवजी की विशेष पूजा करनी चाहिए। इस दिन सुबह-शाम शिवलिंग पर बिल्व पत्र और सफेद फूलों की माला चढ़ाएं। साथ ही घी का दीपक लगाएं। मिट्टी के मटके में दूध और पानी भरकर शिव मंदिर में दान करें। सावन शिवरात्रि यानी शिव चतुर्दशी 2 अगस्त को है। इस दिन भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करनी चाहिए। इस दिन मां पार्वती को सौभाग्य सामग्री यानी 16 श्रृंगार चढ़ाए जाते हैं। जिससे परिवार में सुख और समृद्धि बढ़ती है और मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। इस पर्व पर रात के चारों प्रहर में पूजा करने की परंपरा भी है। यानी सूर्यास्त के बाद हर 3 घंटे में शिव-पार्वती पूजा करने से मनोकामना पूरी होती है।

शिव पूजा से दूर होती है परेशानियां

सावन महीने में शिवलिंग पर पानी का कलश या घड़ा स्थापित किया जाता है। माना जाता है कि जैसे घड़े से पानी की बूंद-बूंद शिवलिंग पर गिरती है, उसी तरह परेशानियां भी पानी की तरह बहकर दूर हो जाती है। साथ ही इस महीने में शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा भी है। ऐसा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं, इसलिए इन दो दिनों में शिवलिंग पर जल चढ़ाना चाहिए।

मिलता है शिव पूजा का फल

सावन महीने में प्रदोष और शिव चतुर्दशी पर सुबह जल्दी उठकर नहाने के बाद भगवान भोलेनाथ का जल और दूध से अभिषेक करने की परंपरा है। साथ ही फलों के रस से भी अभिषेक करना चाहिए। शिव पुराण में बताया गया है कि फलों के रस से शिवजी का अभिषेक करने से हर तरह की शारीरिक और मानसिक परेशानियां दूर होती हैं। इसके बाद शिवलिंग पर मदार, धतूरा और बेलपत्र चढ़ाना चाहिए। साथ ही शिवजी को मौसमी फलों का भोग लगाएं और इन दो दिनों तक व्रत रखें। इससे शिव महापूजा का फल मिलता है।

अगस्त के तीज त्योहार

01 अगस्त 2024 (गुरुवार) – गुरु प्रदोष व्रत (कृष्ण)
02 अगस्त 2024 (शुक्रवार) – सावन शिवरात्रि
04 अगस्त 2024 (रविवार) – श्रावण अमावस्या, हरियाली अमावस्या
05 अगस्त 2024 (सोमवार) – तीसरा सावन सोमवार
06 अगस्त 2024 (मंगलवार) – मंगला गौरी व्रत
07 अगस्त 2024 (बुधवार) – हरियाली तीज
08 अगस्त 2024 (गुरुवार) – विनायक चतुर्थी
09 अगस्त 2024 (शुक्रवार) – नाग पंचमी
10 अगस्त 2024 (शनिवार) – कल्कि जयंती
11 अगस्त 2024 (रविवार) – तुलसीदास जयंती
12 अगस्त 2024 (सोमवार) – चौथा सावन सोमवार
13 अगस्त 2024 (मंगलवार) – मंगला गौरी व्रत
16 अगस्त 2024 (शुक्रवार) – श्रावण पुत्रदा एकादशी, सिंह संक्रांति, वरलक्ष्मी व्रत
17 अगस्त 2024 (शनिवार) – शनि प्रदोष व्रत (शुक्ल)
19 अगस्त 2024 (सोमवार) – रक्षा बंधन, श्रावण पूर्णिमा व्रत, पांचवा सावन सोमवार,
20 अगस्त 2024 (मंगलवार) – भाद्रपद माह शुरू
22 अगस्त 2024 (गुरुवार) – संकष्टी चतुर्थी, कजरी तीज, बहुला चौथ
24 अगस्त 2024 (शनिवार) – बलराम जयंती
25 अगस्त 2024 (रविवार) – शीतला सप्तमी
26 अगस्त 2024 (सोमवार) – जन्माष्टमी
27 अगस्त 2024 (मंगलवार) – दही हांडी
29 अगस्त 2024 (गुरुवार) – अजा एकादशी
31 अगस्त 2024 (शनिवार) – प्रदोष व्रत (कृष्ण)

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सावन शिवरात्रि पर बन रहे हैं ये सिद्धि योग

हिंदू धर्म में शिवरात्रि का बहुत महत्व माना जाता है। भोले बाबा के भक्तों के लिए शिवरात्रि का दिन काफी खास माना जाता है। इस दिन शिव कांवड़ यात्री हरिद्वार से गंगाजल लेकर आते है और भोले बाबा का अभिषेक करते है। साथ ही पूजा अर्चना करते है। शिवरात्रि के दिन भक्तों पर माता पार्वती और भोलेबाबा की असीम कृपा प्राप्त होती है।

शिवरात्रि पर शुभ मुहूर्त

शिवरात्रि शुभारंभ – 2 अगस्त, शुक्रवार 3.26 शाम के

शिवरात्रि समापन – 3 अगस्त, शनिवार 3.50 शाम के सवार्थ सिद्धि योग – 2 अगस्त को 10.59 सुबह से 3 अगस्त को 12.49 दोपहर तक

पूजा मुहूर्त – रात 12 बजकर 6 मिनट से 12 बजकर 49 मिनट तक

जलाभिषेक समय

वैसे तो सावन में किसी भी टाइम जलाभिषेक करना शुभ होता है. सावन के महीने में हर शिव भक्त भोले बाबा की भक्ति में लीन होता है। वहीं अगर आप सर्वार्थ सिद्धि योग में जलाभिषेक करते हो तो आपको मनचाहे फल की प्राप्ति होती है। आप 10.59 सुबह से कभी भी जलाभिषेक कर सकते हैं।

इन चीजों से करें रुद्राभिषेक

नौकरी में सफलता के लिए

नौकरी में सफलता पाने के लिए आप शहद से रुद्राभिषेक कराना चाहिए। इसके अलावा आप घर, गाड़ी और प्रॉपर्टी की प्राप्ति के लिए शहद से रुद्राभिषेक कर सकते हैं।

क्लेश दूर करने के लिए

परिवार मे क्लेश से मुक्ति पाने के लिए आप शक्कर से रुद्राभिषेक कर सकते हैं। इससे आपके जीवन में सुख प्राप्त होगा।

व्यापार में उन्नति के लिए

अगर आपके व्यापार में रुकावट आ रही है तो आप घी का रुद्राभिषेक करें। इससे आपके व्यापार में उन्नति होगी। इसके अलावा आप पुत्र की प्राप्ति के लिए भी घी का रुद्राभिषेक कर सकते हैं।

ग्रह दोष के लिए

कुंडली के ग्रह दोष से राहत पाने के लिए आप गंगाजल से रुद्राभिषेक कर सकते हैं। इससे शिव जी की कृपा बनती है। साथ ही आपको अपने दोष से मुक्ति मिलती है।

धन की कमी के लिए

धन की कमी के लिए आप गन्ने के रस से रुद्राभिषेक कर सकते हैं। संपत्ति में बढ़ोत्तरी पाने के लिए आप गन्ने के रस से अभिषेक करें।

सुख शांति के लिए

घर में सुख शांति और तरक्की के लिए आप दही और दूध से रुद्राभिषेक करें। इससे आपके घर के लोगों में सुख शांति बनी रहेगी। साथ ही घर के लोग तरक्की करेंगे।

दुश्मनों से छुटकारा पाने के लिए

दुश्मनों से छुटकारा पाने के लिए आप भस्म से रुद्राभिषेक करें। इसके अलावा अगर आफ दुश्मनों का नाश चाहते है तो आप सरसों के तेल से रुद्राभिषेक करें।

सावन के महीने में यहां खिला दुर्लभ पारिजात का फूल

जानें इंद्र ने क्यों दिया था इस पेड़ को श्राप?

पारिजात का फूल भगवान शिव को प्रिय माना जाता है। कहा जाता है कि सावन के महीने में इस पुष्प को भगवान शिव पर चढ़ाने से वे बहुत प्रसन्न होते हैं। मान्यता है कि यह पुष्प श्री विष्णु के कृष्ण अवतार खुद स्वर्ग से धरती लेकर आए थे। यह पूरे साल में सिर्फ सर्दी के दिनों में ही खिलता है। यह पूरे साल में सिर्फ सर्दी के दिनों में ही खिलता है।

बाराबंकी जनपद के तहसील रामनगर इलाके के बदोसराय क्षेत्र के बरौलिया गांव में पारिजात का एक पेड़ है । करीब चार माह के पतझड़ रहने के बाद पहले इस वृक्ष में हरी-भरी पत्तियां आईं और अब इस पेड़ में सैकड़ों की संख्या में स्वर्ण आभा वाले सुंदर पुष्प निकले हैं, जोकि पर्यटकों को मोहित कर रहे हैं। इन पुष्पों की खुशबू से पूरा परिसर सुगंधित बना हुआ है। जिसको देखने के लिए हर दिन हजारों की संख्या लोग पहुंच रहे हैं। यहां आने वाले सभी पर्यटक इन सुंदर पुष्पों के साथ फोटो भी ले रहे हैं..

कैसे धरती पर आया पारिजात का पेड़?

पौराणिक कथा के मुताबिक, एक बार भगवान कृष्ण अपनी पत्नी रुक्मणी के साथ थे, तभी नारद मुनि अपने हाथ में पारिजात का पुष्प लिए आए और उन्हें रुक्मणी को दे दिया। रुक्मणी ने इस फूल को अपने बालों में लगा लिया। पुष्प को देखकर उनकी दूसरी पत्नी सत्यभामा ने पूरे परिजात पेड़ की मांग की। इसके बाद भगवान कृष्ण ने इंद्र से पारिजात का पेड़ देने का अनुरोध किया, लेकिन इंद्र ने उनका अनुरोध ठुकरा दिया। इसके बाद युद्ध हुआ और इंद्र पराजित हुए। इस तरह युद्ध हारकर इंद्र को पारिजात का पेड़ सत्यभामा को सौंपना पड़ा। इस तरह यह वृक्ष धरती पर आ गया। लेकिन इसके बाद इंद्र ने इस वृक्ष को फल से वंचित रहने का श्राप दे दिया इसलिए इस वृक्ष में पुष्प तो आता है, पर फल नहीं आते हैं।

1 महीने तक खिले रहेंगे फूल

वही यहां के लोगों का कहना है कि पारिजात वृक्ष के पुष्प को रखने से मन में शांति एवं धन की प्राप्ति होती है, जिसके लिए लोग इस सुंदर पुष्प को ले जाने के लिए व्याकुल रहते हैं। यहां के पुजारी बाबा मंगलदास ने बताया कि इस बार वृक्ष में इतनी तादाद में पुष्प आए हैं ये पुष्प के करीब एक माह तक इसी तरह खिले रहेंगे जिससे सुंदरता बनी रहेगी।

सावन में भोले भंडारी का इन 5 वस्तुओं से करें अभिषेक

भोलेनाथ की आराधना का सबसे पावन मास सावन चल रहा है। शिवालयों में हर - हर महादेव के जयकारे तेजी से गूंज रहे हैं। भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए करने के लिए सहस्त्रधारा से उनका अभिषेक कर रहे हैं। कोई भोलेनाथ का खास और भस्म श्रृंगार कर, अन्य कई तरीकों उन्हें रिझाने की कोशिश कर रहा है।

अगर आप भोलेनाथ को अपनी भक्ति से सावन मास में प्रसन्न करना चाहते हैं तो कुछ वस्तुएं ऐसी हैं जिन्हें आप सावन मास में अर्पण कर सकते हैं। इससे भोलेभंडारी न प्रसन्न होंगे। बल्कि, जीवन के सभी रोग - दोष भी समाप्त कर देंगे। ज्योतिषियों के अनुसार सावन में कुछ खास चीजों से भोलेनाथ का अभिषेक करने से घर में कभी धन की कमी नहीं होगी और शत्रुओं से भी छुटकारा मिल जाएगा। आदिदेव भोलेनाथ आपकी सभी मनोवांछित इच्छाएं भी पूरी करेंगे।

इन 5 तत्वों से जरूर करें अभिषेक

सावन में भोलेनाथ की सेवा पूजा कच्चे दूध, दही, शहद, घी और और बूरा चढ़ाकर जरूर करनी चाहिए। इसे पंचामृत कहते हैं। इन पांच चीजों यानी पंचामृत चढ़ाने से भोलेनाथ सभी

मनोवांछित इच्छाओं को पूरी कर देते हैं।

शत्रुओं का करें नाश

सावन में अगर सरसों के तेल से शिव का रुद्राभिषेक करते हैं तो इससे आपका शत्रुदोष समाप्त हो जाएगा। सावन में इस उपाय को करने से आपके जीवन से शत्रुओं का नाश हो जाएगा।

धन प्राप्ति के उपाय

अगर आप अपने जीवन में खूब सारा धन चाहते हैं तो सावन मास में शुद्ध मधु से भोलेनाथ का अभिषेक करें। ज्योतिषी का कहना है शहद से भोलेनाथ का अभिषेक करने से घर में कभी धन की कमी नहीं आती है।

संतान की प्राप्ति के लिए करें यह

पं। मनीष उपाध्याय बताते हैं अगर आप सावन में भोलेनाथ से संतान, पुत्र और पौत्र की प्राप्ति चाहते हैं तो दूध से भोलेनाथ की खूब सेवा करें। भोलेनाथ न केवल इन चीजों से प्रसन्न होते हैं बल्कि प्रकृति ने हमें ऐसी कई औषधि दी हैं जिनसे वो प्रसन्न होते हैं। इन औषधियों को चढ़ाने के बाद कैसा भी असाध्य रोग क्यों ना हों वह भी पूरी तरह समाप्त हो जाता है।

असाध्य रोगों से मुक्ति पाएं

भोलेनाथ की आराधना में औषधियों का भी काफी महत्व हैं। बहुत सारी ऐसी औषधि हैं जिनसे भोलेनाथ को स्नान कराने से वह प्रसन्न हो जाते। कुशोदक एक ऐसी ही औषधि है। चाहें कैसा भी रोग क्यों ना हो, सावन मास में अगर कुशा के जल से भोलेनाथ का स्नान कराया जाए तो वह रोग भी समाप्त हो जाता है।

बॉक्स ऑफिस पर तूफान बनी हुई है कल्कि 2898 एडी, 33वें दिन भी की करोड़ों में कमाई

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी फिल्म कल्कि 2898 एडी को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीना से ज्यादा हो गया है लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अब भी जोरदार परफॉर्म कर रही है। डेडपूल एंड वूल्वरिन जैसी नई रिलीज से कड़े मुकाबले के बावजूद फिल्म की कमाई की रफ्तार धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। चार हफ्तों तक दमदार कलेक्शन करने बाद फिल्म ने पांचवें वीकेंड पर भी हुंकार भरी और शानदार कलेक्शन कर लिया। चलिए यहां जानते हैं कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 33वें दिन यानी पांचवें मंडे कितनी कमाई की है?कल्कि 2898

एडी ने इतिहास रच दिया है। फिल्म रिलीज के पहले दिन से नोटों में खेल रही है और बॉक्स ऑफिस पर एक महीने बाद भी मजबूती से डटी हुई है। फिल्म की दमदार कहानी और इसके जबरदस्त वीएफएक्स का जादू दर्शकों के सिर चढ़ा हुआ है जिसके चलते महीने भर बाद भी फिल्म को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक सिनेमाघरों तक खींचें चले आ रहे रहे हैं। दिलचस्प बात ये है कि कल्कि 2898 एडी तमाम नई रिलीज फिल्मों से मुकाबला करते हुए करोडों में कमाई कर रही है। ये फिल्म अब तक भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर चुकी है लेकिन इसकी रफ्तार पर ब्रेक लगता नजर नहीं आ रही है।कल्कि 2898 एडी की अब तक की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 95.3 करोड़ से खाता खोला था। फिर पहले हफ्ते में फिल्म ने 414.85 करोड़ कमाए और दूसरे हफ्ते में फिल्म का कलेक्शन 128.5 करोड़ रुपये रहा. वहीं तीसरे हफ्ते में कल्कि 2898 एडी की कमाई 56.1 करोड़ रुपये रही और चौथे हफ्ते का कलेक्शन 24.4 करोड़ रुपये रहा। वहीं अब फिल्म रिलीज के पांचवें हफ्ते में है। जहां पांचवें फ्राइडे कल्कि 2898 एडी ने 1.25 करोड़ कमाए तो पांचवें शनिवार फिल्म ने 2.9 करोड़ और पांचवें रविवार 4 करोड़ का कलेक्शन किया। अब फिल्म की रिलीज के पांचवें मंडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के पांचवें मंडे भी 1.25 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसके बाद कल्कि 2898 एडी का 33 दिनों का कुल कारोबार अब 633.25 करोड़ रुपये हो गया है।कल्कि 2898 एडी ने कमाल कर दिखाया है। फिल्म रिलीज के साथ ही तमाम रिकॉर्ड अपने नाम कर रही है। वहीं बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए कल्कि 2898 एडी को एक महीने से ज्यादा हो गया और फिलहाल फिल्म का टिकट काउंट से हटने का मूड नहीं लग रहा है। ऐसा लग रहा है कि कल्कि 2898 एडी ने जिद पकड़ ली है कि ये शाहरुख खान की साल 2023 की ब्लॉकबस्टर जवान के इंडियन लाइफ टाइम कलेक्शन 643.87 करोड़ को तोड़ कर ही दम लेगी। वैसे कल्कि 632 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है और जवान को मात देने से वो बस कुछ ही करोड़ पीछे है।

सोनू सूद के बर्थडे पर फतेह की रिलीज डेट का ऐलान

जैकलीन फर्नांडिस संग आया एक्टर का फर्स्ट लुक

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता और गरीबों के मसीहा सोनू सूद अपने 51वां बर्थडे के मौके पर एक्टर को उनके फैंस और सेलेब्स दोस्त बधाईयां दे रहे हैं। वहीं, सोनू सूद ने भी अपने चाहने वालों को रिटर्न गिफ्ट में अपनी अपकमिंग एक्शन थ्रिलर फिल्म फतेह की रिलीज डेट का एलान किया है। साथ ही सोनू ने फिल्म से अपना और फिल्म की लीड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है। सोनू सूद लंबे समय से अपनी फिल्म फतेह पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन खुद सोनू सूद ने किया है।जी स्टूडियो के बैनर तले बनी फिल्म फतेह को खुद सोनू सूद ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में वह लीड रोल में होंगे और जैकलीन फर्नांडिस फीमेल लीड रोल प्ले करेंगी। सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 30 जुलाई को आखिरकार फतेह की रिलीज डेट का एलान कर ही दिया है। फिल्म अगले साल 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। फैंस के लिए रिटर्न गिफ्ट पोस्ट शेयर कर सोनू ने लिखा है, 10 जनवरी, देश की बेस्ट एक्शन फिल्म के लिए तैयार रहें। जी स्टूडियो ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, फतेह के साथ शानदार, अनदेखे, एक्शन पैक्ड एक्सपीरियंस को लेने के लिए खुद को तैयार कर लो।

लाइफ हिल गई सीरीज में आखिर क्या आया कुशा कपिला को पसंद?

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से एक्ट्रेस बनीं कुशा कपिला ने अपनी कड़ी मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। इन दिनों वह अपनी नई सीरीज लाइफ हिल गई को लेकर चर्चाओं में हैं। उन्हें इस सीरीज में जो पसंद आया, वह यह कि उनके किरदार कल्कि को बेहद आम इंसान की तरह दिखाया गया है।कुशा ने कहा, मैं 2017 से कंटेंट बना रही हूं और 2019 से मैंने अपना खुद का काम शुरू किया। मैंने साउथ दिल्ली की एक लड़की का किरदार निभाया है, जो अमीर है।.. उसे दूसरों की परवाह नहीं है। इसलिए, जब मुझे इस तरह का किरदार निभाने के लिए चुना गया, तो मुझे यह सही लगा।एक्ट्रेस ने आगे कहा, शो में मुझे जो खास पसंद आया, वह यह है कि मेरे किरदार को बेहद आम इंसान की तरह दिखाया गया है।कुशा ने कहा, जब हम किसी किरदार को छोटे स्केच या रील्स में दिखाते हैं, तो हम उन्हें थोड़ा कार्टून जैसा या मजाकिया बना सकते हैं। लेकिन जब हम उन्हें पर्दे पर दिखाते हैं, तो हमें उन्हें ज्यादा वास्तविक और सही तरीके से दिखाना होता है।उन्होंने कहा, शुरुआती विचार मेरे काम से जुड़ा हो सकता है, लेकिन इमोशनल और कॉमेडी के पीछे डायरेक्टर्स और राइटर्स है, जो सभी किरदारों को खास बनाना चाहते है।

सलमान खान के भांजे का सॉन्ग पार्टी फीवर रिलीज

भाईजान का दिखा दमदार और डैशिंग कैमियो

सलमान खान वाकई सबसे बड़े सुपरस्टार हैं और स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी हमेशा सबको दीवाना बना देती है ।

सलमान खान में एक खास चार्म और ग्लैमर है, जो उनकी एक छोटी सी मौजूदगी को भी लाखों के भीड़ में अलग बनाती है। बता दें कि सलमान खान ने लेटेस्ट सॉन्ग पार्टी फीवर में कैमियो किया है, जिसमें अयान अग्निहोत्री उर्फ अग्नि और पायल देव को देखा जा सकता है। अयान अग्निहोत्री सुपरस्टार सलमान खान के भांजे हैं।इस लेटेस्ट सॉन्ग पार्टी फीवर में सलमान खान, अयान अग्निहोत्री अग्नि और पायल देव के साथ में हैं।यह गाना आज रिलीज हो चुका है और सबको पार्टी के जोश में भरने के लिए तैयार है। सॉन्ग पार्टी फीवर के लाइवली ट्यून्स और कैची बिट्स, पार्टी क्लब के बैकड्रॉप के साथ, जोश से भरा माहौल बनाते हैं।

वहीं, सलमान खान अपने इलेक्ट्रिफाइंग कैमियो से सभी का दिल जीत रहे हैं। सॉन्ग में सलमान खान का कैमियो लुक डैशिंग है। बेहद शानदार दिख रहे सलमान खान ने अपने कैमियो के साथ इस पार्टी सॉन्ग के लिए एकदम सही मूड सेट किया है।

इसके अलावा फिल्मों की बात करें तो, सलमान खान ईद 2025 पर साजिद नाडियाडवाला द्वारा प्रोड्यूस और एआर मुरुगडोस द्वारा डायरेक्टेड सिकंदर के साथ आ रहे हैं। सलमान खान को पिछली बार फिल्म टाइगर 3 में देखा गया था।

करण जौहर की वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर जारी

सस्पेंस और एक्शन का दिखा दम

करण जौहर पिछले कुछ समय से अपनी आगामी वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह को लेकर चर्चा में हैं।करण जानी-मानी निर्माता गुनीत मोंगा के साथ मिलकर यह सीरीज बना रहे हैं।इस सीरीज में राघव जुयाल और धैर्य कारवा मुख्य भूमिका नजर आएंगे। कृतिक कामरा भी इस सीरीज में अहम भूमिका निभा रही हैं।अब ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो सस्पेंस और एक्शन से भरपूर है। इसमें राघव और कृतिका गुत्थी सुलझाते हुए नजर आ रहे हैं।इस सीरीज का प्रीमियर 9 अगस्त, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होने जा रहा है। जी5 ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर साझा किया है। उन्होंने लिखा, क्या समय की चूक से अनसुलझे अपराधों का खुलासा हो सकता है?राघव इस सीरीज के जरिए दूसरी बार करण के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों हाल ही में रिलीज हुई फिल्म किल के लिए साथ आए थे।इस सीरीज का निर्देशन उमेश बिष्ट ने किया है। इस सीरीज का प्रीमियर 9 अगस्त, 2024 से जी5 पर होगा। जी5 ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर ग्यारह ग्यारह का ट्रेलर साझा किया है। उन्होंने लिखा, क्या समय की चूक से अनसुलझे अपराधों

का खुलासा हो सकता है? राघव इस सीरीज के जरिए दूसरी बार करण जौहर के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले राघव, करण जौहर की हाल ही में रिलीज हुई किल में भी नजर आए हैं।ग्यारह ग्यारह दो अलग-अलग युगों के पुलिस अधिकारियों की एक रोचक कहानी है, जो एक रहस्यमय वॉकी-टॉकी से जुड़े हैं और अतीत और वर्तमान पर इसका प्रभाव पड़ता है। 1990 के दशक के वरिष्ठ जासूस शौर्य अंथवाल (धैर्य करवा) और एक युवा पुलिस अधिकारी युग आर्या (राघव जुयाल) खुद को एक ऐसे संचार उपकरण से जुड़ा हुआ पाते हैं, जो रात 11:11 बजे 60 सेकंड के लिए सक्रिय होता है। इस सीरीज में गौतमी कपूर, हर्ष छाया, पूर्णेंदु भट्टाचार्या, मुक्ति मोहन, गौरव शर्मा भी हैं।,

मोनालिसा ने जंपसूट पहनकर चढाया इंटरनेट का पारा

भोजपुरी क्वीन का ग्लैमरस अवतार देखकर आप भी रह जाएंगे दंग

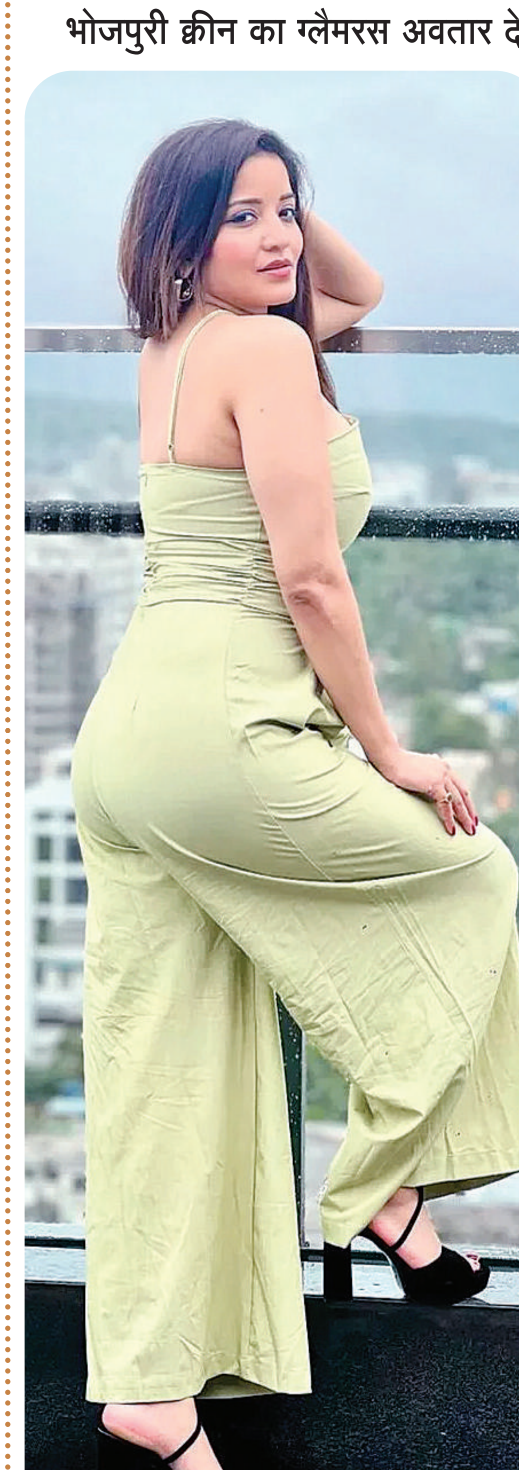

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर लोगों के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिसमें वो किलर अंदाज में पोज देती हुई इंटरनेट पर का पारा हाई करती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से फैंस को दीवाना बनाए रखती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।हाल ही में भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस आहें भरते नजर आ रहे हैं।मोनालिसा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ जाता है। हालांकि फैंस भी उनके लुक को काफी पसंद करते हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान लाइट ग्रीन कलर का जंपसूट पहना हुआ है, जिसमें वो कमर पर हाथ रखकर एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं।मोनालिसा अपने इस आउटफिट में बेहद कूल नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके इस लुक को देखकर काफी ज्यादा इंप्रेस हो गए हैं।कानों में इयररिंग्स, नो मेकअप लुक और बालों को ओपन कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन कुछ ना कुछ पोस्ट करती रहती हैं। हालांकि फैंस भी उनके स्टाइल को अक्सर फॉलो करते हैं।

अल्लू सिरीश स्टारर बडी की आकर्षक पोस्टर के साथ डेट हुई रिलीज

बडी ने अपने आगमन की घोषणा की। बहुमुखी और करिश्माई अभिनेता अल्लू सिरीश अपनी आगामी फिल्म बडी के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं, जो एक काल्पनिक एक्शन ड्रामा है जो एक दृश्य तमाशा और कल्पना से भरपूर कथा का वादा करता है। स्टूडियो ग्रीन फिल्म्स के प्रतिष्ठित बैनर तले केई ज्ञानवेल राजा और अधाना ज्ञानवेल राजा द्वारा निर्मित, यह फिल्म शीर्ष-स्तरीय उत्पादन मूल्यों का दावा करती है, जो उच्चतम गुणवत्ता का सिनेमाई अनुभव देने के लिए उत्पादन टीम की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।फिल्म के निर्माण में उत्कृष्टता की खोज में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है, जिसमें हर फ्रेम में बारीकी पर सावधानीपूर्वक ध्यान दिया गया है। गायत्री भारद्वाज, एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री, मुख्य महिला की भूमिका निभाती हैं, जो कहानी में गहराई और भावना जोड़ती है। सैम एंटोन द्वारा निर्देशित, जो अपनी अभिनव कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं, और नेहा ज्ञानवेल राजा द्वारा सह-निर्मित, बडी एक सहयोगात्मक प्रयास है जो उद्योग में सर्वश्रेष्ठ को एक साथ लाता है।बडी 2 अगस्त को एक भव्य रिलीज के लिए तैयार है, जिसके निर्माताओं ने रोमांचक खबर की घोषणा करने के लिए एक आकर्षक पोस्टर जारी किया है। फिल्म के सार को दर्शाने वाला यह पोस्टर प्रशंसकों और आल-ोचकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, जिससे आगामी रिलीज में रुचि बढ़ गई है।बडी के ट्रेलर ने पहले ही तहलका मचा दिया है, और दर्शकों को अपनी कल्पना, एक्शन और ड्रामा के मिश्रण से आकर्षित कर लिया है। इसे मिली जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि फिल्म रोमांच और मनोरंजन करने की क्षमता रखती है। प्रतिभाशाली जोड़ी हिप हॉप तमीज़्हा द्वारा रचित साउंडट्रैक चार्ट-टॉपिंग सनसनी बन गया है, जिससे फिल्म की रिलीज़ के लिए उत्सुकता और बढ़ गई है।बडी का एक प्रमुख आकर्षण अल्लू सिरीश के साथ उनके साथी की एक्शन सीक्वेंस हैं, जो अभिनेता की बहुमुखी प्रतिभा और शारीरिक कौशल को प्रदर्शित करते हैं। एक्शन से भरपूर दृश्यों और एक सम्मोहक कहानी के संयोजन के साथ, बडी इस शैली के प्रशंसकों के लिए अवश्य देखने लायक फिल्म है।सफल लॉन्च सुनिश्चित करने के लिए, निर्माताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, पारंपरिक मीडिया और प्रचार कार्यक्रमों का लाभ उठाते हुए एक रणनीतिक मार्केटिंग अभियान शुरू किया है। अभियान का उद्देश्य फिल्म की रिलीज से पहले गति बनाना, दर्शकों को जोडऩा और फिल्म के विषय और निर्माण के बारे में चर्चा करना है।बडी सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं है; यह एक सिनेमाई सफऱ है जिसमें फ़ैंटेसी, एक्शन और ड्रामा के बेहतरीन तत्व शामिल हैं। अपने बेहतरीन प्रोडक्शन वैल्यू, बेहतरीन कलाकारों और नए निर्देशन के साथ, बडी एक अविस्मरणीय नाट्य अनुभव के लिए मंच तैयार करती है। जैसे-जैसे रिलीज़ की तारीख नज़दीक आ रही है, प्रशंसक और फ़िल्म देखने वाले बेसब्री से बडी की दुनिया में डूबने के अवसर का इंतज़ार कर रहे हैं, एक ऐसी फ़िल्म जो अल्लू सिरीश की फ़िल्मोग्राफी में एक महाकाव्य जोडऩे का वादा करती है।

कल रिलीज होगी

कांवड़ मार्ग पर फलों-सब्जियों पर थूकने की हरकतें जारी हैं

हिंदू नाम पर धड़ल्ले से चल रहा मुस्लिमों का धंधा

मुजफ्फरनगर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम उत्तर प्रदेश में हर साल निकलने वाली कांवड़ यात्रा इस पर बार उन दुकानदारों की वजह से खासी चर्चा में है जिन पर नाम बदल कर कारोबार करने का आरोप है। मुजफ्फरनगर के संत स्वामी यशवीर महराज ने कांवड़ यात्रा के शुरू होने से पहले ही आरोप लगाया था कि मार्ग में कई मुस्लिम दुकानदार हिंदू नाम से कारोबार कर रहे हैं। उन्होंने इन दुकानदारों पर फलों और सब्जियों पर थूकने और पेशाब करने का आरोप भी लगाया। पश्चिम उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से इन आरोपों की जमीनी पड़ताल में भी कई शिकायतों की भौतिक पुष्टि हुई है।

इस संवाददाता ने अपनी यात्रा की शुरुआत गाजियाबाद जिले से की। यहां कांवड़ मार्ग पर मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में नई दिल्ली जूस एन्ड शेकनाम की एक दुकान नजर आई। दुकान जमीन से लेकर पहले फ्लोर तक बड़े-बड़े कई बोर्डों से ढंकी हुई थी। बाहर किनारे की तरफ सफेद रंग से गेट पर शुभ-लाभ लिखा हुआ था। इसी गेट में नीचे ॐ और स्वस्तिक चिन्ह भी बना हुआ था। पास जाकर देखा तो एक व्यक्ति बर्तन धो रहा था। पहले उसने हमें ग्राहक समझा लेकिन बाद में पत्रकार जान कर बात करने से बचने लगा।

कुछ ही देर में बर्तन धो रहे व्यक्ति ने न सिर्फ दुकान का शटर अंदर से गिरा लिया बल्कि साथ में लगा गेट भी बंद कर लिया। जब हमने दुकान का जायजा लिया तो प्रशासन के निर्देश पर लगा ए-4 साइज का एक छोटा सा कागज कोने में नजर आया। इस कागज में दुकान मालिक के तौर पर मोहम्मद फजल लिखा हुआ था। नीचे 30 से ले कर 60 रुपए तक जूस के रेट छपे हुए थे। खास बात यह है कि बिना स्पेलिंग मिस्टेक के मुख्य बोर्ड पर अंग्रेजी में बड़ा-बड़ा नई दिल्ली जूस एन्ड शेक लिखवाने वाले फजल ने हिंदी वाले कागज में अपनी दुकान का नाम लिखने में कई मात्रा और शब्दों की गलतियां कर रखी थीं।

गाजियाबाद जिले में ही नए बस अड्डे से मुरादनगर मार्ग पर मांसाहार की दुकानें हैं। यह व्यस्ततम कांवड़ मार्ग है। देशी ठाठ नाम से शाकाहारी भोजनालय चलाने वाले हिंदू दुकानदार ने बताया कि इसी मार्ग पर कार्तिक नाम से नॉनवेज की शॉप है। उन्होंने दावा किया कि इस दुकान का मालिक मुस्लिम है। हालांकि बताया गया कि सावन माह में प्रशासन की सख्ती से मांसाहारी दुकानें बंद हो जाया करती हैं। बावजूद इसके हिंदू दुकानदारों ने मांग की है कि ऐसे नाम बदल कर धंधा करने वालों पर कार्रवाई की जाए।

हरिद्वार और दिल्ली के बीच सफर करने वाले अधिकतर दुकानदार यूपी और उत्तराखंड के बॉर्डर पर मौजूद चिड़ियापुर में खाना खाते हैं। उत्तराखंड के समाजसेवी और हिंदूवादी नेता स्वामी दर्शन भारती ने बताया कि चिड़ियापुर में 70 प्रतिशत होटल और ढाबे ऐसे हैं जिनके नाम हिंदुओं के देवी-देवताओं से जुड़े हैं लेकिन मालिक असल में मुस्लिम समुदाय के लोग हैं। उन्होंने इन ढाबों के न सिर्फ बोर्ड बल्कि काउंटरों पर भी हिंदू देवताओं के चित्र लगा रखे हैं। स्वामी ने इस पर रोक लगाने की मांग उठाई।

मुज़फ्फरनगर का शिवचौक कांवड़ यात्रा के हिसाब से सबसे व्यस्त स्थान है। यहां यात्रा के दौरान हर समय हजारों कांवड़ यात्रियों की मौजूदगी होती है। कई श्रद्धालु यहां हरिद्वार से लाया हुआ जल चढ़ा कर अपनी कांवड़ यात्रा का समापन भी करते हैं। इसी चौराहे पर कंचनतारा नाम से कपड़े की दुकान है। यह दुकान मुस्लिम समुदाय के एक व्यक्ति की है। इसमें काम करने वाले अधिकतर कारीगर भी मुस्लिम समुदाय के ही हैं।

सहारनपुर जिले के अम्बाला-देहरादून हाईवे पर सरसावा बाईपास के पास एक लाइन से कई होटल मौजूद हैं। इसमें से एक होटल बिना बोर्ड का नजर आया। आसपास से पता करने पर बताया गया कि इस ढाबे का लम्बे समय तक नाम साईं वैष्णो भोजनालय था। होटल का मालिक सहारनपुर निवासी एक मुस्लिम का है। बीच में चले असली नाम लिखने के अभियान के दौरान होटल मालिक ने अपने बोर्ड को उतार लिया था। फिलहाल दुकान मालिक को नया या पुराना बोर्ड लगाने से पहले सुप्रीम कोर्ट में अंतिम निर्णय आने की प्रतीक्षा है।

सहारनपुर जिले में ही अम्बाला बाईपास पर मानव पंजाब ढाबा नाम से दो दुकानें हैं।

पहली दुकान हरियाणा की सीमा के पास है जिसका असल मालिक सिख समुदाय के किसी व्यक्ति को बताया गया। यह ढाबा काफी पुराना है जहां अक्सर भीड़ लगी रहती है। इसी मानव पंजाब नाम से देहरादून रोड पर एक नया ढाबा लगभग एक साल पहले खुला। इस ढाबे का असल मालिक खुर्शीद है। बीच में प्रशासनिक सख्ती के चलते खुर्शीद ने ढाबे के बोर्ड पर अपना असली नाम लिख दिया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्टे लगाने के बाद खुर्शीद ने अपने नाम को फिर से ढंक दिया है। फिलहाल खुर्शीद का ढाबा मानव पंजाब नाम से चल रहा है।

परम डेयरी के मिल्क पाउडर में मिला डिटर्जेंट

फर्म के मालिक पर एक लाख का जुर्माना

बुलंदशहर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बुलंदशहर के खुर्जा रोड स्थित परम डेयरी के स्किम्ड मिल्क पाउडर में डिटर्जेंट मिलने पर कोर्ट ने फर्म संचालक पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने करीब चार साल पहले सैंपल लिया था। दो प्रयोगशालाओं की जांच में मिल्क पाउडर में डिटर्जेंट मिलने की पुष्टि हुई थी। अब 70 लाख रुपए के मिल्क पाउडर को नष्ट कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी कोर्ट के आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

नवंबर 2020 में तत्कालीन मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी कुंवर मनोज कुमार को सूचना मिली थी कि खुर्जा रोड स्थित परम डेयरी में मिलावटी 400 कट्टा स्किम्ड मिल्क पाउडर तैयार किया गया है। सूचना पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी की टीम ने मौके पर पहुंचकर मिल्क पाउडर का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा था। साथ ही करीब 70 लाख रुपए की कीमत के 400 कट्टा स्किम्ड मिल्क पाउडर को सीज कर दिया था। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के बाद डेयरी संचालक ने विभिन्न स्थानों पर शिकायत भी की लेकिन कार्रवाई नियमानुसार पाई गई।

दिसंबर 2020 में लखनऊ स्थित प्रयोगशाला से मिल्क पाउडर की रिपोर्ट असुरक्षित आई थी। जांच के दौरान पता चला था कि पाउडर में डिटर्जेंट मिलाया गया था।

परम डेयरी के संचालक द्वारा रिपोर्ट को गलत बताते हुए उच्च प्रयोगशाला में जांच की मांग की गई थी। जिस पर कोलकाता स्थित प्रयोगशाला में मिल्क पाउडर का सैंपल जांच के लिए भेजा गया था। कोलकाता की लैब से भी जांच में पाउडर में डिटर्जेंट मिला होने की पुष्टि हुई और लैब से सैंपल को असुरक्षित घोषित किया गया था।

दोनों प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट आने के बाद सितंबर 2021 में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने एसीजेएम खुर्जा की कोर्ट में वाद दायर किया था। करीब तीन साल तक वाद चलने के बाद अब दो सप्ताह पहले आयोजित लोक अदालत में वाद का निस्तारण किया गया। इस दौरान परम डेयरी के संचालक अजय निवासी यमुनापुरम ने कोर्ट में जुर्म स्वीकार किया कि उनके खिलाफ मुकदमा सही चलाया गया। अपर जज मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुमित चौधरी की कोर्ट ने अजय सिंह को न्यायालय के उठने तक के कारावास से दंडित करते हुए परम डेयरी फर्म और अजय पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

खाद्य सुरक्षा के सहायक आयुक्त विनीत कुमार ने कहा कि डेयरी संचालक ने जुर्म स्वीकार करते हुए कम से कम सजा की मांग की थी। एसीजेएम कोर्ट से फर्म व उसके नॉमिनी पर 50-50 हजार का जुर्माना लगाया है। माल नष्ट कराने के लिए आदेश के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। वर्ष 2020 में तत्कालीन मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा परम डेयरी परिसर में ही सीज किए गए करीब 400 कट्टा स्किम्ड मिल्क पाउडर को कोर्ट के आदेश पर नष्ट कराया जाएगा। बताया जा रहा है कि इसके लिए कोर्ट की ओर से विभाग को फाइल भेजी जाएगी, जिसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी इसे अपनी निगरानी में इसे नष्ट कराएंगे। साथ ही यदि डेयरी संचालक द्वारा सीज माल में से कुछ माल निकाला गया होगा तो ऐसी स्थिति में कम पाए जाने वाले माल की कीमत भी डेयरी संचालक को जमा करनी होगी।

तीन माह से लापता युवती गुफा में नागिन जैसी हरकतें करती मिली

कोन (सोनभद्र), 31 जुलाई (एजेंसियां)। क्षेत्र के रानीडीह स्थित गुप्ता धाम गुफा में एक युवती नागिन जैसी हरकत करती मिली। इसकी जानकारी होते ही लोगों की मौके पर भीड़ जुट गई। युवती सीमावर्ती झारखंड के करिवाडीह गांव की रहने वाली है जो तीन माह से लापता थी।

युवती की हरकतों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कोई इसे अंधविश्वास बता रहा है तो कोई इसे मानसिक रूप से अस्वस्थता का परिणाम। ग्रामीणों ने बताया कि करीब तीन माह पहले युवती गुप्ता धाम पहुंची थी।

प्रधान प्रतिनिधि से मिलकर उसने महाशिवरात्रि पर वहां लगने वाले मेले में ही अखंड कीर्तन कराने की मंशा जताई थी।

जंगल और सुनसान क्षेत्र होने के कारण ग्रामीणों ने आयोजन के लिए मना कर दिया था। इसके बाद से ही युवती लापता थी। महाशिवरात्रि के बाद लोग गुफा की ओर नहीं जाते इसलिए उसका पता भी नहीं चला। परिजन लगातार उसकी खोजबीन कर रहे थे। परिजनों के मुताबिक रविवार को वह गुफा तक आए थे लेकिन युवती नजर नहीं आई।

सोमवार को गुफा की ओर दोबारा गए तो अंदर वह नागिन की तरह हरकत करती दिखी। घटना का वीडियो वायरल होते ही आसपास के लोग गुफा की ओर पहुंचने लगे, जिससे भीड़ जमा हो गई। देर शाम परिजन युवती को अपने साथ घर ले गए।

दिल्ली की घटना से अलर्ट लखनऊ में एक्शन

बेसमेंट में चल रहे 20 कोचिंग सेंटर सील

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की कोचिंग संस्थान में हुए हादसे से सबक लेते हुए यूपी की राजधानी लखनऊ में बेसमेंट में चल रहे अवैध बीस कोचिंग सेंटरों को सील कर दिया गया है।

आज और कल भी इससे जुड़ी कार्रवाई होगी। एलडीए ने विभिन्न क्षेत्रों में अवैध बेसमेंट में चल रहे कोचिंग सेंटरों के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाया। 107 प्रतिष्ठानों की जांच कर इनमें से अवैध बेसमेंट में चल रहे 20 कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरी को सील किया गया। एलडीए का अभियान जारी रहेगा।

एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि जोनल अधिकारियों के नेतृत्व में प्रवर्तन टीम ने शहरभर में अभियान चलाया। इस दौरान बेसमेंट में चल रहे प्रतिष्ठानों के मालिकों/संचालकों से मानचित्र व निर्माण आदेश से संबंधित दस्तावेज पेश करने के लिए कहा गया। फिर इसके आधार पर कार्रवाई की गई। मानक के विपरीत बेसमेंट के निर्माण व इनमें कोचिंग संचालन की जांच का जिम्मा जोन-1 में सचिव विवेक श्रीवास्तव को, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा को जोन-2 व 3 में, संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह को जोन-4 व जोन-5 व मुख्य नगर नियोजक केके गौतम को जोन-6 व जोन-7 में सौंपा गया है।

प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने अलीगंज में सात प्रतिष्ठानों को सील किया। इनमें स्कालर हब लाइब्रेरी, साइलेंस जोन लाइब्रेरी, प्रयास लाइब्रेरी, लक्ष्य लाइब्रेरी, स्टार लाइब्रेरी, द स्टडी प्वाइंट लाइब्रेरी एवं विजन आईएएस लाइब्रेरी शामिल थी।

ये सभी प्रतिष्ठान मानक के विपरीत बने बेसमेंट में चल रहे थे। प्रवर्तन जोन-1 की टीम ने गोमतीनगर के विराज खंड स्थित एलेन कोचिंग सेंटर व विभव खंड में एजुकेयर इंस्टीट्यूट को सील किया।

जिन कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरी पर कार्रवाई की गई है उनमें कपूरथला चौराहे के भाटिया कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में महिंद्रा कोचिंग की लाइब्रेरी। एकेटीयू चौराहे के पास कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में खुले फ्रॉम आई टू ब्रेन कोचिंग सेंटर। ठाकुरगंज की बसंत विहार कॉलोनी में कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में संचालित एकलव्य लाइब्रेरी। कानपुर रोड पर आदित्य क्लासेस, फन्डामेकर्स, आशीष क्लासेस, नीट स्कोर हाई, तुषार लाइब्रेरी और माई विजन कोचिंग सेंटर। हजरतगंज के सप्रू मार्ग पर यूएनएसएटी संस्थान व राणा प्रताप मार्ग पर विद्या पीठ कोचिंग सेंटर शामिल हैं।

एलडीए की कोचिंग सेंटरों पर कार्रवाई का खामियाजा यहां पढ़ने वाले विद्यार्थी भुगतने वाले हैं।

इनका कहना है कि प्राधिकरण ने आनन-फानन हमारी समस्या देखे बिना यह फैसला ले लिया।

अलीगंज की कोचिंग से इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले मऊ के वैभव जायसवाल के मुताबिक ये संस्थान काफी समय से चल रहे हैं। एलडीए ने अभी तक इनके मानक नहीं परखे। अब अचानक इन्हें सील कर दिया गया है।

यह भी नहीं सोचा कि अब हम कहां जाकर तैयारी करेंगे तथा हमारी फीस का क्या होगा? गोरखपुर निवासी श्रेया रघुवंशी के मुताबिक सेलेक्शन के आधार पर लखनऊ की कोचिंग का चयन किया था। हम पढ़ाई संबंधी गुणवत्ता को देखते हैं। भवन संबंधी मानक देखना जिनकी जिम्मेदारी है, वे इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

एलडीए बेसमेंट में सुरक्षा मानकों के खिलाफ चल रहे कोचिंग संस्थान तो बंद करा रहा है, लेकिन शहर में ऐसे प्रतिष्ठानों की भरमार है। मकान से लेकर दुकान तक सभी कुछ बेसमेंट में है। अमीनाबाद और अलीगंज में अवैध बेसमेंट की अच्छी संख्या है।

सात नए मेडिकल कॉलेजों को मिली मंजूरी, इसी सत्र से शुरू होगी पढ़ाई

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश में मेडिकल एडुकेशन को सुदृढ़ करने के प्रयास में जुटी योगी सरकार को बड़ी सफलता हाथ लगी है। योगी सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि नेशनल मेडिकल कमीशन, नई दिल्ली की ओर से प्रदेश के 7 नये मेडिकल कॉलेजों में इसी सत्र (वर्ष 2024-25) से एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू करने को लेकर हरी झंडी मिल गई है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 13 नये मेडिकल कॉलेजों को मान्यता देने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से बात की थी, जिसके बाद के सात सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए लेटर ऑफ परमीशन जारी कर दिया है। वहीं बचे हुए 6 मेडिकल कॉलेज की ओर से एनएमसी में दोबार अपील की जाएगी, विभाग की मानें तो है इन्हें भी जल्द लेटर ऑफ परमीशन प्राप्त हो जाएगा। इसके साथ ही

प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों में सीटों को बढ़ाने की अनुमति भी प्राप्त हुई है। इनमें सरकारी, प्राइवेट और पीपीपी मॉडल पर संचालित मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। इसके बाद प्रदेश का मेडिकल शिक्षा विभाग इस शैक्षणिक सत्र में 10 हजार 500 एमबीबीएस सीटों पर काउंसिलिंग कराने की तैयारी में जुट गया है।

मेडिकल शिक्षा विभाग की महानिदेशक किंजल सिंह ने बताया कि बिजनौर, बुलंदशहर, कुशीनगर, पीलीभीत, सुल्तानपुर, कानपुर देहात और ललितपुर के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए लेटर ऑफ परमीशन जारी किया गया है। इन सातों मेडिकल कॉलेज में 600 एमबीबीएस सीटों पर काउंसिलिंग कराई जाएगी।

इसके अलावा आगरा और मेरठ के राजकीय मेडिकल कॉलेजों को क्रमश: 72 और 50 एमबीबीएस सीटों की वृद्धि की गई है। इसके बाद आगरा मेडिकल कॉलेज में 200 और मेरठ मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 150 सीटें हो गई हैं।

डीजीएमई किंजल सिंह के अनुसार पीपीपी मोड में संचालित शामली, महाराजगंज और संभल के मेडिकल कॉलेजों में भी क्रमश: 150, 150 और 50 एमबीबीएस सीटों के लिए शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए लेटर ऑफ परमीशन प्राप्त हुआ है। वहीं निजी क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर को नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा इस शैक्षणिक सत्र के लिए 50 एमबीबीएस सीटों के लिए एलओपी जारी की गई है। इसी तरह हापुड़ के जीएस मेडिकल कॉलेज में इस शैक्षणिक सत्र में 100 एमबीबीएस सीटों की वृद्धि के लिए अनुमति प्राप्त हुई है। अब यहां 250 सीटें हो गई हैं।

विगत शैक्षणिक सत्र में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुल 3828 एमबीबीएस सीटें काउंसिलिंग के लिए उपलब्ध थीं। वहीं शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कुल 722 सीटों की वृद्धि हुई है। अब प्रदेश में सरकार मेडिकल कॉलेजों में कुल 4550 एमबीबीएस सीटें हो गई हैं। इसके अलावा निजी क्षेत्र में अबतक 5450 सीटें थीं। इसमें 150 सीटों की वृद्धि हुई है। अब निजी मेडिकल कॉलेजों में 5600 एमबीबीएस सीटें हो गई हैं। वहीं पीपीपी मोड पर संचालित 3 नये मेडिकल कॉलेजों में 350 सीटें काउंसिलिंग के लिए उपलब्ध है। वर्तमान में प्रदेश में सरकारी, निजी और पीपीपी मोड में संचालित मेडिकल कॉलेजों में 10,500 सीटों पर काउंसिलिंग कराई जाएगी। महानिदेशक ने बताया कि बचे हुए कुछ राजकीय मेडिकल कॉलेज में शैक्षणिक सत्र संचालित करने के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन में फिर से अपील दाखिल की जाएगी।

यूपी की तीन लाख निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा गायब

कानपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। आधार प्रमाणीकरण एजेंसी के सर्वर से पेंशनर निराश्रित महिलाओं का डाटा गायब हो गया।

प्रदेश की तीन लाख निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा रीस्टोर नहीं हो सका। इसमें जिले की 2097 निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा शामिल है। इसकी वजह से जुलाई में शासन से भेजी गई पेंशन का लाभार्थियों को भुगतान नहीं हो सकी है।

महिला कल्याण विभाग से पति की मृत्यु के बाद निराश्रित महिलाओं को पेंशन दी जाती है। प्रति तीन माह में धनराशि लाभार्थी को जारी होती है। आधार प्रमाणीकरण एकाउंट माध्यम से यह धनराशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भुगतान की व्यवस्था है। आधार प्रमाणीकरण एकाउंट माध्यम वर्ष 2023-24 से लागू हुआ है। जिला प्रोबेशन अधिकारी रेणू यादव ने बताया कि निदेशालय स्तर पर आधार प्रमाणीकरण कार्य श्रीट्रॉन इंडिया लिमिटेड करा रहा है। पिछले दिनों आधार प्रमाणीकरण एजेंसी के सर्वर पर साइबर अटैक से प्रदेश के तीन लाख निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा उड़ गया। तकनीकी टीम व आईटी इंजीनियरों के प्रयास के बाद भी यह डाटा रिकवर नहीं किया जा सका है।

इसमें कानपुर देहात के 2097 लाभार्थियों का डाटा शामिल हैं। इसको लेकर अब इन लाभार्थियों को खुद का आधार प्रमाणीकरण जनसेवा केंद्र से कराना होगा। जुलाई में भेजी गई तीन माह की पेंशन की किस्त भी इन लाभार्थियों को भुगतान नहीं हुआ है। इससे लाभार्थी परेशान हैं। अब आधार प्रमाणीकरण दोबारा कराने की भागदौड़ भी करनी होगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी रेणू यादव ने बताया कि निदेशालय स्तर पर आधार प्रमाणीकरण करा रही एजेंसी के सर्वर पर साइबर अटैक से निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा विलुप्त होने की स्थिति की जानकारी मिली है।

प्रदेश में करीब तीन लाख निराश्रित महिला पेंशनर का डाटा प्रभावित हुआ है। इसमें जिले की 2097 लाभार्थी निराश्रित महिलाएं शामिल हैं।

दोबारा आधार प्रमाणीकरण के लिए सूची समेत संबंधित बीडीओ व एसडीएम को पत्र भेजा गया है। दूसरी तरफ कानपुर देहात के जिलाधिकारी आलोक सिंह ने कहा, आधार प्रमाणीकरण एकाउंट माध्यम से निराश्रित महिलाओं को पेंशन भुगतान होता है। साइबर अटैक से जिले की 2097 लाभार्थी का डाटा विलुप्त हुआ है। दोबारा आधार प्रमाणीकरण के लिए सभी बीडीओ व एसडीएम को निर्देश दिए गए हैं।

सूर्यकुमार के साहसिक निर्णय से मिली जीत : वॉशिंगटन

पल्लेकल, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने श्रीलंका के साथ हुए तीसरे टी-20 मैच को लेकर कहा कप्तान सूर्यकुमार यादव के साहसिक निर्णय से टीम को जीत मिली।

मंगलवार की रात हुए इस मुकाबले में जीत के बाद वॉशिंगटन ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो उनकी कप्तानी की क्षमता अद्भुत है। एक समय पर 12 गेंद में 12 रनों फिर 12 गेंद में नौ रन चाहिए थे, ऐसे समय में कुशल परेरा जैसे बल्लेबाज के खिलाफ रिंकू सिंह को गेंदबाजी के लिए लाना और स्वयं अंतिम ओवर में गेंदबाजी करना एक साहसी निर्णय था। वहीं हम लोग लगभग वह मैच जीत ही गए थे। हम सभी जानते हैं कि जब सूर्या बल्लेबाजी करने जाते हैं तो बहुत साहसी तरीके से खेलते हैं। साथ ही कप्तानी में भी वह इसी तरह का साहस दिखा रहे हैं। इस जीत का काफी हद तक श्रेय उन्हें ही जाता है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैंने जो भी काम किया है, वह सब भगवान का आशीर्वाद था। मैं बस स्वयं को शांत रखने का प्रयास करना चाह रहा था। मैं बस इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहता था कि मुझे क्या करना है। मैं विशेष रूप से सूर्या का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे उस (सुपर ओवर) स्थिति में गेंद थमाई। हमने उनके बल्लेबाजों पर थोड़ा होमवर्क किया था। जाहिर है कि विकेट में थोड़ी सी मदद भी थी, इसलिए मुझे बहुत कुछ करने की आवश्यकता नहीं थी। मुझे बस सही लेंथ पर गेंदबाजी करनी थी।

कप्तान सूर्याकुमार यादव ने कहा, मैच के अंतिम दो ओवरों से भी अधिक महत्वपूर्ण यह है था कि 30 के स्कोर पर चार और 48 के स्कोर पर पांच विकेट गंवाने के बाद हमारे खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया और खेल को विपक्षी टीम की पहुंच से दूर ले गए। मुझे ऐसा लगा था कि इस पिच पर 140 के आस-पास का स्कोर एक सम्मानजनक स्कोर होगा। जब हम क्षेत्ररक्षण करने जा रहे थे तो मैंने अपने साथियों को यही कहा कि मैंने ऐसे कई मैच देखे हैं। अगर अगले एक से 1.5 घंटे जान लगा कर खेलेंगे तो हम आसानी से यह मैच जीत सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

पीवी सिंधु एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुबा को हराकर अंतिम-16 में पहुंचीं

पेरिस। भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने बुधवार को पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा के अंतिम ग्रुप एम मैच में एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुबा को हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। सिंधु ने कुबा पर दबदबा बनाया और ला चैपल एरिना में 34 मिनट तक चले मुकाबले में 21-5, 21-10 से मैच जीत लिया। पहले गेम में सिंधु ने गति को नियंत्रित किया और सिर्फ 14 मिनट में 21-5 से जीत हासिल की। ??भारतीय शटलर ने अपना फॉर्म जारी रखा और दूसरा गेम 19 मिनट में 21-10 से जीत लिया। पीवी सिंधु अपने आगामी राउंड ऑफ 16 मैच में संभावित रूप से पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की ही बिंगजियाओ का सामना कर सकती हैं। इससे पहले सिंधु के पिछले ग्रुप एम मैच में, मालदीव की फतिमाथ नबाहा अब्दुल रज्जाक के खिलाफ सीधी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। सिंधु ने धैर्य और आत्मविश्वास का परिचय दिया और दोनों मैचों में अपने प्रतिद्वंद्वी को एकल अंकों तक सीमित रखा। उन्होंने 29 मिनट तक चले खेल में 21-9, 21-6 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। यह दूसरी बार था जब सिंधु और रज्जाक एक दूसरे से भिड़े थे। भारतीय शटलर ने अपने पहले मुकाबले में मालदीव के शटलर को आसानी से हराया था और एक बार फिर पेरिस में इतिहास ने खुद को दोहराया।

पेरिस ओलंपिक : अल्कराज-नडाल की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

पेरिस। राफेल नडाल और कार्लोस अल्काराज की स्पेनिश जोड़ी ने नीदरलैंड के टालोन ग्रीक्सपूर और वेस्ले कूलहोफ को 6-4, 6-7(2), 10-2 से हराकर चल रहे पेरिस ओलंपिक में टेनिस पुरुष युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। स्पेनिश जोड़ी ने पहले ही पल से खेल पर अपना दबदबा बनाया और बिना किसी परेशानी के पहला सेट 6-4 से जीत लिया। हालांकि, दूसरे सेट में डच खिलाड़ियों ने वापसी की और अच्छी टक्कर दी। टैलोन ग्रीक्सपूर और वेस्ले कूलहॉफ ने दूसरा सेट टाईब्रेकर में 6-7(2) से जीता। इस बीच, नडाल-अलकाराज की स्पेनिश जोड़ी ने तीसरा सेट 10-2 से अपने नाम किया और क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। इससे पहले, पिछले दौर में, नडाल और अलकाराज ने अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेज और एंड्रेस मोल्टेनी को 7-6 (7.4), 6-4 से हराया था।

ओलंपिक करियर से संन्यास लेने के बाद अश्विनी पोनप्पा ने कहा-मैं यह सब दोबारा नहीं झेल सकती

पेरिस। स्टार भारतीय शटलर अश्विनी पोनप्पा ने बहु-खेल प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया की सेतियाना मापासा और एंजेला यू के खिलाफ ग्रुप सी बैडमिंटन महिला टीम मैच में निराशाजनक हार के बाद ओलंपिक से संन्यास की घोषणा कर दी है। मैच के बाद पोनप्पा ने कहा कि इससे उबरने के लिए काफी भावनात्मक और मानसिक शक्ति की जरूरत होती है। भारतीय शटलर ने कहा कि वह अब और नहीं सह सकती। ओलंपिक डॉट कॉम ने पोनप्पा के हवाले से कहा, यह भावनात्मक और मानसिक रूप से बहुत भारी पड़ता है, मैं इससे दोबारा नहीं गुजर सकती। यह आसान नहीं है, अगर आप थोड़े छोटे हैं तो आप यह सब झेल सकते हैं। इतने लंबे समय तक खेलने के बाद, मैं अब और नहीं सह सकती। महिला टीम स्पर्धा में, अश्विनी पोनप्पा और तनिषा क्रैस्टो की भारतीय महिला जोड़ी ग्रुप सी में लगातार तीसरी हार के कारण चौथे स्थान पर रही और ग्रुप चरण से बाहर हो गई। उन्हें मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी सेतियाना मापासा और एंजेला यू के खिलाफ सीधे गेम में 15-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ पूरे मैच में संघर्ष करती रही।

पेरिस ओलंपिक-2024

लवलीना बोरगोहेन ने सुन्नीवा हॉफस्टैड को हराया, पदक पक्का करने से एक जीत दूर

पेरिस, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में बुधवार को महिलाओं के 75 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 16 मैच में नॉर्वे की सुन्नीवा हॉफस्टैड को शिकस्त दी।

पहले दो राउंड में लवलीना ने अपनी लंबाई का फ़ायदा उठाते हुए हॉफस्टैड पर जबर्दस्त वार किए। 2022 की विश्व युवा चैंपियन हॉफस्टैड ने पहले राउंड में कई तेज मुक्कों से लवलीना को परेशान करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने कुछ जैब और राइट हुक से जरूरी अंक हासिल किये।

दूसरे राउंड में लवलीना बोरगोहेन ने आक्रामक रुख अपनाया और हॉफस्टैड के चेहरे पर जोरदार वार किए। हालांकि हॉफस्टैड ने तीसरे राउंड में वापसी करने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। जजों ने भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में सर्वसम्मति से 5-0 का फ़ैसला सुनाया।

लवलीना बोरगोहेन की एक और जीत भारत के लिए एक पदक पक्का कर देगी, जो संभवत: उनका दूसरा ओलंपिक पदक हो सकता है, इससे पहले उन्होंने टोक्यो 2020 में कांस्य पदक जीता था।

जोनाथन क्रिस्टी पर जीत के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

भारत के शीर्ष शटलर लक्ष्य सेन ने बुधवार को पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन पुरुष एकल ग्रुप एल मैच में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को 21-18, 21-12 से हराकर प्री-

क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। लक्ष्य ने बुधवार को ला चैपल एरिना में क्रिस्टी पर 50 मिनट में जीत हासिल की। भारतीय शटलर ने इंडोनेशियाई पर दबदबा बनाया और पहला गेम 21-18 से जीत लिया। लक्ष्य ने दूसरा गेम 21-12 से अपने नाम कर मैच जीत लिया। सेन पुरुष एकल ग्रुप एल में भी शीर्ष पर रहे और आगामी राउंड ऑफ 16 मैच में एचएस प्रणय का सामना कर सकते हैं। प्री-क्वार्टर फाइनल गुरुवार से शुरू होंगे। इससे पहले सोमवार को लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक में ग्रुप एल पुरुष एकल बैडमिंटन मैच में बेल्जियम के जूलियन कैराग्गी को हराया। भारतीय खिलाड़ी ने बेल्जियम के अपने प्रतिद्वंद्वी को सीधे सेटों में 21-19, 21-14 से हराया। ला चैपल एरिना में यह मैच 43 मिनट तक चला। रविवार को बैडमिंटन पुरुष एकल ग्रुप एल मैच में ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन पर लक्ष्य की शानदार जीत को हटा दिया गया क्योंकि ग्वाटेमाला के खिलाड़ी ने बाएं कोहनी की चोट के कारण इस बहु-खेल प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया। कॉर्डन ने चल रहे पेरिस ओलंपिक से खुद को अलग कर लिया है, जिसके लिए इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और बेल्जियम के जूलियन कैरेगी के खिलाफ उनके आगामी ग्रुप एल मैच नहीं खेले जाएंगे।

दीपिका कुमारी ने महिला व्यक्तिगत तीरंदाजी के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

पेरिस ओलंपिक में भारतीय तीरंदाजी दल की खराब शुरुआत के बाद दीपिका कुमारी ने आखिरकार बुधवार को महिला व्यक्तिगत तीरंदाजी के राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह पक्की करके पदक की उम्मीदें दिखाईं। दीपिका ने अपने दिन की शुरुआत एस्टोनिया की रीना परनाट के खिलाफ 6-5 से रोमांचक जीत के साथ की और फिर राउंड ऑफ 16 में नीदरलैंड की क्विंटी रोफेन को 6-2 से आसानी से हराया। नीदरलैंड की क्विंटी रोफेन के खिलाफ मुकाबले में दीपिका ने धमाकेदार शुरुआत की और पहले सेट में दो 10 सहित 29 अंक बनाए, जबकि रोफेन ने दो 9 और एक 10 सहित 28 अंक बनाए। पहले सेट में

दीपिका ने 2-0 की बढ़त हासिल की, हालांकि रोफेन ने भी शानदार वापसी की और दूसरे सेट में दो 10 अंकों सहित 29 अंक हासिल किये हासिल किए, जबकि दीपिका केवल 27 अंक ही हासिल कर सकीं और स्कोर 2-2 से बराबर हो गया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में फिर से रुख बदल गया और रोफेन लक्ष्य से पूरी तरह चूक गईं, जिससे दीपिका ने 28-17 से आसान सेट जीत लिया और 4-2 से बढ़त हासिल कर ली। स्पष्ट रूप से हताश रोफेन को अगले सेट में भी अपनी गति हासिल करने में कठिनाई हुई, क्योंकि दीपिका ने 29-23 के एक और आसान सेट जीत कर मैच 6-2 से अपने नाम कर लिया।

सिंगापुर की जियान जेंग को हराकर श्रीजा अकुला अंतिम 16 में पहुंचीं

पेरिस, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय पैडलर श्रीजा अकुला ने बुधवार को पेरिस ओलंपिक में महिला एकल राउंड टेबल टेनिस मैच में अपनी सिंगापुर की प्रतिद्वंद्वी जियान जेंग को हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। भारतीय पैडलर ने राउंड ऑफ 32 का मैच 4-2 (9-11, 12-10, 11-4, 11-5, 10-12, 12-10) से जीता। यह मैच बुधवार को साउथ पेरिस एरिना में 51 मिनट तक चला।

पहले दो गेम में जेंग ने चुनौती स्वीकार की और अपनी प्रतिद्वंद्वी पर हावी रहीं। तीसरे और चौथे गेम में श्रीजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की, जहां जेंग ने वापसी करते हुए पांचवां गेम जीत लिया, वहीं अकुला ने अगला गेम जीतकर मैच अपने नाम किया। अकुला ओलंपिक में राउंड ऑफ 16 में जगह बनाने वाली केवल दूसरी भारतीय टेबल टेनिस एकल खिलाड़ी बनीं।

इससे पहले रविवार को श्रीजा अकुला ने महिला एकल स्पर्धा के राउंड ऑफ 64 में स्वीडन की क्रिस्टीना कल्बर्ग पर शानदार जीत के बाद अगले दौर में प्रवेश किया। भारतीय पैडलर ने 11-4, 11-9, 11-7 और 11-8 से जीत हासिल की।

वहीं, भारत की एक अन्य पैडलर मनिका बत्रा ने चल रहे पेरिस ओलंपिक के टेबल टेनिस महिला एकल के राउंड ऑफ 32 मैच में फ्रांस की पृथिका पावड़े को हराया। टेबल टेनिस महिला एकल के राउंड ऑफ 32 मैच में बत्रा ने अपनी फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी को 4-0 (11-9, 11-6, 11-9, 11-7) से हराया।

भारत, बेल्जियम हॉकी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

पेरिस ओलंपिक में पूल बी में अर्जेंटीना की न्यूजीलैंड पर जीत और बेल्जियम की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद भारत और बेल्जियम ने नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने आयरलैंड पर 2-0 की व्यापक जीत दर्ज करके देश की तालिका में एक पदक जोड़ने की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया। मंगलवार देर रात को अर्जेंटीना द्वारा न्यूजीलैंड पर 2-0 की जीत दर्ज करने के बाद भारत का क्वार्टर फाइनल में स्थान सुनिश्चित हो गया। अर्जेंटीना की जीत के बाद, भारत कुछ समय के लिए पूल बी में शीर्ष पर पहुंच गया। बेल्जियम ने अंतत: ऑस्ट्रेलिया को 6-2 हराकर भारत को शीर्ष से अपदस्थ कर दिया। शानदार जीत के साथ, बेल्जियम ने क्वार्टर फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। बेल्जियम के परिणाम के बाद, भारत तीन मैचों में सात अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

टीएसएच ने जारी की ईडब्लूएस खिलाड़ियों की सूची, आज से शुरु हो रहा है नया बैच

कानपुर, 30 जुलाई।
द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में ईडब्ल्यूएस के बच्चों के लिए एक अगस्त से शुरू होने वाले नये प्रशिक्षण सत्र के लिये 21 जुलाई को हुए ट्रायल का परिणाम आ गया है। ट्रायल देने वाले 306 बच्चों में से कुल 252 बच्चों का चयन अंतिम सूची में हुआ है। चयनित खिलाड़ियों की सूची नगर निगम को भेजने के साथ ही टीएसएच के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कर दी गई है।

कानपुर नगर निगम के सहयोग से आर्य नगर में संचालित द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में नये सत्र के लिये चयनित ईडब्ल्यूएस के बच्चों को अपने अपने खेलों के कोच से संपर्क करना है। उनसे प्रवेश लेने को लेकर आगे की कागजी कार्यवाही के बारे में समझना है। खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया के लिये पूरी कमेटी गठित की गई थी। कमेटी में कानपुर नगर निगम के एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर जगदीश यादव, कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सुचित अग्रवाल और आशुतोष विक्रम सिंह, यूपी टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव पाठक, यूपी एथलेटिक्स एसोसिएशन के डॉक्टर देवेश दुबे, ऑडी स्टेडिया कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव गर्ग और ट्रांसस्टेडिया के रिप्रेजेंटेटिव पीके श्रीवास्तव शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि ट्रायल प्रक्रिया 21 जुलाई को हुई। टीएसएच में प्रवेश के लिये कुल 604 बच्चों ने आवेदन किया था जिनमें से 365 आवेदनों को ट्रायल के लिये चयनित किया गया।ट्रायल के लिये बुलाये गये 365 में से 306 बच्चे ट्रायल देने के लिये पहुंचे। जिनका चार स्तरीय ट्रायल लिया गया जिसमें फिजिकल पैरामीटर, एप्टीट्यूड, स्पोर्ट्स स्किल की जांच की गई। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ईडब्ल्यूएस बच्चों के प्रशिक्षण का नया बैच एक अगस्त से शुरु होने जा रहा है।

स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर 3पी शूटिंग स्पर्धा के फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

पेरिस, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने बुधवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी के क्वालीफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर और स्वप्निल कुसाले दोनों पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर 3पी क्वालीफिकेशन राउंड में शामिल हुए। अपने ओलंपिक पदार्पण पर, कुसाले 590-38× के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहे। जबकि, तोमर 589-33× के कुल स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रहे। केवल शीर्ष आठ निशानेबाज ही फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई कर पाए हैं और तोमर फाइनल राउंड में अपनी जगह बनाने में असफल रहे। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के लियू युकुन ने कुल 594-38× के साथ ओलंपिक क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड दर्ज किया। फाइनल इवेंट गुरुवार को दोपहर 1 बजे होगा।

इससे पहले ग्रीष्मकालीन खेलों में भाकर ने महिलाओं की व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। मनु-सरबजोत ने कांस्य पदक के प्ले-ऑफ मैच में दक्षिण कोरिया की ली वोनहो और ओह ये जिन को 16-10 से हराया। इस पदक के साथ ही पेरिस ओलंपिक में भारत के पदकों की संख्या दो हो गई है।

भाकर और सरबजोत दोनों ने कोरियाई खिलाड़ियों के खिलाफ सीरीज में लगातार 10 अंक बनाए। मनु-सरबजोत ने कुल 580-20× अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। मनु की अपने तीसरे ओलंपिक पदक की तलाश 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भाग लेने से शुरू होगी।

इससे पहले रविवार को 22 वर्षीय भाकर ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भाकर ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में 221.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीतकर मौजूदा मेगा इवेंट में भारत को पहला पदक दिलाया। टोक्यो ओलंपिक में अपनी पिस्तौल की खराबी के बाद मनु के लिए यह एक तरह से मुक्ति का मौका था।

2004 में सुमा शिरुर के बाद ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में शूटिंग के फाइनल में पहुंचने वाली 20 साल में पहली भारतीय महिला बनकर उन्होंने इतिहास रच दिया। दक्षिण कोरिया की ये जिन ने 243.2 अंकों के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनकी हमवतन किम येजी ने 241.3 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

भारतीय खिलाड़ी जो पेरिस ओलंपिक में नहीं दिखा पाए दमखम

तीरंदाज धीरज व्यक्तिगत स्पर्धा के शूट-ऑफ में हारे

पेरिस, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
पेरिस ओलंपिक में तीरंदाजी में भारत के लिए उलटफेर का सिलसिला जारी रहा, जब युवा तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा को पुरुषों की व्यक्तिगत 1/16 स्पर्धा में हार का सामना करना पड़ा। कनाडा के एरिक पीटर्स और धीरज ने रोमांचक ड्रॉ खेला, जिसने प्रशंसकों को अपनी सीटों पर बांधे रखा। दोनों तीरंदाजों के धनुष से 10 की बारिश हो रही थी, जिसके कारण दोनों तीरंदाजों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला हुआ।

धीरज करीब पहुंचे, लेकिन अंत में बहुत दूर गिर गए, जिससे उनका इवेंट से बाहर होना तय हो गया। पहले सेट की शुरुआत धीरज के 10 अंकों से हुई जो दोनों तीरंदाजों के बीच का अंतर साबित हुआ। धीरज ने बढ़त बनाई लेकिन पीटर्स ने अपनी सटीकता पर भरोसा करते हुए वापसी की और मैच को बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट की शुरुआत पीटर्स ने तीन 9 अंक लगाए जबकि धीरज ने

दो 10 अंक लगाए और तीसरा सेट अपने नाम कर लिया। चौथे सेट में दोनों तीरंदाजों ने प्रत्येक शॉट पर 10 अंक बनाए और एक-एक अंक अपने नाम किया। धीरज अगले दौर में अपनी जगह पक्की करने से एक कदम दूर थे लेकिन अपने अंतिम शॉट में 9 अंक हासिल करने के कारण पीटर्स ने गेम को शूट-ऑफ में धकेल दिया। दोनों तीरंदाजों ने 10-10 अंक बनाए, लेकिन पीटर्स का तीर केंद्र के करीब था, जिससे वह अगले दौर में पहुंच गए और एकल स्पर्धा में धीरज का सफर खत्म हो गया। इस बीच, महिलाओं की स्पर्धा में भारत की शीर्ष तीरंदाज भजन कौर ने पोलैंड की अनुभवी वायलेटा मिजसोर को महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी में हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। भजन के लिए यह क्लीन स्वीप था, क्योंकि उन्होंने राउंड ऑफ 32 में 6-0 की जीत के साथ मिजसोर को बाहर कर दिया। शुरुआती सेट में उन्होंने 10, 9, 9 अंक बनाकर 29 अंक बनाए। जवाब में पोलिश तीरंदाज अपने पहले शॉट में लड़खड़ा गईं और 8 अंक बनाए। उन्होंने लगातार दो नौ अंक बनाए और पहले सेट में केवल 26 अंक ही बना सकीं। दूसरे सेट में भजन ने अपने पहले दो शॉट में लगातार 10 अंक बनाए और मिजसोर की पकड़ से दूसरा सेट छीनकर 4-0 की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में, माइज़ोर ने अपने अंतिम शॉट में पांच शॉट लगाए, जिससे वह प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार राउंड ऑफ 16 में हारीं

भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार की देश के लिए ओलंपिक पदक लाने की उम्मीदें उस समय खत्म हो गईं जब कोलंबिया की मुक्केबाज येनी मार्सेला एरियस कास्टानेडा ने महिलाओं की 54 किलोग्राम भारवर्ग के राउंड ऑफ 16 में उन्हें हरा दिया। एक बार फिर, एक भारतीय एथलीट पदक के करीब तो आया, लेकिन अगले दौर में जगह बनाने से चूक गया। प्रीति की पदक

जीतने की असफल कोशिश कास्टेनेडा के खिलाफ पहले दौर में उनके प्रदर्शन के कारण हुई। कोलंबिया की मुक्केबाज ने प्रीति पर दबदबा बनाया, जिसके परिणामस्वरूप पांच में से चार जजों ने कास्टेनेडा को दस अंक दिए। प्रीति ने दूसरे दौर में कास्टेनेडा पर बढ़त बना ली, जबकि दूसरे दौर के बाद जजों के तीन दस अंक उसके पक्ष में गए। तीसरे और अंतिम दौर में, यह एक करीबी मुकाबला साबित हुआ, लेकिन भारतीय मुक्केबाज को हार का सामना करना पड़ा। वह एक कड़ी टक्कर में विभाजित निर्णय से 2.3 से हार गईं। मंगलवार को भारत को पुरुष और महिला दोनों ही वर्ग में मुक्केबाजी में हार का सामना करना पड़ा। फिलीपींस की नेस्टी पेटेसियो ने महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग के राउंड ऑफ 32 के मैच में भारतीय मुक्केबाज जैस्मीन लैम्बोरिया को हराया। प्रीति की तरह जैस्मीन के लिए भी मुकाबला सही तरीके से शुरू नहीं हुआ, क्योंकि वह पहले राउंड के अंत में पिछड़ रही थीं। पांच में से चार जजों ने फिलीपींस की मुक्केबाज को दस अंक दिए। दूसरे राउंड में पेटेसियो ने भारतीय मुक्केबाज पर अपना दबदबा बनाए रखा। वह दूसरे राउंड में सहज दिखीं और अंत में सभी पांच जजों ने उन्हें दस अंक दिए।

संपादकीय

'विकसित' अभी सपना है

वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित देश' के रूप में देखना फिलहाल एक सुखद सपना है। किसी वर्ग के लिए यह संकल्प और महत्वाकांक्षा भी है। कोई स्वतंत्र देश 100 साल में ही 'विकसित' श्रेणी में आ जाए, यह बेहद दुर्लभ लक्ष्य है। लक्ष्य दुर्लभ ही हुआ करते हैं। यह अभियान प्रधानमंत्री मोदी ने ही शुरू किया था और उसे निरंतर भी बनाए रखा। अब तो नीति आयोग के स्तर पर 'दृष्टिकोण पत्र' भी बना लिया गया है। उसमें दो लक्ष्य फिलहाल असाध्य लगते हैं। एक, देश की प्रति व्यक्ति आय 15 लाख रुपए सालाना तक पहुंचाना। दूसरा, 'गरीबी मुक्त गांव' बनाना। यानी जिस गांव में कोई गरीब न हो और गरीबी के हालात भी न हों। फिलहाल देश की प्रति व्यक्ति आय औसतन 2 लाख रुपए सालाना है। कुछ 1.75 लाख रुपए के करीब मानते हैं। यानी 7-8 गुना आमदनी बढ़ानी होगी। आकलन है कि 2047 तक देश की जीडीपी 30 ट्रिलियन डॉलर होनी चाहिए। फिलहाल भारत की जीडीपी करीब 3.75 ट्रिलियन डॉलर है। यानी 8-9 गुना जीडीपी बढ़ानी होगी। यह उस देश के संदर्भ में असंभव-सा लगता है, जिसके 80 करोड़ से अधिक लोगों को 'मुफ्त अन्न' बांटा जा रहा है। जहां अब भी 20-22 करोड़ लोग गरीबी-रेखा के तले जीने को अभिशप्त हैं। यह संभव हो सकता है कि अंबानी, अडानी सरीखे उद्योगपतियों की आय के आधार पर जीडीपी का आकलन किया जाए। अधिकांश भारतीय गरीब हैं अथवा निम्न मध्यवर्गीय हैं। उनकी आमदनी 'कुबेरपतियों' की आय के किसी विशेष मद के मद्देनजर मान ली जाए। भारत की आर्थिक असमानता बेनकाब न हो और 5 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य भी हासिल कर लिया जाए। दरअसल भारत का गांव आज भी जर्जर और बेहाल है। कुछ गांवों को चमका दिया जाता है, लेकिन उस 'चमकदार परत' के नीचे का यथार्थ क्या है, शायद नीति आयोग भी नहीं जानता। 'दृष्टिकोण पत्र' में उल्लेख किया गया है कि गरीबी मिटाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिल कर 24 घंटे 7 दिन शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली की उपलब्धता पर काम करें। युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और उद्यमी बनाने के लिए उन्हें कौशल विकास के प्रशिक्षण देने सहित अन्य कदम उठाए जाएं। हमारी सलाह है कि प्रधानमंत्री, उनकी सरकार, सत्तारूढ़ी मुख्यमंत्री और नीति आयोग की अलग-अलग गंभीर समितियां बनाई जाएं। वे आम आदमी की तरह राजधानी दिल्ली के ही ग्रामीण और गरीब इलाकों के सर्वेक्षण कर लें। देश का यथार्थ सामने आ जाएगा कि 'विकसित' वाला दर्जा हासिल करना कितनी दूर है? बेशक पंजाब के 97 फीसदी से ज्यादा घरों तक पेयजल उपलब्ध है और इस संदर्भ में वह प्रथम स्थान पर है, लेकिन 33.5 फीसदी पेयजल की स्थिति के साथ बिहार सबसे नीचे है। 2022 में भारत में 61.5 फीसदी ग्रामीण आबादी को पाइप जल आपूर्ति के जरिए अपेक्षाकृत सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल मिल रहा था। आज कुछ स्थिति सुधरी होगी! नीति आयोग ने भी इसी गर्मियों में, राजधानी दिल्ली के विभिन्न इलाकों में, पानी के लिए तरसती, लड़ती और आक्रोशित आबादी को देखा होगा! देश के पिछड़े, अनधिकृत और गरीब इलाकों में सामान्य पानी की उपलब्धता की कल्पना की जा सकती है। देश के जीडीपी का कितना फीसदी हिस्सा भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च किया जा रहा है, नीति आयोग केवल बजट के आवंटनों को ही देख ले। 'दृष्टिकोण पत्र' में 'विकसित भारत' के सामाजिक संकेतकों का भी आकलन किया गया है। मसलन-2047 में भारतीयों की औसत आयु 84 साल होगी। अभी यह उम्र 71 साल है। कुल प्रजनन दर तब गिर कर 1.8 रहनी चाहिए, जो अभी 2.03 है। इसके मायने ये नहीं हैं कि देश की आबादी कम होगी। हमारी आबादी तब 165 करोड़ के करीब होगी। उसमें 112 करोड़ लोग कामकाजी आयु वर्ग के होंगे। इतनी आबादी को रोजगार और नौकरी मुहैया कराने के संसाधन कितने होंगे, क्या इस पक्ष पर विचार किया जा रहा है? जिस तरह कुछ मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार किया, उससे सवाल उठते हैं कि केंद्र और राज्यों में सामंजस्य कैसे होगा, नीति क्रियान्वयन कैसे होगा व निवेश कैसे बढ़ेगा।

> स्वतंत्र देश 100 साल में ही 'विकसित' श्रेणी में आ जाए, यह बेहद दुर्लभ लक्ष्य है। लक्ष्य दुर्लभ ही हुआ करते हैं। यह अभियान प्रधानमंत्री मोदी ने ही शुरू किया था और उसे निरंतर भी बनाए रखा। अब तो नीति आयोग के स्तर पर 'दृष्टिकोण पत्र' भी बना लिया गया है। उसमें दो लक्ष्य फिलहाल असाध्य लगते हैं। एक, देश की प्रति व्यक्ति आय 15 लाख रुपए सालाना तक पहुंचाना। दूसरा, 'गरीबी मुक्त गांव' बनाना। यानी जिस गांव में कोई गरीब न हो और गरीबी के हालात भी न हों। फिलहाल देश की प्रति व्यक्ति आय औसतन 2 लाख रुपए सालाना है। कुछ 1.75 लाख रुपए के करीब मानते हैं। यानी 7-8 गुना आमदनी बढ़ानी होगी। आकलन है कि 2047 तक देश की जीडीपी 30 ट्रिलियन डॉलर होनी चाहिए। फिलहाल भारत की जीडीपी करीब 3.75 ट्रिलियन डॉलर है। यानी 8-9 गुना जीडीपी बढ़ानी होगी। यह उस देश के संदर्भ में असंभव-सा लगता है, जिसके 80 करोड़ से अधिक लोगों को 'मुफ्त अन्न' बांटा जा रहा है।

नई मांग का निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल शिक्षा, ग्रीन एनर्जी पर खर्च बढ़ाने के बेहतर प्रावधानों से सजाया है

विवेक और साहस से परिपूर्ण नया बजट

डा. जयंती लाल भंडारी

> अमृतकाल के इस ऐतिहासिक बजट में 7 प्रतिशत विकास दर का लक्ष्य रखते हुए विकसित भारत के लिए नौ प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया है। बजट के इन नवरंगों में कृषि उत्पादकता, रोजगार व कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास व सामाजिक न्याय, विनिर्माण विकास एवं सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा तथा अनुसंधान व नवाचार एवं अगली पीढ़ी के सुधार शामिल हैं।

यकीनन वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा 23 जुलाई को पेश किए गए वर्ष 2024-25 के बजट की तस्वीर में दिखाई दे रहा है कि यह बजट विवेक और साहस से परिपूर्ण बजट है। यह बजट विकसित भारत के सपने को मजबूती देने वाला बजट है। अमृतकाल के इस ऐतिहासिक बजट में 7 प्रतिशत विकास दर का लक्ष्य रखते हुए विकसित भारत के लिए नौ प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया है। बजट के इन नवरंगों में कृषि उत्पादकता, रोजगार व कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास व सामाजिक न्याय, विनिर्माण विकास एवं सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा तथा अनुसंधान व नवाचार एवं अगली पीढ़ी के सुधार शामिल हैं। जहां वित्तमंत्री सीतारमण ने उद्योग-कारोबार, श्रम, कृषि, एमएसएमई, टैक्सेशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, उपभोक्ता, आधारभूत ढांचा, वित्त क्षेत्र सहित बजट से संबंधित विभिन्न पक्षों के लिए अभूतपूर्व आवंटन किए हैं तथा महंगाई नियंत्रण के उपाय सुनिश्चित किए हैं, वहीं राजस्व घाटा 1.8 फीसदी तथा राजकोषीय घाटा भी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.9 फीसदी तक सीमित रखने में सुझबूझ व चतुराई दिखाई है। खास बात यह भी है कि नए बजट में बुनियादी ढांचे के लिए 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक रखे गए हैं, जो कि जीडीपी का 3.4 फीसदी है। इस पूंजीगत व्यय से रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। वस्तुतः यह बजट नई गठबंधन सरकार की नीतियों और भविष्य के दृष्टिकोण के लिहाज से बहुत ही प्रभावी दस्तावेज है। वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्तुत करते हुए जहां वित्तमंत्री की एक मुठ्ठी आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सौगातों की झड़ी लगाते हुए दिखाई दी, वहीं उनकी दूसरी मुठ्ठी आर्थिक सुधारों और नए दौर की वैश्विक जरूरतों से संबंधी प्रावधानों के लिए खुलते हुए दिखाई दी। इसमें कोई दोमत नहीं है कि वित्तमंत्री ने नए बजट को बहुआयामी गरीबी में कमी, महिलाओं और युवाओं के विकास, रोजगार वृद्धि, कृषि और किसान हितों, बुनियादी ढांचे की मजबूती, उद्योग-कारोबार की गतिशीलता, रोजगार के नए अवसर, महंगाई पर नियंत्रण, नई मांग का निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल शिक्षा, ग्रीन एनर्जी पर खर्च बढ़ाने के बेहतर प्रावधानों से सजाया है। निश्चित रूप से वित्तमंत्री ने आर्थिक तथा सामाजिक मोर्चे पर बड़े ऐलान किए हैं। नए बजट में 22 जुलाई को पेश आर्थिक समीक्षा के तहत बताई गई हर साल 80 लाख नौकरियों की दरकार के मद्देनजर निजी क्षेत्र

और गैर कृषि क्षेत्र के तहत नई नौकरियों और कौशल विकास की व्यवस्था सुनिश्चित की है। ऐसी नौकरियों के लिए उत्पादन प्रोत्साहन संबद्ध (पीएलआई), मित्र टैक्सटाइल योजना, मुद्रा योजना, केयर इकोनॉमी क्षेत्रों की पहचान की गई है। वित्तमंत्री ने 5 सालों में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल व अन्य अवसरों की सुविधा के लिए पांच योजनाओं के प्रधानमंत्री रोजगार पैकेज की व्यवस्था सुनिश्चित की है। एक करोड़ युवाओं को 500 बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप सुनिश्चित की जाएगी तथा प्रत्येक छात्र को 5000 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जाएगा। मुद्रा योजना के तहत रोजगार के लिए ऋण की सीमा दोगुनी कर 20 लाख रुपए तक बढ़ाई गई है। एक लाख ऐसे छात्रों को उनके अध्ययन के लिए 10 लाख रुपए तक का ऋण दिया जा सकेगा, जो अन्य कोई शासकीय सहायता का लाभ नहीं ले रहे हैं। निश्चित रूप से वित्तमंत्री सीतारमण ने वर्ष 2024-25 के बजट के तहत किसानों के कल्याण और कृषि को विकास का इंजन बनाने की रणनीति के तहत किसानों के हित में कृषि व ग्रामीण क्षेत्र की क्षमता के दोहन के लिए अभूतपूर्व कदम आगे बढ़ाए हैं। वित्तमंत्री ने इस बजट के माध्यम से कृषि सेक्टर के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए और ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपए सुनिश्चित किए हैं। नए बजट के तहत सरकार कृषि और ग्रामीण विकास पर प्रभावी खर्च बढ़ाते हुए दिखाई दी है। कृषि की विकास दर बढ़ाने, कृषि क्षेत्र की योजनाओं को तर्कसंगत बनाने और कृषि सुधारों को व्यापक प्रोत्साहन सुनिश्चित किए गए हैं। कृषि के बुनियादी ढांचे और कृषि के मशीनीकरण की दिशा में संरचनात्मक सुधार लाने के प्रभावी कदम भी नए बजट में हैं।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश के 80 करोड़ से अधिक गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को दिए जाने वाले निशुल्क अनाज के मद्देनजर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच साल के लिए बढ़ाया गया है। नए बजट में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को जिला और राज्य कृषि योजनाओं के विकास हेतु आवंटन बढ़ा है। पांच राज्यों में जनसमर्थन आधारित क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे। कृषि शोध पर आवंटन बढ़ाया गया है। नए बजट के तहत प्राकृतिक खेती पर भारी प्रोत्साहन सुनिश्चित किए गए हैं और आगामी दो वर्षों में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मौसम की मार के कारण खराब होने वाली फसलों के लिए समर्थन राशि बढ़ाई जाने से कृषि को नया प्रोत्साहन मिलेगा। जिन ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं, सरकार ने उनकी भी सहायता बढ़ाई है। निःसंदेह नए बजट के तहत एक लाख करोड़ रुपए के शोध कोष से निजी क्षेत्र में अनुसंधान व नवाचार को व्यापक बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2024-25 के बजट से निर्यात और विदेशी निवेश में वृद्धि, बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेजी, विनिर्माण और सर्विस क्षेत्र में बड़ा सुधार दिखाई देगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को प्रोत्साहनमूलक राहत दी गई है। एमएसएमई इकाइयों को क्रेडिट गारंटी योजना के तहत टर्म लोन देने के लिए 100 करोड़ रुपए तक का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है।

वित्तमंत्री सीतारमण ने जहां आयकर की पुरानी रिजीम में कोई बदलाव नहीं किया है, वहीं नई रिजीम के तहत करदाताओं को राहतों से लाभान्वित किया है। नई कर व्यवस्था में 3 लाख रुपए तक की कमाई कर मुक्त है। 3 से 7 लाख पर 5 फीसदी, 7 से 10 लाख पर 10 फीसदी, 10 से 12 लाख पर 15 फीसदी, 12 से 15 लाख पर 20 फीसदी, 15 लाख से अधिक पर 30 फीसदी टैक्स का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है। खासतौर से वेतनभोगी वर्ग के लिए मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) सीमा को 50000 रुपए से बढ़ाकर 75 हजार रुपए किया गया है। इससे करीब 4 करोड़ वेतनभोगियों व पेंशनभोगियों को लाभ होगा। निश्चित रूप से वित्तमंत्री सीतारमण ने 7 फीसदी से अधिक विकास दर का लक्ष्य रखते हुए तथा राजकोषीय घाटे को जीडीपी के करीब 4.9 फीसदी तक सीमित रखते हुए अर्थव्यवस्था को गतिशील करने, रोजगार अवसरों को बढ़ाने तथा विभिन्न वर्गों को राहत देने के लिए आर्थिक प्रोत्साहनों से सजा-धजा वर्ष 2024-25 का अभूतपूर्व बजट प्रस्तुत किया है।

दृष्टि कोण

माइक बंद करने का आरोप लगाने वाले विपक्षी नेता दूसरों के बोलने का अवसर क्यों छीनना चाहते हैं?

नीति आयोग की बैठक का विपक्ष शासित राज्यों के तमाम मुख्यमंत्रियों ने बहिष्कार किया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बैठक का बहिष्कार तो नहीं किया लेकिन इसमें शामिल होने से पहले ही उन्होंने यह ऐलान कर दिया था कि वह विरोध जताकर आयेंगी। ऐसा उन्होंने किया भी। उन्होंने आरोप लगाया कि बैठक के दौरान उनका माइक बंद कर दिया गया। देखा जाये तो विपक्ष के नेता आजकल माइक बंद करने का आरोप धड़ल्ले से लगा रहे हैं। लेकिन उन्हें समझना होगा कि संसद की कार्यवाही हो या अन्य कोई सरकारी बैठक, उसमें भाग लेने वालों के लिए कुछ नियम हैं। सबके लिए समय आवंटित करने और कौन कितना समय बोलेगा इसका निर्धारण करने के लिए भी पहले से नियम बने हुए हैं। यदि कोई निर्धारित अवधि से ज्यादा समय बोलेगा तो जाहिर है कि यह दूसरों के अधिकारों का हनन होगा। देखा जाये तो नीति आयोग की बैठक को लेकर ममता बनर्जी भले कुछ भी आरोप लगायें, मगर सच यह है कि उनके आग्रह पर उन्हें उनके निर्धारित समय से पहले ही बोलने का अवसर दिया गया। उनके भाषण का समय खत्म होने का इशारा घड़ी ने किया और भाषण खत्म करने का संकेत देने वाली बेल भी उनके लिए नहीं बजायी गयी। इसके अलावा, जो मुख्यमंत्री अपने राज्य के साथ भेदभाव करने का केंद्र पर आरोप लगा रहे हैं यदि वह यूपीए और एनडीए शासन के दौरान अपने राज्य को मिली केंद्रीय मदद पर एक श्वेतपत्र ले आयें तो हकीकत उन्हें भी पता चल जायेगी और सारी स्थिति जनता के समक्ष भी आ जायेगी। केंद्र पर अपने राज्य से भेदभाव का आरोप लगाने वाले मुख्यमंत्रियों को यह भी बताना चाहिए कि उनकी किन मांगों को अनसुना कर दिया गया? इन मुख्यमंत्रियों को यह भी बताना चाहिए कि अपने राज्य की

आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए उन्होंने क्या-क्या कदम उठाये और उनका क्या परिणाम रहा? वैसे, ममता बनर्जी ने बैठक से बीच में ही बाहर आकर जो आरोप लगाये हैं उससे यह भी प्रदर्शित होता है कि यह सब इंडिया गठबंधन के नेताओं की सोची समझी रणनीति के तहत उठाया गया कदम था। दरअसल विपक्ष शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने जब नीति आयोग की बैठक के बहिष्कार का निर्णय किया था तब उन राज्यों में विपक्ष और जनता ने सवाल उठाया था कि जब प्रधानमंत्री के समक्ष अपने राज्य की मांगों को सीधा रखने का अवसर मिला है तो उसका लाभ क्यों नहीं उठाया जा रहा? ऐसे में इंडिया गठबंधन में शामिल मुख्यमंत्रियों ने अपने प्रदेश की जनता की नजरों में नीति आयोग की बैठक के बहिष्कार के निर्णय को सही ठहराने के लिए ममता बनर्जी को भेजा। ममता बनर्जी से गलती सिर्फ इतनी हो गयी कि उन्होंने पहले ही कह दिया था कि वह बैठक में विरोध जताएंगी। इसलिए जब वह बाहर आकर केंद्र सरकार पर आरोपों की बौछार कर रहीं हैं तो किसी को यकीन नहीं हो रहा। वैसे रणनीति के मुताबिक, विपक्ष ने पहले ही तैयारी कर रखी थी कि ममता बनर्जी के अपमान का आरोप लगाकर हंगामा खड़ा किया जायेगा। इसलिए संसद के वर्तमान सत्र के दौरान विपक्ष का और उग्र रूप देखने को मिल सकता है। बहरहाल, यह साफ प्रदर्शित हो रहा है कि इस बार के लोकसभा चुनावों में जनता ने विपक्ष को जो ताकत दी है उसका वह सदुपयोग नहीं कर पा रहा है। सिर्फ हंगामे की राजनीति और सरकार को अपनी ताकत दिखाने का खेल चल रहा है।

कुछ अलग

भारत की ओलंपिक उम्मीदें

फ्रांस की राजधानी पेरिस में 53वें ओलंपिक खेलों का आगाज हो गया। 'प्रेम की नगरी' में ये खेल 11 अगस्त तक खेले जाएंगे और समन्वय, सौहार्द और स्नेह के असंख्य उदाहरण पेश किए जा सकते हैं। दुनिया के 206 देशों के 10,714 खिलाड़ी ओलंपिक में शिरकत करेंगे। उनमें से भारत के 117 खिलाड़ी 16 खेलों और 69 इवेंट्स में पदक और राष्ट्र के सम्मान के लिए जूझेंगे। करीब 100 साल पहले 1924 में भी पेरिस में ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया था, जिसमें पहली बार भारतीय दल ने अधिकृत तौर पर भाग लिया था। भारत की पहली महिला खिलाड़ी ने भी उसी ओलंपिक में हिस्सा लिया था। इतिहास उसी को दोहरा रहा है, लेकिन आज भारत एक स्वतंत्र और संप्रभु देश है। विश्व की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। खिलाडियों के हुनर को तराशने और विश्वस्तरीय बनाने के मद्देनजर भारत ने खिलाडियों पर 470 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। सबसे ज्यादा 96 करोड़ रुपए एथलेटिक्स पर खर्च किए गए हैं, लिहाजा पदकों की उम्मीदें भी देश कर रहा है। बैडमिंटन में दो बार ओलंपिक पदकवीर पीवी सिंधु और 5वीं बार ओलंपिक खेल रहे, 42 वर्षीय, टेबल टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी शरथ कमल भारतीय खिलाड़ी दल के ध्वजवाहक बने। यह भी राष्ट्रीय सम्मान है। इस बार सबसे अधिक खिलाडियों ने ओलंपिक की पात्रता हासिल की है, लिहाजा सबसे अधिक खिलाड़ी भेजे गए हैं। भारतीय दल में कई विश्व चैम्पियन खिलाड़ी हैं-नीरज चोपड़ा (भाला फेंक), निकहत जरीन (मुक्केबाजी), अंतिम पंघाल (कुश्ती) और मनु भाकर (निशानेबाजी) आदि। कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने विश्व स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं- सात्विक चिराग की जोड़ी, लक्ष्य सेन, सिंधु (सभी बैडमिंटन खिलाड़ी), विनेश फोगाट (कुश्ती), मीराबाई चानू (भारोत्तोलन) और पुरुष हॉकी टीम। काश! शतरंज और क्रिकेट भी ओलंपिक खेलों में शामिल होते, तो उनके खिलाड़ी भी विश्वस्तरीय श्रेणी में गिने जाते! भारत में खेल मंत्रालय का बजट 3442 करोड़ रुपए तय किया गया है। यह देश के जीडीपी का मात्र 0.01 फीसदी से भी कम है। पश्चिम में कई विकसित देश खेलों पर 0.2 फीसदी से 0.6 फीसदी तक खर्च करते हैं। भारत में प्रति नागरिक औसतन 25 रुपए खेल पर खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद भारत की उम्मीद है कि इस बार उसके खिलाड़ी पदकों की दहाई पार करेंगे। 2004 में ब्राजील ने 10 पदक जीत कर अपना लक्ष्य हासिल किया था। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में एक स्वर्ण पदक समेत 6 पदक जीते थे। देश के लिए वह महान उपलब्धि थी, क्योंकि अधिकतर खेल मुकाबलों में भारत पदकहीन ही रहता आया है। इस बार एथलेटिक्स, हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, निशानेबाजी आदि खेलों में पदकीय जीत की उम्मीदें कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन खेलों के खिलाडियों ने विश्व चैम्पियन टीमों और खिलाडियों को भी मात दी है। दुर्भाग्य और विडंबना है कि टोक्यो ओलंपिक में हॉकी की जिस महिला टीम ने चौथा स्थान हासिल किया था, वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर पाई। यह खेल और प्रशिक्षण के हरेक स्तर की अयोग्यता है। भारोत्तोलन में कोई भी पुरुष खिलाड़ी ओलंपिक का पात्र नहीं समझा गया। महिला वर्ग में भी मीराबाई चानू अकेली ही दायित्व उठा रही है। उनके बाद कोई भी दूसरी महिला खिलाड़ी ओलंपिक के स्तर की नहीं है। जिम्नास्टिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व शून्य है। तलवारबाजी में भवानी देवी का कोई भी उत्तराधिकारी नहीं है और पुरुष पहलवान भी एक रह गया है।

देश दुनिया से

बेहतर पोषण से कारगर होती टीबी खात्मे की मुहिम

> हमारे देश में कुपोषण की जड़ों पर प्रहार कर टीबी को मात देने के सराहनीय प्रयास हो रहे हैं, जिनके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। यह कोई छुपी हुई बात नहीं है कि टीबी फैलने के कारणों में एक बड़ा कारण गरीबी है और टीबी से मौत की वजह रोगी का कुपोषित होना है। यानी लोग पर्याप्त पोषण के अभाव में रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण टीबी की चपेट में आ रहे हैं। कई लोग टीबी ग्रस्त होने के बाद पोषण न मिलने से मर जाते हैं। गरीब लोग सुचारू रूप से इलाज भी नहीं करवा पाते, वे अच्छा पोषण कहां से ले सकते हैं।

टीबी की बीमारी को खत्म करने के लिए दुनिया भर में व्यापक प्रयास हो रहे हैं। भारत में टीबी एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है जिसके खात्मे के लिए 2025 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एक सामाजिक बीमारी के रूप में टीबी के फैलने के लिए गंदी बस्तियों, अस्वच्छ घुटन भरे अंधेरे मकानों में निवास, भीड़भाड़ में रहने, असुरक्षित कार्यस्थलों में काम करने, इलाज में लापरवाही, अंधविश्वास आदि को जिम्मेदार माना जाता है, लेकिन इसके साथ-साथ गरीबी एवं कुपोषण भी ऐसे कारक हैं, जो टीबी के प्रसार में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। हमारे देश में कुपोषण की जड़ों पर प्रहार कर टीबी को मात देने के सराहनीय प्रयास हो रहे हैं, जिनके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। यह कोई छुपी हुई बात नहीं है कि टीबी फैलने के कारणों में एक बड़ा कारण गरीबी है और टीबी से मौत की वजह रोगी का कुपोषित होना है। यानी लोग पर्याप्त पोषण के अभाव में रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण टीबी की चपेट में आ रहे हैं। कई लोग टीबी ग्रस्त होने के बाद पोषण न मिलने से मर जाते हैं। गरीब लोग सुचारू रूप से इलाज भी नहीं करवा पाते, वे अच्छा पोषण कहां से ले सकते हैं। अभी भी कुपोषण टीबी की बड़ी वजह बना हुआ है, लेकिन पिछले छह सालों में, जब से टीबी रोगियों में कुपोषण की समस्या से निपटने के प्रयास शुरू हुए हैं, टीबी के खात्मे की मुहिम और भी कारगर हो चली है। इसका श्रेय निश्चय ही सरकार और सरकार की पहल कर टीबी रोगियों के लिए अच्छे पोषण की व्यवस्था करने के लिए आगे आ रहे देशवासियों को है। सरकार ने कुपोषण की समस्या के समाधान के लिए अप्रैल 2018 में निक्षय पोषण योजना का आगाज किया, जो प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में एक उत्कृष्ट पहल साबित हुई है। इसके तहत प्रत्येक टीबी रोगी को उपचार की पूरी अवधि के लिए 500 रुपए प्रति माह पोषण के लिए दिए जा रहे हैं। यह राशि बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन बीमारी को झेल रहे एक गरीब व्यक्ति के लिए यकीनन संबल बन रही है। इसी तरह का एक और सकारात्मक कदम सरकार की पहल पर 19 सितंबर 2022 को शुरू की गई निक्षय मित्र योजना है। निक्षय मित्र योजना एक तरह से टीबी रोग से पीड़ित लोगों को गोद लेने की योजना है। इसके तहत कोई भी नागरिक, जन प्रतिनिधि, राजनीतिक दल, गैर सरकारी संस्थान, कॉर्पोरेट संस्थान टीबी के मरीज को गोद ले सकता है। इस अभियान के तहत व्यवस्था की गई है कि निक्षय मित्र बनने वाला व्यक्ति अथवा संस्था कम से कम एक साल और अधिक से अधिक तीन साल के लिए किसी गांव, वार्ड, पंचायत, ब्लॉक या जिले के किसी टीबी रोगी या रोगियों को गोद लेकर उन्हें भोजन, पोषण, आजीविका के स्तर पर जरूरी मदद उपलब्ध करा सकते हैं। आम तौर पर सरकार की पहल पर शुरू की जाने वाली योजनाओं को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाती है, लेकिन खुशी का विषय है कि समूचे देश के लोग सामाजिक दायित्व के तहत निक्षय मित्र योजना से जुडक़र देश को टीबी मुक्त करने में योगदान दे रहे हैं। निक्षय मित्र योजना को शुरू हुए पौने दो साल हो चुके हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार देश में 13 लाख 55 हजार 600 रोगियों का उपचार चल रहा है, इनमें से दस लाख 10 हजार 66 रोगियों ने समुदाय से सहायता पाने की सहमति दी है और उन्हें पोषण उपलब्ध कराने के लिए दस लाख 4 हजार 679 लोग संकल्प ले चुके हैं। संकल्प ले चुके लोगों में से एक लाख साठ हजार 997 लोग निक्षय पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराकर रोगियों को बेहतर पोषण उपलब्ध करवा रहे हैं। राजस्थान में लोग निक्षय मित्र के रूप में मदद के लिए तेजी से आगे आ रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार राज्य में इस समय 80 हजार 611 रोगियों का उपचार चल रहा है, इनमें से 61 हजार 729 रोगियों ने समुदाय से सहायता पाने की सहमति दी है और उन्हें पोषण उपलब्ध कराने के लिए इतने ही लोग संकल्प ले चुके हैं। संकल्प ले चुके लोगों में से सात हजार 946 लोग निक्षय पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराकर रोगियों को बेहतर पोषण उपलब्ध करवा रहे हैं। राज्य में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, व्यक्तिगत परोपकारी लोगों और निर्वाचित प्रतिनिधियों ने भी मासिक भोजन किट प्रदान करने के लिए रोगियों को गोद लिया है। हनुमानगढ़ जिले की स्थिति पर नजर डाली जाए तो आंकड़ों के अनुसार जिले में इस समय 2382 रोगियों का उपचार चल रहा है। इनमें से 1807 रोगियों ने समुदाय से सहायता पाने की सहमति दी है और उन्हें पोषण उपलब्ध कराने के लिए इतने ही लोग संकल्प ले चुके हैं। संकल्प ले चुके लोगों में से 557 लोग निक्षय पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराकर रोगियों को बेहतर पोषण उपलब्ध करवाने में जुटे हैं। संगरिया के निकट ढाबां गांव की सरपंच सिमरजीत कौर व उनके एनआरआई बेटे डॉ. प्रीतपाल सिंह संगरिया तहसील के सभी टीबी रोगियों को बेहतर पोषण पहुंचा रहे हैं। रोड़ावाली के पूर्व सरपंच नूर नबी भाटी भी यह पुण्य कार्य कर रहे हैं।

आप का नजरिया

विजन की खिड़कियां

दो कदम अगर केंद्र आगे बढ़े, तो हिमाचल चार कदम चल सकता है। इन्हीं कदमों से कई पहाड़ लांघते हुए कभी इंदिरा गांधी ने पूर्ण राज्यत्व का दर्जा दिया, कभी नरसिंहा राव ने बिजली की मुफ्त रॉयलटी, तो अटल बिहारी वाजपेयी ने औद्योगिक पैकेज दिया। मोदी सरकार ने बल्क ड्ग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क देकर एक संदेश दिया, लेकिन योजनाओं-परियोजनाओं की निरंतरता में बजट का मानसून भी इस बार मौसम की तरह सूखा व रुखा है। हिमाचल में दो सरकारों का राजनीतिक बंटवारा जिस मुस्तैदी, समझ व नागरिक जागरूकता से हुआ है, वहां भाजपा के केंद्र को यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकसभा व राज्यसभा के चुनावों में पर्वतीय प्रदेश ने अपना सर्वस्व सौंप कर जो अर्जियां भेजीं थीं, उनके मजमून में इल्तिजा थी। बेशक अब स्पष्टीकरण के चुंबक रेलवे के आश्वासनों से चस्पां हैं, लेकिन केंद्र सरकार का बजट हमारे लिए बोला कब और हमारे जनप्रतिनिधियों ने कहा किससे। देखना यह होगा कि जिन्हें जनता उम्मीदों के साथ दिल्ली भेजती है, उनसे यह अपेक्षा तो करती ही है कि वे पहाड़ की अस्मिता के लिए संसद में सशक्त पक्ष रखें। बहरहाल कांगड़ा के नवनिर्वाचित लोकसभा सांसद डा. राजीव भारद्वाज का वक्तव्य सामने आया है। सांसद भारद्वाज कांगड़ा-चंबा के लिए दो ट्रॉमा सेंटर, पौंग बांध बैकवाटर टूरिज्म, धार्मिक कोरिडोर, पठानकोट-जोगिंद्रनगर ब्रॉडगेज रेल लाइन तथा धर्मशाला में रोप-वे सिस्टम की मांग कर रहे हैं। कहने में इन परियोजनाओं में कुछ और इजाफा हो सकता है, लेकिन इस क्षेत्र में राज्य व केंद्र के संबंधों की हरियाली तो कांगड़ा एयरपोर्ट परियोजना में योगदान से ही बढ़ेगी। राज्य सरकार ने 3500 करोड़ की अनुमानित लागत का पचास फीसदी हिस्सा केंद्र से मांगा है और अगर यह कहने मात्र से मिल जाएगा, जो सांसद की भाषा में यह सामुदायिक जिम्मेदारी भी इंगित होनी चाहिए। हिमाचल में या तो विजन की महत्त्वाकांक्षा है ही नहीं और अगर कोई कहता भी है तो विजन की अनेक खिड़कियां आपस में उलझ जाती हैं। वैसे यहीं से सांसद एवं केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार के नजरिए पर देश को गर्व है, लेकिन कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र के लिए उनके ड्रीम प्रोजेक्ट केवल सियासी अनुबंध करते ही रह गए। वह चंबा सीमेंट प्लांट, पठानकोट-जोगिंद्रनगर रेलवे लाइन का चौड़ाकरण व केंद्रीय विश्वविद्यालय की धर्मशाला में स्थापना को अधिमान देते हुए पर्यटन परियोजनाओं में केंद्र का दखल चाहते थे, लेकिन आज तक इनमें से एक भी ख्वाब पूरा नहीं हुआ। बहरहाल नए सांसद ने पैरवी का रुख बदलते हुए टोपी बदली है, तो अब देखना होगा कि वह कितना रंग जमाते हैं। हालांकि केंद्र सरकार में जगत प्रकाश नड्डा का रुतबा ऐसी पायदान पर टिका है, जहां से हिमाचल के घाव भरे जा सकते हैं। बेशक एम्स की नींव के पत्थर उन्हें सदियों याद रखेंगे या बिलासपुर की तरफ बढ़ती रेल में उनकी भूमिका की रेलमपेल है, लेकिन इस चारदीवारी के बाहर हिमाचल छोटा पड़ गया है। यह दीगर है कि महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारियों में युवा ऊर्जा के सारे स्रोत लिए अनुराग ठाकुर ने वंदेभारत ट्रेन को अंब-अंदौरा से जोड़ दिया, लेकिन हमीरपुर को रेल से छूने के उनके प्रयास दर्ज नहीं हुए। इसी तरह खेल मंत्रालय के सुखद संदेश हिमाचल तक नहीं पहुंच पाए।

ग्लोबल मार्केट : एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से बुधवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ ही बंद हुए। एशियाई बाजारों में आमतौर पर मजबूती नजर आ रही है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को लेकर अपनी घोषणा करने के पहले अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान संभल कर कारोबार करता नजर आया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 203.40 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 40,743.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,436.44 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 222.78 अंक यानी 1.28 प्रतिशत टूट कर 17,147.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 40,656.71 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करने के बाद बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,274.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,474.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,411.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ। अमेरिकी और यूरोपीय बाजार के विपरीत एशियाई बाजारों में मजबूती का माहौल बना हुआ है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,943.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,545.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 323.67 अंक यानी 1.90 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,326.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,449.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में भी बुधवार को जोरदार मजबूती आई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.76 प्रतिशत उछल कर 2,930.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,317.80 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स से 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,250.94 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,755.66 अंक के स्तर पर और ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,256.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हर मोर्चे पर...

उसमें फिर जो एक गलत कदम तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने उठाया, वह आज भारत के लिए एक बड़ा संकट बन गया है। इसकी गहराई में जाने के पूर्व हमें संविधान के आर्टिकल 11 को देखना होगा।

संविधान का अनुच्छेद 11 कहता है कि यह सरकार की ड्यूटी है कि वह नागरिकता देने और उसे किन्हीं विशेष परस्थितियों में वापस लेने के लिए कानून बनाए। सन् 1955 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस संबंध में कानून बनाया भी। राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए जो कार्य किया, उसने देश को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा दिया, इस एक निर्णय से भारत में लाखों की संख्या में अवैध घुसपैठ वैध हो गई। इसकी आड़ में अब तक घुसपैठ चल रही है। हर देशभक्त फिर वह किसी भी दल का क्यों न हो, वह इस बात को हृदय से स्वीकारता है कि भारत के सिटीजनशिप कानून में राजीव गांधी ने जो सेंध लगाई वह आज देश के लिए नासूर बन गई है। हो सकता है देश की जनता 1984 में राजीव गांधी की पार्टी कांग्रेस को 404 लोकसभा सीट जिताकर भारी बहुमत से विजयी नहीं बनाती तो वह 1985 में कभी ऐसा कानून संसद से पास ही नहीं करवा पाते, जिसके कारण से आज देश में अवैध घुसपैठ एक महान भयंकर समस्या बनकर उभरी है।

भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों को राजीव गांधी ने दोहरी नागरिकता देने का काम किया। आप देखें कि कैसे राजीव गांधी बड़ी चालाकी के साथ 1985 में देश के सिटिजनशिप एक्ट में बदलाव कर देते हैं। इसके लिए वे इस एक्ट में एक नई धारा 6ए का इजाफा करते हैं। जो यह कहती है कि 1971 तक जो लोग बांग्लादेश से असम में आ चुके हैं, वह सभी असम के निवासी और भारत के नागरिक हो जाएंगे। तत्कालीन समय में यह विशेष सुविधा असम के लिए लागू की गई, अब ध्यान रखिए बाकी और राज्यों के लिए 1947 तक का नियम है। यानी कि जो उस वक्त आए उन्हें भारत की नागरिकता रहेगी।

देखा जाए तो इस नई 6-ए धारा का परिणाम यह हुआ कि राजीव गांधी के वक्त जो 60 लाख बांग्लादेशी घुसपैठिए भारत के असम क्षेत्र में आए वह तो भारत के नागरिक बने ही बने, साथ में उन्होंने जो देश में जनसंख्या बढ़ाने का काम भी किया, आज की तारीख में वे सब भारत के नागरिक हो गए। हालांकि कांग्रेस की सरकार में लागू की गई धारा 6ए के विरोध में मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, इस पर फैसला आना अभी शेष है, किंतु इस 6ए धारा का वर्तमान संकट यह है कि अब भी जो बांग्लादेशी घुसपैठिए बड़ी तादात में भारत में घुसते हैं, उनमें से कई पहले अपने को असम में पंजीकृत करवाते हैं, जो रजिस्टर्ड नहीं हो पाते, तब भी वे यही बताने का प्रयास करते हैं कि वह और उनके पूर्वज 1971 के पहले ही भारत में आकर बस गए थे।

असम में हालात किस तरह से दिनों दिन खराब हुए हैं, यह स्वयं मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा के मुख से आज सुना जा सकता है, जिसमें वे बता रहे हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठ मुस्लिम आबादी के कारण असम की डेमोग्राफी बदल गई है और कई जिलों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। जो 1951 में 12 फीसदी मुस्लिम थे, अब 40 फीसदी तक पहुंच गए हैं। यह जनसंख्या अवैध घुसपैठ के कारण से असम में देखने को मिल रही है। पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के बयान का समर्थन किया है, मजूमदार का कहना है कि असम में बायोलॉजिकल तरीके से डेमोग्राफी बदलाव नहीं हुआ है। यह बदलाव घुसपैठ का नतीजा है। उन्होंने बंगाल को भी इस समस्या से पीड़ित बताया और कहा, बंगाल में भी इसी तरह अवैध घुसपैठ कराकर डेमोग्राफी को बदला गया है।

उनके अनुसार ऐसा सिर्फ असम और बंगाल में ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वी भारत हुआ है, खासकर सीमा से सटे राज्यों में स्वतंत्रता के 70 से 75 सालों में बड़ा डेमोग्राफिक परिवर्तन देखने को मिला है। ये बायोलॉजिकल तरीके से आबादी नहीं बढ़ाई गई है, योजनाबद्ध तरीके से डेमोग्राफी चेंज हुई है। वे कहते हैं, कि इसकी योजना देश के बाहर कहीं से हो रही है। पश्चिम बंगाल में स्वतंत्रता के पूर्व और स्वाधीनता बाद भी तीन जिले मुस्लिम बहुल थे। लेकिन आज यह संख्या नौ जिलों की है। ये कहां से हो रहा है? कैसे हो रहा है? इतनी जनसंख्या कैसे बढ़ रही है? प्राकृतिक तरीके से इतनी जनसंख्या नहीं बढ़ सकती है।

सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर जोगिंदर सिंह 2014 में इस बात को तथ्यों के साथ कहा था कि देश में लगभग पांच करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठ कर बैठे हुए हैं। यदि आंकड़ों के आधार पर अनुमान लगाए तो लगभग पांच हजार लोग हर दिन बांग्लादेश से भारत आते हैं। महीने में करीब डेढ़ लाख लोग। अब पिछले 70-75 वर्षों में कितनों ने घुसपैठ कर ली होगी, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए ही स्थानीय असमिया लोगों के लिए घुसपैठ एक बड़ा मुद्दा है। उनका कहना भी है कि बांग्लादेश मूल के मुसलमान और अब तो रोहिंग्या भी आ रहे हैं, ये सभी स्थानीय लोगों के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकार छीन रहे हैं। हमारे रोजगारों पर कब्जा जमा रहे हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा बिल्कुल सही कह रहे हैं। सरकार तो इन्हें अपने स्तर पर रोकने की कोशिश करती है, लेकिन जो पूर्व से बांग्लादेश से आकर असम में बसे हैं, वे घुसपैठियों को चुपके से अपने यहां रख लेते हैं और अपना पूरा संरक्षण देते हैं। मदरसों का रोल इसमें सबसे अहम है। पूरा तंत्र देश भर में मदरसों और मस्जिदों का काम करता है, जो न सिर्फ घुसपैठियों के कागजात तैयार करवाते हैं बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में भेजने तक की व्यवस्था करते हैं, इसलिए इनकी पहचान कर इन्हें पकड़ना आसान नहीं होता।

आंकड़ों में देखें तो असम के कुल 33 जिलों में से 9 जिलों में इस वक्त मुस्लिम आबादी 50 से 80 फीसदी तक हो गई है। ये जिले-बारपेटा, करीमगंज, दारंग, मोरीगांव, नौगांव, बोंगाईगांव, धुबरी, लाकांडी और गोलपाराबतौर हैं। इन नौ जिलों के अलावा कामरूप, कछार और नलबाड़ी में भी मुसलमानों की आबादी करीब 40 फीसदी आंकी गई है। कुल मिलाकर देश के इस एक अकेले असम राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण से 45 विधानसभा सीटों पर फैसला मुस्लिम वोटरों के हाथों में चला गया। 2021 के विधानसभा चुनाव में 31 मुसलमान विधायक चुने गए, जिनमें 16 कांग्रेस और 15 ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट जिसे एआईयूडीएफ और सर्व भारतीय संयुक्त गणतांत्रिक मोर्चा के नाम से भी जाना जाता है के हैं। इस दल को लेकर कहना चाहिए कि इसकी पूरी राजनीति बांग्लादेशी घुसपैठियों और अन्य मुसलमानों की बदौलत चल रही है। इसका निशान भी हरा है और इसके संस्थापक भी मौलाना बदरुद्दीन अजमल हैं। भाजपा इन मुस्लिम बहुत क्षेत्रों से जीतती नहीं, क्योंकि वह घुसपैठियों के खिलाफ मुखर है।यही हाल पश्चिम बंगाल का है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की जीत में सबसे बड़ी भूमिका बांग्लादेशी घुसपैठिए निभाते हैं, जिसके कई साक्ष्य मीडिया में मौजूद हैं। भाषा से कोई उन्हें नहीं पकड़ सकता। वह बांग्ला बोलते हैं। दिखने में भी पश्चिम बंगाल के रहवासी की तरह ही हैं। वे भारत आकर यहां की सभी सोशल वेलफेयर स्कीमों और भारत के आम टैक्सपेयर के पैसे से मिलने वाली सहूलियतों पर कब्जा कर रहे हैं। इसके अलावा ये बहुत बड़े पैमाने पर स्लीपर सैल के तौर पर काम कर रहे हैं। अब तक कई आतंकी संगठनों के कनेक्शन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को पश्चिम बंगाल से मिले हैं, जो सीधे बांग्लादेश से जाकर जुड़ते हैं। देश विरोधी हर काम में ये घुसपैठिए लिप्त पाए जा रहे हैं।

इस संबंध में यह तथ्य भी बताना उचित होगा कि जब भारत के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ़ कार्रवाई शुरू की तो कई चौकानेवाली जानकारियां सामने आईं। पता चला कि ये घुसपैठिए देश के कोने-कोने में फैले हैं। इनके पास अपने को भारत का नागरिक प्रमाणित करने के लिए सभी दस्तावेज हैं। कई राज्यों से इन बांग्लदेशियों की गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं। असम, पश्चिम बंगाल की तरह ही झारखण्ड में बांग्लादेशी घुसपैठ से संथाल परगना की डेमोग्राफी बदल गई है। यहां स्थिति इतनी भयानक हो गई कि न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा है। झारखंड हाईकोर्ट ने संथाल प्रमंडल के सभी उपायुक्तों को आपसी सामंजस्य से बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों को चिह्नित कर वापस भेजने की कार्ययोजना तैयार करने के लिए कहा है। अदालत ने कहा है कि यह अति गंभीर मामला है, इसे सिर्फ राज्य सरकार नहीं संभाल सकती। इसलिए केंद्र सरकार को भी राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के संथाल परगना इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठ के मामले पर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठ सिर्फ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है। बांग्लादेशी घुसपैठिए इस राज्य के आदिवासी भाई-बहनों की जमीन और संसाधनों पर कब्जा जमा कर झारखंड को जिहाद खंड बनाना चाहते हैं। राज्य सरकार न सिर्फ इस संवेदनशील मामले पर चुप्पी साधे है, बल्कि अवैध घुसपैठियों को बसाने में भी मदद कर रही है। जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश की लगातार धज्जियां उड़ा रही है। बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड के गरीब आदिवासियों का हक़ छीनने का प्रयास कर रहे हैं। जेएमएम-कांग्रेस सरकार के संरक्षण में घुसपैठियों का नाम मतदाता सूची और राशन कार्ड में भी जोड़ा जा रहा है। घुसपैठ के चलते झारखंड की माटी और बेटी पर भी संकट मँडरा रहा है। आदिवासियों के हक़ अधिकार की रक्षा के लिए राज्य सरकार बांग्लादेश घुसपैठ की रोकथाम के लिए अतिशीघ्र ठोस कदम उठाए।

कुल मिलाकर देशभर में कई राज्यों में आज ये घुसपैठिए पहुंच चुके हैं। भारत के संसाधनों का भरपूर उपभोग कर रहे हैं। खूब रुपया बनाकर विदेश भेज रहे हैं। दूसरी ओर भारत का आम नागरिक है जिसके हक का रोजगार ये छीन ले रहे हैं। ऐसे में सोचना अब स्थानीय भारत के आम नागरिक, विशेषकर मुसलमानों को है कि इन विदेशियों को सहयोग देकर उन्हें भारत में बसाकर वह आखिर किसका भला कर रहे हैं। देखा जाए तो जो भारत उन्हें सब कुछ देता है वे आज उसी देश से गद्दारी कर रहे हैं, रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी घुसपैठियों की मदद करनेवालों को यह समझना होगा कि वे इनकी मदद कर देश को हर मोर्चे पर कमजोर करने का काम कर रहे हैं।

हमास का...

उसकी मौत के बाद कहा जा रहा है कि इज़राइल ने 7 अक्टूबर का बदला ले लिया है। इससे पहले उत्तरी गाजा में इज़राइल ने हमला करके हमास सरगना के तीन बेटों को मौत के घाट उतारा था। बाद में अलजजीरा को इंटरव्यू देते हुए हानिया ने इस बात की पुष्टि की थी ईद के दिन इज़राइल ने उसके तीन बच्चे हाजेम, आमिर और मोहम्मद के साथ उसके पोते-पोतियों को मारा था। हानिया ने बताया था कि उसके बच्चों को उस समय टारगेट किया गया जब वह लोग ईद के दिन शरणार्थी शिविर में लोगों से मिलने गए हुए थे। हमास के मुखिया इस्माइल हानिया की मौत पर अभी इज़राइल की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

अपने दुश्मनों ...

चेतावनी भी जारी की थी। इज़राइली नागरिकों की हत्या का बदला लेने का इज़राइल का लंबा इतिहास रहा है। चाहे वह 1972 में म्यूनिख ओलंपिक में इज़राइली खिलाड़ियों की हत्या करने वाले आतंकियों को चुन-चुन कर मारना रहा हो या ड्रोन हमलों में दुश्मन देशों के बड़े राजनीतिक और सैन्य चेहरों को खत्म करने का, या विदेश की धरती पर अगवा विमान से इज़राइली नागरिकों को दुस्साहकि तरीके से छुड़ा कर लाने का। इज़राइल का दुश्मनों पर सीधी कार्रवाई करने का पुराना रिकॉर्ड रहा है और उसके इन अभियानों को अंजाम देने में सबसे आगे रही है उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद।

1. 1972 का ऑपरेशन रैथ ऑफ गॉड : दुश्मन देशों की जमीन पर ही दुश्मनों को खत्म करने का इज़राइल का इतिहास उसकी आजादी के बाद से ही शुरू हो गया था। हालांकि, उसके ज्यादातर हमले गुप्त ही रहे। इज़राइल ने खुलेतौर पर अपने दुश्मनों को खत्म करने का ऐलान पहली बार 1970 के दशक में किया, जब म्यूनिख ओलंपिक के दौरान कुछ फलस्तीनी आतंकियों ने जर्मनी में ही 11 इज़राइली खिलाड़ियों को मौत के घाट उतार दिया था। इस घटना के बाद खुफिया एजेंसी मोसाद ने बदला लेने के लिए ऑपरेशन रैथ ऑफ गॉड शुरू किया था। इस अभियान के तहत इज़राइल ने म्यूनिख हमले के पीछे रहे ब्लैक सेप्टेम्बर संगठन के एक-एक सरगना को ढूंढ कर मारा। चौंकाने वाली बात यह है कि इज़राइल ने इस दौरान अपने से कहीं बड़े और खतरनाक सशस्त्र बल को निशाना बनाया था। दुनिया में आज भी मोसाद के इस अभियान की चर्चा की जाती है।

2. 1976 का ऑपरेशन थंडरबोल्ट : अरब के आतंकियों द्वारा हाइजैक फ्रांसीसी विमान को मोसाद अपने 94 नागरिकों के साथ युगांडा से मुक्त कराकर लाई थी। यह ऑपरेशन काफी चर्चित रहा था। इस ऑपरेशन में इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू के भाई योनातन नेतन्याहू की जान चली गई थी।

3. 1960 में रूसी मिग-21 को इज़राइल लाना : उस दौर में सोवियत संघ रूस का मिग-29 सबसे उन्नत लड़ाकू विमान माना जाता था। इसे पाने में जब अमेरिका की सीआईए भी विफल रही तो फिर मोसाद की महिला एजेंट ने 1964 में इसे कर दिखाया। हालांकि, 1962 में इसी मिशन पर एक मोसाद एजेंट पकड़ा गया था, जिसे फांसी दे दी गई थी।

4. 1960 अर्जेंटीना में सीक्रेट मिशन : मोसाद ने अर्जेंटीना में 1960 में एक सीक्रेट मिशन को अंजाम देते हुए नाजी युद्ध के अपराधी एडोल्फ एकमैन को गुपचुप तरीके से अपहरण करके इज़राइल ले आई। बाद में मुकदमा चलाकर उसे सजा दी गई। इस मिशन को पांच एजेंट्स ने पूरा किया था।

5. 2020 ईरानी परमाणु वैज्ञानिक का खात्मा : नवंबर 2020 में ईरान के सैन्य परमाणु कार्यक्रम शीर्ष वैज्ञानिक ब्रिगेडियर जनरल मोहसिन फखरीजादेह की हत्या कर दी गई है। हालांकि, मोसाद ने तब इसकी जिम्मेदारी खुले तौर पर नहीं ली, लेकिन जून 2021 में मोसाद के मुखिया ने इसे लेकर अहम खुलासे किए थे।

6. विदेश में ऐसे ही अन्य ऑपरेशन : मोसाद ने अमेरिका के लिए ईरान में घुस कर अलकायदा के नंबर दो आतंकी अल मसरी को मार गिराया। फिर ईरान में घुस कर आतंकी अबु मोहम्मद का भी खात्मा किया। फिलस्तीनी नेता यासिर अराफात के राइट हैंड खलील अल वजीर उर्फ अबू जिहाद को ट्यूनिशिया में टूरिस्ट बनकर गए मोसाद के एजेंट ने परिवार के सामने ही 70 गोलियां मारी थीं। अपने ही देश के परमाणु कार्यक्रम की जानकारी लीक करने वाले बागी वैज्ञानिक वनुनु को पकड़ने के लिए मोसाद ने अपनी कातिल जांबाज हसीनाओं का इस्तेमाल किया और उसे प्रेम जाल में फंसाकर वापस इज़राइल ले आई।

इज़राइल-हमास...

इज़राइल पर बीते साल 7 अक्टूबर को हुए हमले के पीछे भी इस्माइल हानिया की अहम भूमिका थी और यही वजह थी कि इस्माइल हानिया इज़राइली सुरक्षा बलों के निशाने पर था। इस्माइल हानिया कतर में रह रहा था और बताया जाता है कि वहां वह ऐशो-आराम की जिंदगी जी रहा था। इज़राइल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले को उसने अपने ऑफिस में टीवी पर देखा था और हमले का समर्थन किया था। इस्माइल हानिया का जन्म 29 जनवरी 1962 को गाजा पट्टी के शाती शरणार्थी शिविर में हुआ था। इज़राइल और फिलस्तीन के बीच गाजा पट्टी हमेशा से विवाद का कारण रहा है। ऐसे में गाजा पट्टी में रहने के दौरान इस्माइल हानिया के मन में फिलस्तीन को एक अलग देश बनाने की इच्छा पनपी। इस्माइल हानिया का बड़ा परिवार है और उसके 13 बच्चे हैं। हालांकि बीते दिनों एक इज़राइली हमले में उसके तीन बेटों समेत परिवार के कई सदस्य मारे गए थे।

इस्माइल हानिया ने गाजा की इस्लामिक यूनिवर्सिटी से अरब साहित्य में स्नातक किया था और यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान ही वह हमास के संपर्क में आया। इस्माइल हानिया, मुस्लिम ब्रदरहुड से भी जुड़ा और यूनिवर्सिटी में वह मुस्लिम ब्रदरहुड की छात्र परिषद का प्रमुख भी रहा था। इस्माइल हानिया 90 के दशक में हमास से जुड़ा और शुरुआत में वह हमास की चैरिटेबल गतिविधियों से जुड़ा और बाद में हमास की राजनीतिक शाखा से जुड़ गया। समय के साथ हमास में हानिया की अहमियत बढ़ती गई और दूसरे इंतेफादा के दौरान वह हमास के शीर्ष नेतृत्व की नजरों में आ गया। साल 2006 में गाजा में हुए चुनाव में हमास को जीत मिली और इस्माइल हानिया को फलस्तीनी अथॉरिटी की प्रधानमंत्री बनाया गया। हानिया के प्रधानमंत्री बनने के बाद गाजा में अपने प्रतिद्वंदी संगठन फतह के साथ हमास के मतभेद बढ़े और साल 2007 में हुए हिंसक संघर्ष के बाद फतह को गाजा पट्टी का इलाका छोड़ना पड़ा और फतह वेस्ट बैंक में ही सीमित हो गया। फतह के गाजा छोड़ने के बाद गाजा में हमास को कोई चुनौती देने वाला नहीं बचा। इसके बाद हमास और इज़राइल में संघर्ष बढ़े। इस्माइल हानिया बीते कुछ वर्षों से हमास और फतह के बीच सुलह कराने की कोशिश में जुटा था। अब इस्माइल हानिया की मौत से हमास को बड़ा झटका लगा है और यकीनन यह इज़राइल की बड़ी कामयाबी है।

विपक्षी नेता की ...

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने और विदेशी निवेशकों को यह संदेश देने की साजिश की जा रही है कि देश निवेश के लिए सुरक्षित नहीं है।

लोकसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि किसी भी राज्य को धन देने से इनकार नहीं किया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व की यूपीए सरकार के बजट भाषण में भी सभी राज्यों के नामों का उल्लेख नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, मैंने 2004 से 2008 तक के सभी बजट भाषण सुने। किसी में भी सभी राज्यों के नाम नहीं थे। 2004-05 में 17 राज्यों का नाम नहीं लिया गया था। मैं तत्कालीन यूपीए सरकार के सदस्यों से पूछती हूं कि क्या उन 17 राज्यों को पैसा नहीं दिया गया? क्या उन्होंने इसे रोक दिया? कई विपक्षी सदस्यों ने दावा किया था, सिर्फ बिहार व आंध्र प्रदेश के लिए फंड दिए गए, अन्य राज्यों को कुछ भी नहीं मिला। निर्मला इन्हीं टिप्पणियों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा, भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली वैश्विक अर्थव्यवस्था है। भारी पूंजीगत खर्च के कारण महामारी के बाद के प्रभावों पर काबू पा लिया गया है। सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य का अनुपालन कर रही है। यह चालू वित्त वर्ष के लिए लक्षित 4.9 प्रतिशत से 2025-26 तक घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे ले आएगा। 2023-24 में घाटा 5.6 फीसदी था।

निर्मला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला करते हुए पूछा, राजीव गांधी फाउंडेशन में कितने एससी हैं? कुल नौ लोग हैं, मगर एससी कोई नहीं है। राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी में 5 लोग हैं, वहां भी कोई एससी नहीं है। राहुल ने दावा किया था कि बजट बनाने वाले 20 अफसरों में से एससी एक भी नहीं है। वित्त मंत्री ने जवाहरलाल नेहरू का एक कोट पढ़ा, जिसमें उन्होंने आरक्षण का विरोध किया था। उन्होंने कहा, मंडल कमीशन की रिपोर्ट को इंदिरा सरकार ने किनारे कर दिया था। यह वही कांग्रेस है, जिसका नारा था, न जात पर न पात पर मुहर लगेगी हाथ पर। और आज फोटो दिखाकर ओबीसी, एससी, एसटी के बारे में पूछा जा रहा है। निर्मला ने कहा, पूर्व पीएम राजीव गांधी ने एक इंटरव्यू में कहा था, आरक्षण के नाम पर मूर्खों को प्रोन्नत नहीं किया जाएगा। (नो प्रमोशन ऑफ इडियट्स इन द नेम ऑफ रिजर्वेशन)।

वित्तमंत्री ने कहा, ग्रामीण विकास के लिए इस वर्ष 2.66 लाख करोड़ रखे गए हैं। यह पिछले साल से 11.7 प्रतिशत ज्यादा है। जबकि यूपीए के समय शहरी विकास के लिए 2013-14 में सिर्फ 12,000 करोड़ रुपए था। वित्तमंत्री ने कहा कि सामाजिक समावेशिता और भौगोलिक समावेशिता बजट के दो मुख्य फोकस हैं। व्यय में तेजी से वृद्धि हुई है। यह अब 48.23 लाख करोड़ रुपए है। स्वास्थ्य क्षेत्र का खर्च 72,000 करोड़ से बढ़कर 1.46 लाख करोड़ रुपए हो गया है। बजट में पिछले साल की तुलना में कहीं भी कम आवंटन नहीं किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा, 48.21 लाख करोड़ के बजट में से पूंजीगत व्यय के लिए 11.11 लाख करोड़ आवंटित किए हैं।

वित्तमंत्री ने कहा, जुलाई में जारी एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2014 से 2023 के बीच 12.5 करोड़ नौकरियां पैदा कीं। यूपीए सरकार के 10 साल के दौरान यह संख्या सिर्फ 2.9 करोड़ थी। कोरोना के बाद बेरोजगारी दर घटी है। यह 2017-18 में 6 प्रतिशत से 2022-23 में 3.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई है। 15-29 वर्ष के आयु वर्ग के लिए युवा बेरोजगारी 2017-18 में 17.8 प्रतिशत से 2022-23 में 10 फीसदी हो गई।

वित्तमंत्री ने कहा कि बिना विरोध के कोई भी बहस नहीं होती। पीएम बोलने के लिए खड़े हुए तो सबसे अधिक व्यवधान हुआ। अफसोस है कि सवाल करने वालों को जवाब नहीं सुनना। वित्त मंत्री ने कहा, यूपीए सरकार के पहले कार्यकाल में 2004-05 में वित्त मंत्री ने 17 राज्यों का नाम नहीं लिया। क्या उन राज्यों को पैसा नहीं मिला। 2005-2006 में 18, 2006-2007 में 13 राज्यों का नाम नहीं गिनाया। 2007-2008 में 16 राज्यों, 2008-2009 में 13 राज्यों का नाम नहीं था। 2009-2010 में 26, 2010-2011 में 19राज्यों के नाम शामिल नहीं थे। सीतारमण ने बताया कि विभिन्न सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए पिछले साल की तुलना में बजट आवंटन बढ़ा है। 2013-14 में कृषि और संबद्ध क्षेत्र का आवंटन 30,000 करोड़ रुपए था, जबकि अब यह 1.52 लाख करोड़ रुपए है। यह पिछले साल की तुलना में 8,000 करोड़ अधिक है।

शिक्षा, रोजगार और कौशल क्षेत्र में 2013-14 में 85,000 करोड़ आवंटित किए गए थे। अब यह 1.48 लाख करोड़ रुपए है। यह पिछले साल की तुलना में 23 फीसदी और 28,000 करोड़ अधिक है। महिलाओं और लड़कियों के लिए 3.27 लाख करोड़ रुपए रखे गए हैं। यह पिछले साल की तुलना में 96,000 करोड़ अधिक हैं। वित्तमंत्री ने कहा, सरकार का खर्च तेजी से बढ़कर 48.21 लाख करोड़ हो गया है। 2023-24 में इसमें 7.3 फीसदी और 2023-24 के पूर्व-वास्तविकों की तुलना में 8.5 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है।

राहुल गांधी के बजट का हलवा वाले बयान पर उन्होंने कहा, यह वित्त मंत्रालय के कर्मचारियों के लिए भावनात्मक मामला है, जो बजट प्रस्तावों की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए पांच रातें और चार दिन क्वारंटीन में बिताते हैं। आप इतने भावनात्मक मामले को हल्के में कैसे ले सकते। हलवा सेरेमनी की फोटो पर कहा कि यह परंपरा 2013-14 में यूपीए ने शुरू की थी। निर्मला ने पूछा, तब उस फोटो में कितने एससी, एसटी और ओबीसी थे? इसे तब क्यों नहीं खत्म कर दिया गया?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बजट में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को 17,000 करोड़ रुपए की पर्याप्त वित्तीय सहायता दी गई है। इसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस की लागत के वित्तपोषण के लिए 12,000 करोड़ शामिल हैं। यह वह बोझ है जिसे हम अपने कंधों पर लेना चाहते हैं। लोकसभा ने 2024-25 के लिए जम्मू-कश्मीर के बजट को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री ने कहा, पश्चिम बंगाल की सीएम और वित्त मंत्री भी कलकत्ता विवि से पढ़े हैं (हार्वर्ड या ऑक्सफोर्ड से नहीं)। मैं पूछना चाहती हूं कि क्या वे भी विचारों से रहित हैं? बंगाल की धरती से, जिसने हमें वंदे मातरम दिया, आज हमारे पास प्रोफेसर सौगत रॉय (तृणमूल सांसद) हैं, जिन्होंने टिप्पणी की थी कि मैं नए विचारों से वंचित हूं, क्योंकि मैं जेएनयू से हूं, हार्वर्ड या ऑक्सफोर्ड से नहीं। निर्मला ने कहा, वह खुद एक भारतीय विवि में पढ़ाते हैं। उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए। वित्तमंत्री ने महंगाई पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि हार्वर्ड और ऑक्सफोर्ड से पढ़ने वालों की सरकार में 2008 में ग्लोबल फाइनेंस क्राइसिस महंगाई चरम पर थी। अटल सरकार में महंगाई 3 प्रतिशत के आसपास थी, जो यूपीए सरकार में 8.1 फीसदी पर पहुंच गई। कांग्रेस आई और महंगाई लाई।वित्तमंत्री ने एससी-एसटी की अनदेखी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा, घपले खुद की सरकार में हो रहे और पाठ हमें पढ़ाया जा रहा। उन्होंने कर्नाटक में एससी-एसटी सबफंड से पैसे निकाले जाने का जिक्र किया और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी से कहा कि आप अपने नेता से पूछो कर्नाटक में एससी की हालत कैसी है। वित्तमंत्री ने कहा, एसटी के लिए 2023-24 के बजट में 1,19,706 करोड़ के मुकाबले इस बार 1,24,909 करोड़ रुपए दिए गए। तृणमूल कांगेस पर निशाना साधते हुए वित्तमंत्री ने कहा, दावा किया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल को कुछ नहीं दिया गया है। पीएम मोदी की दी गई कई योजनाएं बंगाल में लागू भी नहीं की गईं और अब सवाल पूछने की हिम्मत दिखा रहे।

जिनकी जाति का...

कांग्रेस नेता के भाषण पर आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कमल महालक्ष्मी का आसन है और राष्ट्रीय फूल भी है। कमल का एक नाम राजीव भी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने महाभारत ग्रंथ देखा भी नहीं है। अपने भाषण के दौरान अनुराग ठाकुर ने जातिगत जणगणना को लेकर बिना किसी का नाम लिए तंज कसा कि जिनकी जाति का पता नहीं वे गणना की बात करते हैं। इस पर सदन में कुछ देर हंगामा हुआ। विपक्ष के नेता सदन के बीचोबीच आ गए। राहुल गांधी ने दो बार इस पर अपनी बात रखी।

इस टिप्पणी पर सपा नेता अखिलेश यादव ने आपत्ति जताई। इस पर पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल ने कहा कि जाति का विषय होगा तो उसे कार्रवाई से हटा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कल राहुल गांधी ने सदन में कहा था कि बजट का हलवा कुछ उद्योगपतियों को मिला है। उन्होंने अभिमन्यु का उदाहरण दिया और कहा था कि सरकार ने जनता के लिए पद्मव्यूह रचा है। उनका इशारा कमल की फूल की ओर था जो कि भाजपा का चुनाव चिन्ह है। कांग्रेस नेता के भाषण पर आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कमल महालक्ष्मी का आसन है और राष्ट्रीय फूल भी है। कमल का एक नाम राजीव भी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने महाभारत पुस्तक देखी भी नहीं है।

अनुराग ठाकुर ने विपक्ष के प्रपंच की हवा निकाल दी। जब अखिलेश यादव ने कहा कि वो मिलिट्री स्कूल में पढ़े हुए हैं तो अनुराग ठाकुर ने करारा जवाब देते हुए कहा कि वो आज भी टेरिटोरियल आर्मी की 124वीं रेजिमेंट में कैप्टन के रैंक पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव को सलाह दी कि वो ज्ञान न बांटे, राहुल गांधी के साथ मिल कर अफवाह न फैलाएं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि एक नेता ने संसद में खड़े होकर कमल पर कटाक्ष किया, पता नहीं कमल से उनका क्या विरोध है। उन्होंने याद दिलाया कि राजीवनाम का अर्थ भी कमल होता है। बता दें कि राहुल गांधी के पिता का नाम राजीव गांधी था। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी ने राजीवशब्द को हिंसा के साथ जोड़ा। उन्होंने इस दौरान याद दिलाया कि मां लक्ष्मी का आसन कमल है, हमारे राष्ट्रीय पुष्प कमल है, भगवान शिव पद्मासन में होते हैं और लोकमान्य गंगाधर तिलक ने पद्मासन में ही समाधि ली थी।

उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि केवल रील के नेता मत बनिए, रियल नेता बनने के लिए सच बोलना पड़ता है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि कुछ लोग एक्सीडेंटल हिंदू हैं, और उनका महाभारत का ज्ञान भी एक्सीडेंटल ही है। उन्होंने कहा कि महाभारत में 7 महारथियों ने मिल कर अभिमन्यु का वध किया था, लेकिन राहुल गांधी ने कभी महाभारत शायद पढ़ी या देखी भी नहीं होगी, उन्हें अंकल सैम या अंकल सोरोस ने लिख कर दिया होगा, कहीं से पर्ची बन कर आई होगी और कूल ड्यूड बनने का प्रयास किया गया।

उन्होंने कहा कि गुजरात से लेकर दिल्ली तक जिस अभिमन्यु को घेरने की कोशिश कर रहे हैं पिछले 22 वर्षों से, आपकी सरकारें निपट गईं लेकिन आप उन्हें नहीं निपटा पाए क्योंकि वो जनता के दिलों में बसते हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि भले ही आपके पास नारायणी सेना हो, लेकिन हमारे साथ स्वयं श्रीकृष्ण हैं, धर्म हमारे साथ हैं। उन्होंने एनडीए सांसदों की संख्या गिनाते हुए कहा कि यहां 293 अभिमन्यु बैठे हैं। उन्होंने कहा हमारे साथ हैं श्री रघुनाथ तो किस बात की चिंता, शरण में रख दिया हाथ तो किस बात की चिंता।

अनुराग ठाकुर ने इस दौरान कांग्रेस के हलवावाले कमेंट पर घोटाले पर घोटाले गिनाते हुए कहा कि इन घोटालों का हलवा किसने खाया? उन्होंने कहा कि जैसे मदारी के कंधे पर बंदर होता है, वैसे ही राहुल गांधी के कंधे पर झूठ का बंडल होता है। उन्होंने कहा, जीप घोटाले का हलवा किसने खाया? इसी तरह उन्होंने कोयला, अंतरिक्ष, सबमरीन, अगस्ता-वेस्टलैंड, 2-जी स्कैम, कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला और चारा घोटाला जैसे स्कैम्स का नाम लेते हुए राहुल गांधी से पूछा कि हमवा फीका था या मीठा? अनुराग ठाकुर ने कहा, इनके लिए ओबीसी का मतलब है ऑनली फॉर ब्रदर-इन-लॉ कमीशन। जिस पार्टी ने अपने पार्टी के दलित अध्यक्ष को पार्टी से बाहर निकाल दिया, उसके शहजादे हमें ज्ञान बांट रहे हैं। इन्हें समझना होगा कि एलओपी का मतलब लीडर ऑफ अपोजिशन होता है, न कि लीडर ऑफ प्रोपेगंडा। जिसे अपनी जाति का पता नहीं, वो जाति जनगणना की बात करता है। मंडल आयोग की और काका कालेलकर की रिपोर्ट पर वर्षों तक कौन बैठा रहा, इस पर जवाब देना होगा।

डिजिटल क्रांति...

2018 से दिसंबर, 2023 के बीच करीब 27 अरब डॉलर की फंडिंग मिली है। इसमें घरेलू और विदेशी फंडिंग दोनों शामिल है।

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिसकी आबादी सबसे ज्यादा डिजिटली कनेक्टेड है। यही आबादी भारत की डिजिटल क्रांति की मजबूत स्तंभ बनकर खड़ी है। देश में 42.4 करोड़ यूपीआई यूनिक यूजर्स हैं। 95.4 करोड़ इंटरनेट सब्सक्रिप्शन है। 46.7 करोड़ सोशल मीडिया यूजर्स हैं। 116.5 करोड़ वायरलेस सब्सक्रिप्शन है। 75.0 करोड़ स्मार्ट फोन यूजर्स हैं। 138 करोड़ आधार जारी हुए हैं।

आरबीआई का कहना है कि 84 फीसदी बैंक व 35 फीसदी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने के लिए फिनटेक से साझेदारी कर रही हैं। 92 फीसदी बैंकों और 60 फीसदी एनबीएफसी का मानना है कि फिनटेक का साथ डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने में मददगार साबित हो रहा है। 2014 से अब तक 116 अरब से अधिक आधार आधारित और 20 अरब से ज्यादा ई-केवाईसी प्रमाणीकरण हुए हैं। इससे अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में मदद मिली है। जीएसटी नेटवर्क ने 1.4 करोड़ करदाताओं को जोड़ा है और 400 करोड़ से अधिक ई-वे बिल जारी किए जा चुके हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिये 2023-24 में 176 करोड़ लाभार्थियों को 6.9 लाख करोड़ रुपए सीधे हस्तांतरित किए गए हैं। इससे मार्च, 2023 तक करीब 3.4 लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने...

अदालत अंजुमने अलवी शिया इमामिया इथना अशरी अखबारी नामक संस्था द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने इबादत खाना में मजलिस, जश्न और अन्य धार्मिक प्रार्थनाओं के आयोजन के मामले में अखबारी संप्रदाय की महिलाओं को प्रवेश से प्रतिबंधित करने को चुनौती दी थी। तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड से इस मसले का समाधान करने की गुहार लगाने के बाद भी जब मुद्दे का हल नहीं निकल सका, तब संस्था ने राहत के लिए अदालत का रुख किया था। वक्फ बोर्ड ने हाईकोर्ट में तर्क दिया था कि भले ही कुरान में इबादत खाना में महिलाओं के प्रवेश पर कोई स्पष्ट प्रतिबंध नहीं है, बावजूद इसके धार्मिक भावनाओं और परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन कोर्ट ने उसे मानने से इनकार कर दिया। इससे पहले 11 दिसंबर, 2023 को कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी कर संबंधित अधिकारियों को अखबारी संप्रदाय की महिलाओं को मस्जिद में नमाज अदा करने की अनुमति देने का निर्देश दिया था।तेलंगाना हाईकोर्ट ने शिया मुस्लिमों के अखबारी फिरके की महिलाओं को इबादत खाना (मस्जिद) में नमाज अदा करने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने कहा है कि कुरान में कहीं भी महिलाओं को मस्जिद में नमाज पढ़ने से नहीं रोका गया है, ऐसे में यहां भी नहीं रोका जाना चाहिए।

महिलाओं की याचिका के खिलाफ तेलंगाना का वक्फ बोर्ड था। वक्फ बोर्ड का कहना था कि भले ही कुरान महिलाओं को मस्जिद में नमाज अदा करने से न रोकता हो लेकिन पुरानी परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए। लेकिन हाईकोर्ट ने इस दलील को मानने से इनकार कर दिया। इस संबंध में कोर्ट ने पहले भी दिसम्बर 2023 में महिलाओं को मस्जिद में नमाज पढ़ने की इजाजत दी थी और कहा था कि महिलाएं मस्जिद के भीतर नमाज के लिए जा सकती हैं। अदालत के इस आदेश के विरुद्ध वक्फ बोर्ड हाईकोर्ट पहुंच गया था। अब हाईकोर्ट ने अपना आदेश स्पष्ट कर दिया है।

जम्मू कश्मीर में ...

सरकारी प्रवक्ता की ओर से कहा गया कि इस फैसले से उन सभी जुड़े परिवारों की मांग पूरी हो गई है, जो पिछले कई दशकों से मालिकाना हक के लिए अनुरोध कर रहे थे। अब पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित लोग, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर के विस्थापित लोगों के बराबर आ जाएंगे और उनकी लंबे समय से लंबित मांग भी पूरी हो जाएगी।यह फैसला प्रशासनिक परिषद ने लिया जिसकी बैठक श्रीनगर में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई। काउंसिल ने राज्य की भूमि के संबंध में 1965 के विस्थापित व्यक्तियों को मालिकाना हक प्रदान करने को भी मंजूरी दी है। प्रवक्ता ने कहा कि राजस्व विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि परिचालन दिशानिर्देशों में उचित सुरक्षा उपाय किए जाएं ताकि राज्य की भूमि पर किसी भी अनधिकृत अतिक्रमण जैसे किसी भी मिस यूज को रोका जा सके।आधिकारिक रिकार्ड के अनुसार, 1947 के विभाजन के दौरान पश्चिमी पाकिस्तान के क्षेत्रों से कुल 5,764 परिवार जम्मू और कश्मीर आए थे। फिर उन्हें प्रति परिवार 4 एकड़ कृषि भूमि आवंटित की गई और उन्हें जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों में बसाया गया। अब उनकी संख्या बढ़कर 22,170 हो गई है। डब्लूपीआर के एक प्रमुख नेता लाभराम गांधी के अनुसार, इनमें से केवल 20 प्रतिशत परिवारों को ही कृषि भूमि मिली है। पश्चिमी पाकिस्तान से आने पर उन्हें 4 एकड़ प्रति परिवार की दर से कुल 46,666 कनाल (5,833.25 एकड़ के बराबर) भूमि आवंटित की गई थी।लाभराम गांधी ने इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि इस भूमि का केवल 50 प्रतिशत हिस्सा राज्य की भूमि है और बाकी निष्कासित है क्योंकि यह जम्मू कश्मीर के स्थानीय मुस्लिम निवासियों की है। वे मुस्लिम निवासी जो 1947 के विभाजन के बाद पाकिस्तान चले गए थे। ये डब्लूपीआर के कब्जे में है।

भारत में हमले....

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि क्षेत्र में सबसे अधिक खतरा आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवेंट खुरासान से बना हुआ है। यह अफगानिस्तान से परे आतंकवाद का प्रदर्शन कर रहा है, जबकि अल-कायदा धैर्य अपनाने की रणनीति अपनाता है और तालिबान के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता देता है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), तालिबान और अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) के बीच सहयोग बढ़ा है। अफगानिस्तान में जनशक्ति और प्रशिक्षण शिविरों को साझा कर रहे हैं और तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान (टीजेपी) की मदद से अधिक घातक हमले कर रहे हैं। इसलिए अंदाजा लगाया जा रहा है कि टीटीपी अन्य आतंकवादी समूहों के लिए एक बचाव का माध्यम बन सकता है। टीटीपी और एक्यूआईएस के संभावित विलय से पाकिस्तान, भारत, म्यांमार और बांग्लादेश के खिलाफ खतरा बढ़ सकता है। टीटीपी के पास छह हजार से साढ़े छह हजार लड़ाकें हैं, जिसमें करीब 14,000 परिवार के सदस्य हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 01 अगस्त, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

बीआरएस महिला विधायकों पर सीएम रेवंत की टिप्पणी से मचा हंगामा

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की दो महिला विधायकों के बारे में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की कुछ टिप्पणियों ने विधानसभा में हंगामा खड़ा कर दिया और मुख्य विपक्षी दल ने उनसे माफी की मांग की। बीआरएस विधायक पी. सबिता इंद्रा रेड्डी और वी. सुनीता लक्ष्मा रेड्डी और अन्य लोग सदन के बीचोंबीच आ गए और मांग करने लगे कि मुख्यमंत्री अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगें।नए राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा की अगवानी के लिए मुख्यमंत्री के सदन से हवाई अड्डे के लिए निकलने के बाद भी बीआरएस सदस्यों ने अपना विरोध जारी रखा। बाद में सदन स्थगित होने के बाद वे विधानसभा की लॉबी में मुख्यमंत्री के खिलाफ नारे लगाते हुए बाहर आए। मंत्री सीताक्का द्वारा हाल ही में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए बीआरएस विधायक को अयोग्य ठहराने के लिए राज्यपाल से संपर्क करने वाले बीआरएस नेताओं का मुद्दा उठाने के बाद मुख्यमंत्री ने कुछ टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि ज्ञापन सबिता इंद्रा रेड्डी ने दिया था, जो बीआरएस से कांग्रेस में शामिल हो गई थीं। उन्होंने पूछा कि क्या विधानसभा से इस्तीफा देने के बाद बीआरएस ने कांग्रेस विधायकों को शामिल किया था। इस पर सबिता इंद्रा रेड्डी ने जानना चाहा कि रेवंत रेड्डी उन्हें क्यों निशाना बना रहे हैं। उन्होंने याद किया कि एक बहन के रूप में उन्होंने उन्हें कांग्रेस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था।

सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि रेवंत रेड्डी को मुझसे इतनी नाराजगी क्यों है? जब वह कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए तो मैंने कहा था कि वह पार्टी की उम्मीद बनेंगे और मुख्यमंत्री बनेंगे। मैंने उन्हें दिल से आशीर्वाद दिया। सबिता रेड्डी ने कहा कि उन्होंने 2019 में बीआरएस में शामिल होने के लिए कांग्रेस छोड़ दी थी और केसीआर के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में मंत्री बनीं। सबिता इंद्रा रेड्डी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह सच है कि उन्होंने उन्हें कांग्रेस में आमंत्रित किया था। रेवंत ने कहा कि कांग्रेस ने मुझे 2019 में मल्काजगिरि से चुनाव लड़ने के लिए कहा। सबिता ने वादा किया कि अगर मैं मल्काजगिरि से चुनाव लड़ूंगा तो वह मेरा समर्थन करेंगी। जैसे ही कांग्रेस ने मुझे मल्काजगिरि से उम्मीदवार घोषित किया, वह बीआरएस में शामिल हो गईं। सत्ता की खातिर उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। वह बीआरएस में शामिल हो गईं और मंत्री बन है क्योंकि उन्होंने एक छोटे भाई के रूप में मुझे धोखा दिया, इसलिए मैंने केटीआर से उन पर भरोसा न करने को कहा। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने यह भी याद किया कि कैसे कांग्रेस ने 2004 के विधानसभा चुनावों में सबिता इंद्रा रेड्डी को टिकट देकर और उसके बाद मंत्री पद देकर प्रोत्साहित किया था। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने मीडियाकर्मियों से कहा कि रेवंत रेड्डी की टिप्पणी बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री बनने के लिए अयोग्य हैं और उनसे माफी की मांग की। सबिता इंद्रा रेड्डी ने मुख्यमंत्री की टिप्पणी को राज्य की सभी महिलाओं के लिए अपमानजनक बताया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए वह भावुक हो गईं। पूर्व मंत्री ने कहा कि रेवंत रेड्डी ने अपनी टिप्पणी से मुख्यमंत्री पद को छोटा कर दिया है।

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी बुधवार को हैदराबाद में भाजपा कार्यालय में हेल्पलाइन और हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ करते हुए।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से प्रसिद्ध प्राकृतिक कृषि विशेषज्ञ पद्मश्री सुभाष पालेकर ने बुधवार को मुलाकात की। सीएम ने पालेकर से किसानों को प्रदान की जा रही प्राकृतिक खेती के तरीकों और जागरूकता कार्यक्रमों के बारे में पूछा। इस अवसर पर पालेकर ने मुख्यमंत्री को गौ-आधारित एवं प्राकृतिक कृषि पद्धतियों पर अपनी लिखी पुस्तक सौंपी।

अत्तापुर में श्रीमद् भागवत कथा की तैयारियां जोरों पर

कलश यात्रा को लेकर महिलाओं की हुई सभा

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में आगामी श्रावण मास के अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन गुरुवार 8 अगस्त से गुरुवार 15 अगस्त तक प्रतिदिन दोपहर 3:00 बजे से साम 7:30 बजे तक अत्तापुर स्थित ब्रह्मचारी मठ राधा कृष्ण मंदिर पर्ल काउंटी के सामने आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में बुधवार दोपहर 3:00 बजे से कलश यात्रा के लिए महिलाओं के साथ सभा का आयोजन पांडुरंगा नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में किया गया। इस आशय की जानकारी समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी। विज्ञप्ति में सोमानी ने कहा है की कलश यात्रा श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस 8 अगस्त को मध्यान्ह 12:00 बजे कलश धारण कर सुशोभित होकर राम मंदिर रामबाग से प्रस्थान कर कथा स्थल ब्रह्मचारी मठ पहुंचेगी। कलश यात्रा में प्रत्येक महिला को अपना 200 रुपए शुल्क देकर नाम पंजीकृत करना होगा। कलश यात्रा में शामिल होने वाली महिला अपना पंजीकरण 5 अगस्त तक करवा सकती है। कलश यात्रा में सभी महिलाएं चुनरी की साड़ी पहन कर आने का निर्णय लिया गया। कलश यात्रा गाजे बाजे से कथा वाचक के साथ भव्य रूप से निकली जाएगी। कलश यात्रा के लिए पंजीकरण विद्या बाई शर्मा जगन्नाथ मंदिर पांडुरंगा नगर, गौरजा इनानी हुदा कॉलोनी, ज्योति शर्मा तेजस्वी नगर एवं संस्था अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी कथा संयोजक पवन नालपुरिया को करवाया जा सकता है। सभा में आज आशा शर्मा, राजकुमारी सारडा, लक्ष्मी सोनी, मधु पाराशर, सरला डागा, लीला शर्मा, लक्ष्मीबाई, लीला डागा, सरला डागा, तारा लाहोटी, अनीता बल्दवा, कोमल बेरवाल, रचना शुक्ला, अरुण त्रिवेदी, संगीता शर्मा, ललिता डोडिया, ललित विजयवर्गीय, गौरजा ईनाणी, ज्योति शर्मा, सुमन, कलावती, बी विद्या बाई के धन्यवाद से सभा का संपन्न हुई। इसके अलावा श्रीमद् भागवत कथा में कार्तिकेय ग्रुप ऑफ़ इंडस्ट्री की सीएमडी भगवती बलदवा को एवं नरसिंगी गौशाला के मंत्री सुरेश कुमार अग्रवाल को शॉल और माला द्वारा सम्मानित कर श्रीमद् भागवत कथा में आने का निमंत्रण दिया गया।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की बैठक में लिए गए कई निर्णय

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा कि बैठक मलकपेट स्थित भाग्यलक्ष्मी ढाबा में सम्पन्न हुई। इस बाबत शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्रावण कि सैर रविवार 11 अगस्त को थिममापूर कोतूर के पास स्थित पेपिरास पोटं रिसोट में आयोजित की जाएगी। बैठक में इस विषय पर अंतिम रूपरेखा तैयार की गई। 15 अगस्त को अग्रसेन हॉल मलकपेट में झंडा वंदन का आयोजन किया जाएगा तत्पश्चात सुबह दस बजे से मलकपेट हनुमान मंदिर के पास से युवा मोर्चा द्वारा बाइक रैली निकाली जाएगी जो की अग्रसेन चौक पर समाप्त होगी। इसके अतिरिक्त अनाथाश्रम में लड़कियों की कुर्ती भेंट करने का भी कार्यक्रम किया जाएगा। सात सितंबर को गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में शाखा द्वारा गणेश पूजा दोपहर 3 बजे अग्रसेन हॉल में की जाएगी और अग्रसेन युवा मंडल तथा अग्रवाल समाज युवा मोर्चा द्वारा शाम को गणेश जी की भव्य प्रतिमा पर पूजा-अर्चना की जाएगी। अवसर पर शाखा अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, मानद मंत्री प्रदीप बंसल, उपाध्यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, संयुक्त मंत्री शैलेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य लाजपतराय गुप्ता, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, गोविंद मोदी, सुरेश चंद गुप्ता, चंद्रमोहन अग्रवाल, हरिश्चंद्र बजाज, ओम प्रकाश पचेरिया, श्यामसुन्दर अग्रवाल, सतीश बंसल, संजीव गोयल, श्याम गोयल, नितिन अग्रवाल तथा युवा मोर्चा के संयोजक निश्चित उपस्थित रहे।

प्रौद्योगिकी के विकास में वैज्ञानिक कौशल अत्यंत आवश्यक है : सी. मुरलीधर

ईसीआईएल में तकनीकी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) हैदराबाद में आंध्रप्रदेश राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के वरिष्ठ प्राध्यापकों के लिए तीन सप्ताह का तकनीकी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कॉरपोरेशन के महाप्रबंधक, एयरोस्पेस तथा अनुसंधान एवं विकास सी. मुरलीधर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के विकास के लिए मौलिक विज्ञान का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। विज्ञान के अध्ययन से ही प्रौद्योगिकी का अत्याधुनिक विकास किया जा सकता है। उन्होंने अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में सभी वरिष्ठ प्राध्यापकों को कहा कि वे अपने छात्रों में विज्ञान को पढ़ने, समझने और उसका प्रौद्योगिकी में निरंतर उपयोग करने का अनुप्रयोग करें। कार्यक्रम के प्रारंभ में ईसीआईएल के प्रबंधक एवं प्रभारी, कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास, डॉ. राजनारायण अवस्थी ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा निदेशालय, आंध्रप्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ईसीआईएल के तकनीकी प्रभागों ऐन्टेना उत्पाद एवं साटकॉम प्रभाग, सामरिक इलेक्ट्रॉनिक प्रभाग, सर्वो प्रणाली प्रभाग, निगमित व्यापार विकास वर्ग, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं प्रभाग, उपकरण प्रणाली प्रभाग, अभियांत्रिकी सेवा प्रभाग, दूरसंचार प्रभाग, इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण एवं सेवा प्रभाग, कंप्यूटर शिक्षा प्रभाग, निगमित अनुसंधान एवं विकास, प्रणाली गुणता आश्वासन वर्ग, विकिरण संसूचन एवं उपकरण प्रभाग, सुरक्षा प्रणाली उत्पाद प्रभाग, नियंत्रण एवं उपकरणीकरण प्रभाग, संचार प्रणाली वर्ग, सॉफ्टवेयर प्रणाली समाधान प्रभाग, स्मार्ट अभिशासन समाधान प्रभाग, नियंत्रण एवं स्वरचालन प्रभाग, रिएक्टर परियोजना प्रभाग तथा विशेष उत्पाद प्रभाग की कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया। इस तकनीकी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी वरिष्ठ प्राध्यापकों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवं ईसीआईएल के कॉरपोरेट स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्या जंगम, अधिकारी (मानव संसाधन), आर. स्वामी, अनुभाग सहायक, डॉ. सीएच. अंबेडकर, वी कनका श्री महालक्ष्मी, कनि. हिन्दी अनुवादक तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक एवं बी. विद्यासागर, अवर श्रेणी लिपिक ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जुलाई में तेयुप के 43 रक्तदान शिविर आयोजित

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा जारी मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद्, हैदराबाद ने जुलाई महीने में लगातार 31 दिनों में 43 रक्तदान शिविर आयोजित कर 1500 यूनिट से ज्यादा रक्त संग्रह कर ब्लड बैंको को दिए गए। माह के अंतिम सप्ताह भी विभिन्न शिविरो का आयोजन किया गया जिसमे हिंदी महाविद्यालय विद्यानगर, सेंट पीटर इंजीनियरिंग कॉलेज दुलापल्ली, फिट लाइफज बोवनपल्ली, स्मार्ट किड्स इंटरनेशनल स्कूल, कांता रबर इंडस्ट्रीज जीडीमेटला, कंट्री क्लब बेगमपेट, तेलंगाना चैंबर ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट कोठी, तेरापंथ भवन डीवी कॉलोनी, ऑर्बिट रियलिटी हाईटेक सिटी, ग्रेनाइट इंडिया नागोल एवं आर जी केडिया कॉलेज इसामिया बाजार में आयोजित किया गया। इन शिविरों में विभिन्न ब्लड बैंक ने अपना सहयोग दिया एवं लगभग 400 रक्त यूनिट्स ब्लड बैंक में जमा किया गया।

पिछले सप्ताह हुए विभिन्न आयोजित शिविरो में मनीष पटावरी, विनय नाहटा, आशीष दक, सौरभ भंडारी, जिनेन्द्र बैद, विशाल आंचलिया, रौनक दुगड़, शुभम बंबोली, दर्शन गेलडा एवम योगेश गेलडा ने कैंप आयोजन में अपनी विशेष भूमिका निभाई। तेलंगाना संयोजक आशीष दक एवं राहुल श्याम सूखा, आयाम संयोजक मनोज जैन,कार्यक्रम संयोजक श्रेणिक गोलछा का पूरे माह चलने वाले इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष श्रम एवं सहभागिता रही।

विभिन्न शिविरो मे जैन सेवा संघ अध्यक्ष योगेश सिंघी, टीपीफ साउथ जोन अध्यक्ष मोहित बैद, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष कविता आच्छा एवं पदाधिकारीगण, श्रावक नवरतन महनोत, शील कुमार जैन विशेष रूप से पधारे।

इन कार्यक्रमों में निवर्तमान अध्यक्ष निर्मल दुगड़, प्रवीण श्यामसुखा, एम आई से विनय जांगड़, विनीत गिरिया, पराग संचेती, प्रकाश दफ्तरी, अरिहंत गुजरानी, अशोक सेठिया, रोबिन बैद, प्रशांत मालू, विनय पारेख, दीपक बोथरा, हर्ष गादिया, आदेश पिरोदिया, हितेश सेठिया, मनोज बांठिया, ऋषभ मेहता, प्रदीप कोठारी, प्रदीप दुधोडिया, विनय संचेती, मयंक कोटेचा, अरिहंत भंडारी एवम महिला मंडल से शकुंतला बुच्चा, श्वेता सेठिया, सुनीता बोहरा ने शिविर को सुचारू रूप से संपादित करने हेतु व्यवस्थाओं मे विशेष सहयोग प्रदान किया । अमित नाहटा, राहुल गोलछा ने संपूर्ण माह सुचारू रूप से प्रिंट का कार्यभार संभाला। अरिहंत गुजरानी, कुशल भंसाली ने डिजाइनिंग एवम प्रिंटिंग में अपनी विशेज सेवाएं प्रदान की। प्रकाश दुगड़ ने संपूर्ण कार्यक्रम का डाटा मैनेजमेंट संभाला। श्री राजेंद्र बोथरा, श्रीमती मीनाक्षी सुराना व अरिहंत गुजरानी ने मीडिया प्रभार सम्भाला ।

शुभ लाभ DAILY

ऋण का जिक्र करने वालों को संपत्ति की बात भी स्वीकार करनी चाहिए : केटीआर

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सिरिसिला के विधायक केटीआर ने बुधवार को कांग्रेस सरकार की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस सरकार तत्कालीन बीआरएस सरकार द्वारा लिए गए ऋणों को तो उजागर कर रही है, जबकि वह अपने कार्यकाल के दौरान बनाई गई संपत्तियों का जिक्र करने से कतरा रही है।

केटीआर ने विधानसभा में विनियोग विधेयक 2024-25 पर बहस के दौरान याद दिलाया कि दस साल पहले किरण कुमार रेड्डी ने भविष्यवाणी की थी कि तेलंगाना अंधकार में डूब जाएगा। उन्होंने उल्लेख किया कि भट्टी विक्रमार्क ने पहले दस वर्षों में राज्य की संपत्ति में वृद्धि को स्वीकारा था, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्होंने अपना रुख को दरकिनार कर दिया। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष ने तेलंगाना के भविष्य के बारे में कांग्रेस द्वारा उठाई गई पिछली चिंताओं को उजागर किया, जिसमें सांप्रदायिक झड़पों, नक्सलियों के कब्जे और राज्य की प्रशासनिक क्षमता के बारे में संदेह शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उन आशंकाओं के विपरीत तेलंगाना अब भारत के शीर्ष चार राज्यों में से एक है। केटीआर ने सरकार की रिपोर्ट में विरोधाभासी तत्वों पर सवाल उठाया और पूछा कि बीआरएस शासन की आलोचना करते समय कांग्रेस शासन की कमियों पर चर्चा क्यों नहीं की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीआरएस एक रचनात्मक विपक्ष के रूप में काम करेगा और कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना जैसे अच्छे निर्णयों का समर्थन करेगा।

केटीआर ने राज्य के दिवालिया हो जाने के दावों का खंडन करते हुए कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी से प्रभावित हुई है और बीआरएस सरकार महामारी से पहले कर्मचारियों का वेतन का उचित भुगतान करने में कामयाब रही। उन्होंने रयथुबंधु, पेंशन और कल्याण लक्ष्मी जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों को जारी रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस शासन में अनुबंध चिकित्सा अधिकारियों को दस महीने तक वेतन नहीं मिला है। केटीआर ने कहा कि बीआरएस शासन का शुद्ध ऋण केवल 3,85,340 करोड़ रुपये है। यह ऋण पेयजल तथा सिंचाई परियोजनाओं जैसे उत्पादक क्षेत्रों के लिए ऋण लिया गया था।

सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं बेहतर की जाएंगी : जिला कलेक्टर

कागजनगर, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप-केंद्रों में लोगों के कल्याण के लिए बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। बुधवार को जिले के कागजनगर कस्बे के एला गौड़ गार्डन स्थित 30 बिस्तरों वाले सरकारी अस्पताल का अपर कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने औचक निरीक्षण किया और वार्डों, प्रयोगशाला, परिवेश, रक्त भंडार, रजिस्टरों का निरीक्षण किया। अस्पताल के दवा रिकॉर्ड और अस्पताल के मरीजों से उन्हें मिल रही चिकित्सा सेवाओं के बारे में पूछताछ की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी अस्पतालों के माध्यम से लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के उपाय किये जायेंगे तथा चिकित्सकों एवं स्टाफ की कमी को पूरा करने के लिए विशेष पहल की जायेगी।

उन्होंने कहा कि सामान्य तबादलों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और शेष रिक्तियों को भरने के लिए सरकारी मानदंडों के अनुसार वैकल्पिक उपाय किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि सिरपुर (टी), बेजूर में सामाजिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में संपूर्ण सुविधाओं के साथ बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि डॉक्टर और स्टाफ समय के पाबंद रहें और अपने कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदारी से काम करें। अस्पताल परिसर में बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़क की मरम्मत के लिए नगर निगम के डीई को तत्काल कदम उठाने चाहिए। इसके बाद उन्होंने कागज नगर मंडल के बसंत नगर में कड़क नाथ अमित मंडल कुक्कुट प्रजनन एवं आपूर्ति केंद्र का दौरा किया और जिले में नारी शक्ति के तहत होने वाले मुर्गी पालन का निरीक्षण किया। महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए सरकार महिला शक्ति योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, इसके तहत मुर्गी प्रजनन इकाई को लक्ष्य के अनुसार आपूर्ति करनी होगी, एक महीने की मुर्गियों की आपूर्ति करनी होगी और मुर्गी उत्पादन केंद्र स्थापित करने होंगे। उन्होंने कहा कि महिला शक्ति योजना के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच की जाए और जो पात्र हैं उन्हें यूनिट देने का प्रयास किया जाए। जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी तुकाराम भट्ट, राजस्व मंडल अधिकारी सुरेश, चिकित्सा अधीक्षक चेन्नाकेशव, तहसीलदार किरण कुमार, जिला उप चिकित्सा अधिकारी सीताराम, एपीडी रामकृष्ण, संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

द्वितीय एशियन शतरंज बॉक्सिंग चैंपियनशिप

कामारेड्डी और बांसवाड़ा के के खिलाड़ियों ने जीते 09 पदक

इनमें पांच स्वर्ण और दो रजत पदक शामिल

बांसवाड़ा, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के खुदीराम अनुशीलन केंद्र में 26 जुलाई से 29 जुलाई तक आयोजित द्वितीय एशियाई शतरंज बॉक्सिंग चैंपियनशिप और इंडियन ओपन इंटरनेशनल शतरंज बॉक्सिंग कामारेड्डी जिले चैंपियन तक्कड़ पल्ली प्रतिभा ने तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करते हुए सीनियर महिला वर्ग में 5 स्वर्ण पदक जीते। बांसवाड़ा के रुशांक रेड्डी ने सब-जूनियर वर्ग में 2 स्वर्ण पदक जीते और पिटलम के तक्कड़ पल्ली विजय राघवेंद्र राव ने सीनियर पुरुष वर्ग में 2 रजत पदक जीते। उपरोक्त दो विजेताओं को प्रतिभा तक्कड़ पल्ली, विश्व शतरंज बॉक्सिंग चैंपियन और तेलंगाना राज्य की एकमात्र सबसे कम उम्र की प्रमाणित कोच द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

महिला शक्ति योजना के माध्यम से किया जाएगा महिलाओं का आर्थिक : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सरकार महिलाओं को आर्थिक विकास के लिए महिला शक्ति योजना के माध्यम से प्रोत्साहित कर रही है। जिले के अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, जिला पंचायत अधिकारी बिक्षापति, कागजनगर आरडीओ ने बुधवार को कागजनगर मंडल के नजरूल नगर गांव में महिला शक्ति योजना द्वारा संचालित मुर्गी पालन केंद्र का उद्घाटन किया। सुरेश के साथ मुलाकात की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए महिला शक्ति योजना के माध्यम से सरकार आर्थिक सहायता प्रदान करेगी तथा महिलाओं को प्रोत्साहित करेगी। मुर्गी पालन, मछली पालन, डेयरी फार्म, वर्दी वस्त्र निर्माण सहित विकासात्मक कार्य किये जायेंगे। अम्मा आदर्श विद्यालय में उन्होंने कहा कि महिलाएं इन कार्यों से अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकती हैं, इसके लिए उत्साही लोगों को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले में महिला शक्ति योजना के प्रथम चरण में 200 परिवारों को मुर्गियां उपलब्ध कराने के उपाय किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि महिला शक्ति योजना के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच की जाए और जो पात्र हैं उन्हें यूनिट देने का प्रयास किया जाए। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला ग्राम्य विकास अधिकारी रामकृष्ण, डीपीएम सरैया, सहायक परियोजना प्रबंधक श्रीनिवास, भुमक्का संबंधित अधिकारियों और अन्य ने भाग लिया।

विधानसभा कूच कर रहे मध्याह्न भोजन कर्मियों को पुलिस ने रोका, हाथापाई और गिरफ्तारियां

मध्याह्न भोजन योजना के निजीकरण का प्रस्ताव वापस लिया जाए, समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीपीआई के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चाडा वेंकट रेड्डी ने मांग की कि केंद्रीकृत रसोई नीति के नाम पर स्कूल मध्याह्न भोजन योजना का निजीकरण करने का प्रस्ताव वापस लिया जाना चाहिए और उनके सामने आने वाली समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। एटक से संबद्ध तेलंगाना मध्याह्न भोजन योजना श्रमिक संघ राज्य समिति के आह्वान पर राज्य भर से सैकड़ों रसोइए हैदराबाद में एकत्र हुए और स्कूलों में मध्याह्न भोजन पकाने वाले श्रमिकों की समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग की। रसोइयों ने बुधवार को हैदराबाद के हिमायत नगर स्थित सत्यनारायण रेड्डी भवन से चलो असेंबली कार्यक्रम का आयोजन किया।

चडा वेंकट रेड्डी अखिल भारतीय मध्याह्न भोजन योजना कार्यकर्ताओं के साथ संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बीवी विजयालक्ष्मी, एआईटीयूसी के राज्य महासचिव बाला राजू, तेलंगाना मध्याह्न भोजन योजना श्रमिक संघ की मानद अध्यक्ष डी कमल रेड्डी, राज्य अध्यक्ष पी प्रेमपवानी, महासचिव जम्पला रविंदर, कार्यकारी अध्यक्ष पुसाला रमेश और अन्य ने भाग लिया और बात की।

इस मौके पर चाडा वेंकट रेड्डी ने कहा कि सरकारी स्कूलों में छात्रों के लिए खाना बनाने वाले कर्मचारियों के बिलों का भुगतान करने में सरकारें लापरवाही बरत रही हैं।

खाना लाने वाले और खाना बनाने वाले मजदूरों ने दुख जताते हुए कहा कि कर्ज के कारण वे बदहाल जिंदगी जी रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से 10 हजार वेतन देने की अपील की। बीवी विजयालक्ष्मी ने कहा कि मध्याह्न भोजन योजना कर्मियों के चलो असेंबली सभा कार्यक्रम की अनुमति रद्द करने के साथ ही पूरे राज्य में कर्मियों को गिरफ्तार करना बेहद अनुचित है। जो रसोइया पिछले 22 वर्षों से विद्यालय में खाना बना रहे हैं और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करा रहे हैं, उन्हें नौकरी से निकालने का प्रयास करना बुरा है, भले ही बिल समय पर नहीं मिलता है, लेकिन उन्हें आधा वेतन दिया जाता है।

केंद्रीकृत रसोई नीति पर हरे राम हरे कृष्णा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार निजीकरण के विचार को तुरंत त्याग दे। एस. बलराज ने कहा कि सरकार को मध्याह्न भोजन योजना के कार्यकर्ताओं को चिकन अंडे सहित खाना पकाने की सभी सामग्री की आपूर्ति करनी चाहिए या कक्षा के बावजूद प्रति छात्र मेनू शुल्क 25 रुपये का भुगतान करना चाहिए। साथ ही उन्होंने मांग की कि ईएसआई, पीएफ, यूनिफॉर्म सुविधा जोड़ी जाए और दुर्घटना होने पर मुआवजा और बीमा की सुविधा दी जाए। उपाध्यक्ष कोरिमी सुगुना, टी चक्रपाणि, कुंतला रामुलु, सहायक सचिव धरुमुला राममूर्ति, मीसा लक्ष्मण, कोषाध्यक्ष रंगारेड्डी, सैलू, भोइनी प्रसाद, रामकृष्ण, मुमताज, पोलप्पोलु वेंकटेश, भुक्या रमेश और अन्य ने भाग लिया।

धरने के बाद, मध्याह्न भोजन योजना के कार्यकर्ता चलो विधानसभा रैली के लिए रवाना हुए, तब हिमायत नगर वाई जंक्शन पर तैनात भारी पुलिस बल की प्रदर्शनकारियों के साथ साथ बहस हुई, जिसके कारण हाथापाई हुई। पुलिस ने उन्हें जबरदस्ती गिरफ्तार कर लिया और अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में ले गई।

आंगनबाडी केन्द्रों में मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन दिया जाए : जिलाधिकारी

आसिफाबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए जिले में आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से मेनू के अनुसार समय पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाये जाएं।

बुधवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला समाहरणालय भवन के सभाकक्ष में जिले के अपर समाहर्ता (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी एवं जिला कल्याण विभाग पदाधिकारी भास्कर के साथ यूनिसेफ के प्रतिनिधियों, पोषण अभियान समन्वयकों के साथ पौष्टिक आहार एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने को लेकर बैठक हुई।

गर्भवती महिलाओं, शिशुओं, किशोरियों एवं बच्चों को आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से दवा उपलब्ध कराने हेतु खाद्य विभाग के समन्वयकों के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों की देखभाल के लिए सभी कदम उठाये जाएं तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए।

मेनू के अनुसार, पोषण मूल्य वाला भोजन प्रदान किया जाएगा, सैम-मॉम प्रक्रिया के दौरान बच्चों की स्वास्थ्य स्थितियों की निगरानी करते हुए, शारीरिक और मानसिक विकास की कमी वाले बच्चों की पहचान की जाएगी और उन्हें वापस सामान्य स्थिति में लाने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

समय पर भोजन और आवश्यक दवाएँ उपलब्ध कराकर स्थिति की जाँच करें। उन्होंने कहा कि जनजाति के बच्चों पर विशेष ध्यान देते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से सभी सुविधाएं बनाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और आंगनवाड़ी शिक्षकों, आशा कार्यकर्ताओं, अयाला और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में यूनिसेफ के प्रतिनिधि ख्याति तिवारी, रेशा देसाई, नरसिम्हा राव, पोषण अभियान समन्वयक और अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

तेलंगाना में आज भारी बारिश के आसार

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के आदिलाबाद, कुमरम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, मेडक, कामारेड्डी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एक, तीन और पांच अगस्त को राज्य में अलग-अलग स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ आंधी आने के आसार हैं। तेलंगाना में कुछ स्थानों पर अगले तीन दिनों के दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति वाली सतत सतही हवाएं चलने के आसार हैं। राज्य में कई स्थानों पर अगले सात दिनों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया गया है। दक्षिण पश्चिम मानसून तेलंगाना में सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कामारेड्डी, कुमारम भीम और मुलुगु जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई। तेलंगाना के कई जगहों पर इसी अवधि के दौरान बारिश हुई।

नारनौल अग्रवाल समिति की कार्यकारिणी सभा आयोजित

तरुण कुमार अग्रवाल बने नए महामंत्री

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नारनौल अग्रवाल समिति हैदराबाद सिकंदराबाद की कार्यकारिणी सभा का आयोजन आज समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में मिट्टी का शेर स्थित नारनौल सदन में किया गया । बैठक का शुभारंभ मां चामुंडा देवी तथा महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना से हुआ। गत 15 जुलाई को महामंत्री रविंद्र अग्रवाल द्वारा दिए गए त्यागपत्र को मंजूर करते हुए सभा में तरुण कुमार अग्रवाल को नए महामंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। सभा में गौरव यात्रा की विस्तृत जानकारी देते हुए यात्रा के खर्च को सर्वसम्मति से पारित किया गया। सभा में पंकज कुमार अग्रवाल ने गौरव यात्रा में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले भक्तों का साधुवाद व्यक्त करते हुए इसी तरह वे आगे भी समाज कार्य में सक्रिय रहने की प्रभु श्री रामलला से प्रार्थना की। सभा में वर्ष 2024 2025 का वार्षिक सदस्यता शुल्क बढ़ाकर 500 रुपए करने तथा 2023-2025 के कार्यकाल की साधारण सभा एक साथ आगामी वर्ष 2025 में करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। सभा के अंत में भक्ति भाव के साथ गौरव यात्रा (सावन की सैर) कुशल नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न कराने पर उपस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल को सम्मानित करते हुए साधुवाद प्रकट किया। तथा संभवता दिसंबर माह के अंत में नारनौल अग्रवाल समिति द्वारा सदस्यों के लिए अबू धाबी-दुबई में नवनिर्मित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के दर्शन के लिए देशांतर भ्रमण के आयोजन करने का विचार भी किया गया । कार्यकारिणी सभा में पंकज कुमार अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, तरुण कुमार अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, कमल अग्रवाल, मनोज मित्तल, अनिल दादू तथा डॉ. सरिता अग्रवाल उपस्थित थे।

न्यू पेंशन स्कीम पर सीएम योगी ने विधानपरिषद् में दिया बयान

यूपी सरकार ने खोले आठ लाख कर्मचारियों के पेंशन खाते : योगी

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधान परिषद् में न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) को लेकर वक्तव्य दिया। एनपीएस पर पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनाने के बाद राज्य के करीब 8 लाख कर्मचारियों के पेंशन खाता खोलने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि 2005 में जब न्यू पेंशन स्कीम लागू हुई तब प्रदेश में मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में सपा सरकार थी। वहीं 2007 से 2012 तक बसपा और फिर 2012 से 2017 तक सपा सत्ता में थी, मगर ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक भी कर्मचारी के पेंशन खाते नहीं खोले गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2018 में जब ये बात हमारे सज्ञान में आई, तब हमने तत्कालीन फाइनेंस सेक्रेटरी की अध्यक्षता में कमेटी गठित की। इसमें संबंधित विशेषज्ञों को भी रखा गया। कर्मचारी संगठनों से भी चर्चा की गई।

ये लगभग आठ लाख कर्मचारियों से संबंधित मुद्दा था। तब ये बात सामने आई थी कि कर्मचारी की लास्ट पेमेंट जो ड्रॉ होगी उसका 50 प्रतिशत देने के लिए आवश्यक होगा कि सरकार अपना शेयर थोड़ा और बढ़ाए। आंकलन में पता लगा कि अगर सरकार और कर्मचारी समय से पैसा जमा करें और कर्मचारी किसी स्कीम से अपना पैसा जोड़ता है तो रिटायरमेंट के बाद करीब 60 प्रतिशत तक पैसा पेंशन के रूप में उसे प्राप्त हो सकता है। इसके बाद हमने पेंशन स्कीम में सरकार के शेयर को 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया है। हमने सभी कर्मचारियों के अकाउंट खोले, 2005 से 2017 तक का पैसा जो कर्मचारियों के खाते में नहीं गया था, क्योंकि खाता ही नहीं था, उस पैसे को भी डालने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 2005 में न्यू पेंशन स्कीम लागू होने के वक्त जिन कर्मचारियों की नियुक्ति अंतिम चरण में थी, ऐसे 70 हजार लोगों को ओल्ड पेंशन स्कीम में ही रखा, इनमें एक बड़ी संख्या शिक्षकों की है।

सीएम योगी ने कहा कि न्यू पेंशन स्कीम को प्राइवेट बैंकों में जमा करने की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है और इसमें कार्रवाई भी की गई है, साथ ही धनराशि को वापस लाने का कार्य किया गया है। सरकार की प्राथमिकता होती है कि किसी भी सरकारी स्कीम का पैसा राष्ट्रीयकृत बैंक में ही जुड़े।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने लाल बिहारी यादव को विधान परिषद् में नेता विरोधी दल बनने पर बधाई दी और चुटकी लेते हुए कहा कि आशा करता हूं कि आप हमेशा नेता विरोधी दल बने रहें। उन्होंने कहा कि ये उच्च सदन है, यहां आने वाले माननीय सदस्यगण सभी समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। कुछ स्थानीय निकाय, कुछ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र, कुछ स्नातक मतदाताओं व माननीय राज्यपाल जी के मनोनयन से यहां आते हैं। सरकार आपकी भावनाओं का पूरा सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही पीठ से जो भी आवश्यक दिशा-निर्देश मिलते हैं, उनका भी सम्मान किया जाता है।

एपी महेश बैंक के टॉप ऑफिसर्स के 6 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, भारी मात्रा में कैश जब्त

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कथित फंड हेराफेरी मामले में एपी महेश सहकारी बैंक के प्रमोटरों को निशाना बनाते हुए हैदराबाद में छह स्थानों पर तलाशी ली।

ईडी की जांच तीन प्रमुख हस्तियों पर केंद्रित रही जिसमें रमेश कुमार बंग, अध्यक्ष, उमेश चंद असावा, प्रबंध निदेशक और पुरूषोत्तमदास मंधाना, उपाध्यक्ष। ईडी ने छापेमारी के दौरान बड़ी

मात्रा में बेहिसाब नकदी जब्त की। इसके अतिरिक्त सोलिपुरम वेंकट रेड्डी और मनी रूटिंग ऑपरेशन से जुड़े दो अन्य व्यक्तियों की भी तलाशी ली गई जिनके नाम जांच के दौरान सामने आए थे। यह कार्रवाई हैदराबाद सिटी पुलिस द्वारा दायर प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के आधार पर ईडी द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग मामले के पंजीकरण के बाद की गई है।

बंजारा हिल्स पुलिस ने पहले एपी महेश सहकारी शहरी बैंक के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में दो मामले दर्ज किए थे।

एपी महेश कोऑपरेटिव बैंक शेयरहोल्डर्स एसोसिएशन के सचिव श्याम सुंदर बियानी की शिकायत के बाद रमेश कुमार बंग, उमेश चंद असावा और पुरूषोत्तमदास मंधाना के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गईं।

बियानी की शिकायत में आरोप लगाया गया कि बोर्ड के सदस्यों ने हाल के आम निकाय चुनावों के दौरान धोखाधड़ी की और जमाकर्ताओं और शेयरधारकों से पर्याप्त धनराशि का दुरुपयोग किया।

तीनों के खिलाफ गंभीर आरोप हैं, जिनमें फर्जी दस्तावेज बनाना, 300 करोड़ रुपए से अधिक का अवैध ऋण वितरण और बैंक से 18.30 करोड़ रुपए निकालना शामिल है।

कई शिकायतों और राज्य सरकार के निर्देशों के बावजूद पुलिस ने शुरू में इन अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से परहेज किया था। सुप्रीम कोर्ट ने पहले इस मामले में जांच पर लगी रोक हटा दी थी।

नव नियुक्त राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने ली शपथ

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के नव नियुक्त राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने बुधवार को यहां राज्यपाल पद की शपथ ली। श्री बागड़े को राजभवन में सायं चार बजे आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव ने शपथ दिलाई। उन्होंने हिन्दी में शपथ ली।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा जारी राज्यपाल की नियुक्ति का वारंट पढ़कर सुनाया। शपथ लेने के बाद श्री बागड़े को राजभवन में गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेमचंद बैरवा, केन्द्रीय मंत्री, राज्य मंत्रिमण्डल के सदस्य, विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली तथा अन्य जन प्रतिनिधि, न्यायाधीश, प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। श्री बागड़े ने हाल में कार्यकाल पूरा करने वाले कलराज मिश्र का स्थान लिया है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के श्री बागड़े महाराष्ट्र में छह बार विधायक रहे और वह मंत्री भी रहे। वह महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष भी रहे।

भरतपुर में वंदेभारत के ठहराव से लोगों में खुशी

भरतपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में रेलवे बोर्ड द्वारा उदयपुर से आगरा फोर्ट तक वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन एवं इसके भरतपुर संभाग में तीन स्टेशनों पर ठहराव की अनुमति के बाद लोगों ने मिठाईयां बांटकर खुशी का इजहार किया है।

रेलवे के अधिकृत सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सप्ताह में तीन दिन सोमवार, गुरुवार और शनिवार को उदयपुर एवं आगरा फोर्ट के बीच शुरू होने जा रही वंदे भारत का भरतपुर सम्भाग के सवाईमाधोपुर एवं गंगापुर सिटी के साथ भरतपुर जिले के बयाना जंक्शन पर ठहराव रहेगा।

सूत्रों ने बताया कि वंदे भारत उदयपुर से सुबह पांच बजकर 45 मिनट पर रवाना होकर राणाप्रताप नगर स्टेशन, मावली जंक्शन, बेरच, चंदेरिया, कोटा एवं 11 बजकर तीन मिनट पर सवाई माधोपुर पहुंचेगी। आगे यह गंगापुर सिटी एवं बयाना रुकते हुए अपराह्न दो बजकर 30 मिनट पर आगरा फोर्ट पहुंचेगी।

लापता युगल के शव नदी में मिलने से फैली सनसनी

चित्तौड़गढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र से लापता युगल के शव बुधवार को नदी में तैरते मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों अपने-अपने घरों से कल सुबह से ही लापता थे। पुलिस ने बताया कि आज सुबह शहर के अंतिम छोर भोईखेड़ा स्थित गंभीरी एवं बेड़च नदियों के संगम स्थल पर नदी में दो शव तैरते मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव कब्जे में लिये, जो बीस वर्षीय युवक-युवती के थे और दोनों के हाथ आपस में एक कपड़े से बंधे मिले, दोनों के हाथों की नसें भी कटी मिली। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि युगल ने आत्महत्या के इरादे से पहले नसें काटी और फिर नदी में डूब गये।।शव शिनाख्तगी के प्रयास के दौरान मृत युवक के ताऊ महेश मेहता निवासी प्रतापनगर भी मौके पहुंचे और युवक की शिनाख्त अपने छोटे भाई के पुत्र उदित मेहता एवं युवती की पहचान प्रतापगढ़ जिले के छोटीसादड़ी हाल सेंती निवासी रंजना भाट के रूप में की। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग होना बताया जा रहा है, जिसके चलते दोनों कल सुबह से ही लापता थे। युवती की मां ने कल शाम ही स्वर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी जबकि युवक की उसके परिजन अपने स्तर पर ही तलाश कर रहे थे।

चूरू में स्कूली बच्चों से भरी कैंपर पलटी एक छात्र सहित दो लोगों की मौत

चूरू, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के साहवा कस्बे नाथों की ढाणी के पास हुए बुधवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक छात्र सहित दो लोगों की मौत हो गई। वहीं इस हादसे में मेघसर के सरकारी स्कूल के 30 बच्चे घायल हो गए।

जिसमें 5 स्कूली छात्रों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिनका प्राथमिक उपचार कर हाई सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार यह हादसा तब हुआ, जब बच्चे शिक्षक भागुराम मेघवाल की रिटायरमेंट पार्टी में जा रहे थे। घटना में घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 5 बच्चों को हायर सेंटर रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार इस हादसे में 50 वर्षीय कृष्ण मीणा व 12 साल के बच्चे की मौत हो गई है। हादसा नाथों की ढाणी के पास हुआ। यहां अचानक से कैंपर पलट गया और सभी बच्चे घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद तुरंत राहत कार्य शुरू किया गया, सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए पास के अस्पताल में ले जाया गया।

हादसे में चार बच्चों को ज्यादा चोटें आई हैं, इस कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कैंपर का ड्राइवर गाड़ी पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे यह हादसा हुआ। पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है। वहीं सूचना के बाद तारानगर के स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंच कर युद्ध स्तर पर राहत कार्य शुरू करवाया गया।

अवैध हथियारों की तस्करी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। शहर की उद्योग नगर थाना पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी के मामले में एक 5 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला का भेष रखकर कहीं भागने की फिराक में था। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी मथुरा बाईपास के पास तुहिया तिराहे पर खड़ा हुआ है। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

थाना अधिकारी हनुमान सहाय ने बताया कि 3 फरवरी को टोटपुर से तुहिया के बीच पुलिया के पास से शुभम सिंह 24 निवासी मुढौता थाना सेवर को चार देसी कट्टा और 1 कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बारे में जब आरोपी से पूछताछ की तो, आरोपी ने बताया कि वह अवैध हथियार करतार सिंह निवासी रावजी का नगला थाना सेवर से खरीदकर लाया है। जिसके बाद करतार फरार था। पुलिस ने आरोपी के ऊपर 5 हजार का इनाम भी घोषित किया था। पुलिस करतार सिंह की तलाश कर रही थी। आज पुलिस को सूचना मिली कि करतार महिला के भेष में कहीं भागने की फिराक में है। तब पुलिस ने आरोपी को तुहिया चौराहे से गिरफ्तार कर लिया।

चारमीनार स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए मध्य प्रदेश के प्रधान सचिव उमाकांत उमराव। साथ में हैं वी. शास्त्री पंडित, सम्पत तोषनीवाल एवं अन्य।

तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो के निदेशक संदीप शांडिल्य (आईपीएस) ने शंकरपल्ली में छात्रों को संबोधित किया एवं नशा मुक्ति पोस्टर का अनावरण किया।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, PADMA REDDY Spouse of Service No.644136S Ex.Sgt METHUK PALLY M NARSIMHA REDDY, R/o.H.No.17-60-1A, Ramnagar Colony, Opp:Modern Apartment, Alwal, Secunderabad - 500010, Telangana, have changed my name from **PADMA REDDY** to **METHUKUPALLY PADMA** vide Affidavit dt.31-07-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, ADILAKSHMI spouse of Service No.607769B Ex.Junior Warrant Officer YELISETTY SATYANARAYANA, R/o.12-13-483/23, Flat No.101, Vaishnavi HPS Emerald, Street No.14, Lane 4, Nagarjuna Nagar Colony, Tarnaka, Secunderabad-500017, Telangana have changed my name from **ADILAKSHMI** to **BOPPANA ADI LAKSHMI** vide affidavit dt:31-7-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, No.10330114W GDSM Anusuri Rama Siva of 125 InfBn (TA)The Guards, C/o.56 APO hereby declare that my Mother Name is Changed From **ANUSURI LAKSHMI** to **ANUSURI LAXMI.**

CHANGE OF NAME

I, No.10329814X Hav Daravath Suresh of 125 InfBn (TA)The Guards, C/o.56 APO hereby declare that my Mother Name is changed from **D.SATHI** to **DHARAVATH SATHYAMMA.**

CHANGE OF NAME

I. No JC-764415H Sub Arun Kumar Parida, R/o Vill-Talua, PO-Saudia, PS-Balichandrapur, District -Jajpur, PIN-754292 State-Odisha , have changed my Son name from AYUSH PARIDA to *AYUSH KUMAR PARIDA*add in my service documents before Notary C.V.N Rama Krishna Advocate Secunderabad dt 31/07/2024.

ज्योतिष ASTROLOGY

नाकौड़ा भैरव ज्योतिष

(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद.
संपर्क : 9032460847.

जम्मू-कश्मीर को भारत का सर्वश्रेष्ठ कला शहर बनते देखना चाहता हूं: एलजी सिन्हा

श्रीनगर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि वह जम्मू और श्रीनगर को भारत के सर्वश्रेष्ठ कला शहर बनते देखना चाहते हैं। श्री सिन्हा ने यह बात यहां विश्व शिल्प परिषद (डब्ल्यूसीसी) द्वारा श्रीनगर को 'वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी' के रूप में मान्यता देने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रमाणपत्र पुरस्कार समारोह के दौरान कही।

उपराज्यपाल ने कहा, मैं जम्मू और श्रीनगर को भारत के सर्वश्रेष्ठ कला शहर बनते देखना चाहता हूं, मैं दोनों शहरों को कलाकारों के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थल और अनमोल कला के चाहने वालों के लिए पसंदीदा गंतव्य का दावा करते देखना चाहता हूं। श्रीनगर वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी का प्रतिष्ठित खिताब प्राप्त करने वाला देश का चौथा शहर है। प्रमाणपत्र पुरस्कार समारोह में विश्व शिल्प परिषद के अध्यक्ष साद हानी अल-कद्दुमी और परिषद के अन्य प्रमुख व्यक्तित्वों ने हिस्सा लिया। अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने लोगों, कारीगरों, शिल्पकारों और सभी हितधारक विभागों को इस महत्व-पूर्ण अवसर पर बधाई दी। उन्होंने कहा श्रीनगर को विश्व शिल्प परिषद (डब्ल्यूसीसी) द्वारा 'वर्ल्ड क्राफ्ट सिटी' के प्रमाणपत्र से सम्मानित किए जाने पर वास्तव में खुशी हुई। यह अपनी अमूल्य सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत के लिए विख्यात प्राचीन शहर के लिए एक बड़ा सम्मान है। यह जम्मू-कश्मीर के शिल्प और शिल्प कौशल को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए एक लंबा रास्ता तय करेगा। श्री सिन्हा ने दुनिया भर के शहरों की कलात्मक परंपराओं को प्रेरित करने और बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए विश्व शिल्प परिषद की सराहना की।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को एक समावेशी सांस्कृतिक पारिस्थितिकी तंत्र पर गर्व है, जिसने हमेशा बुनकरों और शिल्पकारों को प्रेरित किया। मैं विश्वास करता हूं कि श्रीनगर शहर को सम्मानित करके विश्व शिल्प परिषद ने 5000 साल की समृद्ध भारतीय सभ्यता को भी सम्मानित किया है, जिसने रचनात्मक परंपराओं को जीवित रखा और हमेशा प्रतिभाशाली कारीगरों को उनकी सरलता और शिल्प कौशल के लिए बढ़ावा दिया। उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर की अनूठी सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने और जम्मू-कश्मीर के कारीगरों और शिल्पकारों को स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए प्रशासन के प्रयासों पर प्रकाश डाला। सिन्हा ने कहा कि जम्मू कश्मीर को न केवल अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण बल्कि आध्यात्मिक ज्ञान और इसकी चिरस्थायी भारतीय सांस्कृतिक संपत्ति के लिए भारत का मुकुट कहा जाता है, जिसे विभिन्न प्रकार के रचनात्मक उत्पादों में देखा जा सकता है।

उन्होंने हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पादों के विपणन और निर्यात और सभी शिल्पों के संवर्धन में कारीगरों का समर्थन करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए भी दृढ़ संकल्पित है कि उनके रचनात्मक उत्पाद आर्थिक रूप से आकर्षक हों और काम पेश-वर रूप से संतोषजनक हो। सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्र में बदलाव का नेतृत्व करने के लिए हथकरघा और हस्तशिल्प विभाग और उद्योग और वाणिज्य विभाग के प्रयासों की सराहना की।

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,741.34
+285.94 +0.35% ↑
एनएसई :24,951.15
93.85 (0.38%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 71,520/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 85,605/- (प्रति किलोग्राम)

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मुचेरला को चौथे शहर के रूप में विकसित किया जाएगा : सीएम रेवंत

हैदराबाद के बाहरी इलाके का यह शहर वैश्विक निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य होगा

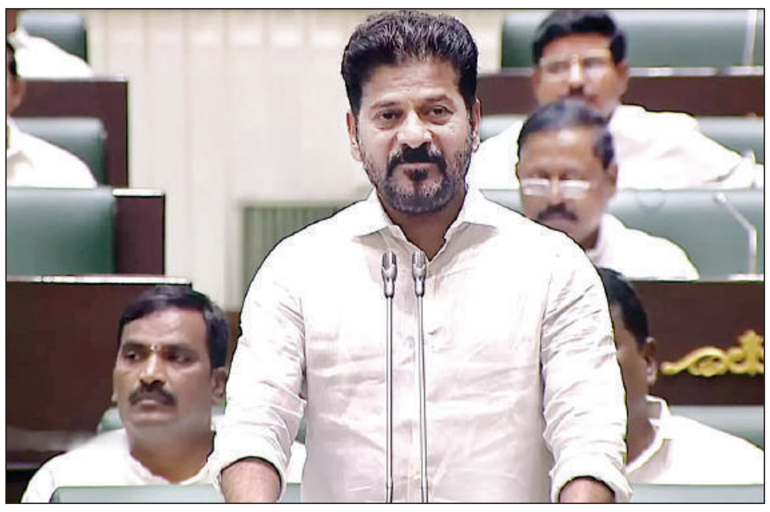

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को घोषणा की कि हैदराबाद के बाहरी इलाके मुचेरला को भविष्य के शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।

उन्होंने राज्य विधानसभा को बताया कि हैदराबाद, सिकंदराबाद और साइबराबाद के बाद, रंगारेड्डी जिले में मुचेरला चौथा शहर होगा। विनियोग विधेयक पर बहस के दौरान हस्तक्षेप करते हुए उन्होंने कहा, यह चौथा शहर हमारा भविष्य का शहर होगा। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को प्रस्तावित शहर से जोड़ने की योजना की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि मुचेरला वैश्विक निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य होगा।

उन्होंने कहा कि भविष्य का शहर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजनों सहित स्वास्थ्य देखभाल, नौकरियों, कौशल और खेल का केंद्र होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को नौकरी कौशल प्रदान करने के लिए मुचेरला में कौशल विश्वविद्यालय भी खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य के शहर में विशेष अस्पतालों के साथ एक स्वास्थ्य पर्यटन केंद्र भी होगा जो न केवल राज्य के लोगों बल्कि मध्य पूर्व और अन्य देशों से आने वाले सैकड़ों मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा तब की जब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक और पूर्व मंत्री केटीआर ने सरकार से पिछली बीआरएस सरकार द्वारा मुचेरला में प्रस्तावित फार्मा सिटी को खत्म करने के अपने फैसले की समीक्षा करने का अनुरोध किया।

रेवंत रेड्डी ने टिप्पणी की कि वर्तमान सरकार मुचेरला में एक शहर विकसित करेगी। उन्होंने कहा, आपने फार्मा सिटी की योजना बनाई थी लेकिन हम फार्मा गांव विकसित करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि प्रदूषण की कोई समस्या न हो।

रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया कि केंद्र सरकार ने शमशाबाद हवाई अड्डे के लिए एमएमटीएस रेल कनेक्टिविटी का प्रस्ताव दिया है।

उन्होंने कहा, चूंकि हुमनाबाद में एमएमटीएस कनेक्टिविटी है, इसलिए 2.5 किमी का विस्तार इसे हवाई अड्डे से जोड़ देगा, लेकिन तत्कालीन बीआरएस सरकार ने इसके लिए जमीन देने से इनकार कर दिया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए एचआईटीईसी सिटी से हवाई अड्डे तक मेट्रो रेल का प्रस्ताव रखा।

सीएम ने केटीआर पर लगाया विधानसभा को गुमराह करने का आरोप

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को सिरिसिला के विधायक केटी रामा राव (केटीआर) की आलोचना की और कहा कि उन्होंने विनियोग विधेयक 2024-25 पर बहस के दौरान विधान सभा को गुमराह करने का कथित प्रयास किया। मुख्यमंत्री ने श्री राव पर सदन को गुमराह करने के लिए आवंटित समय का उपयोग करने का आरोप लगाया।

श्री रेड्डी ने कहा, आपके पास शासन में 10 साल का अनुभव है। लोगों के पास भी अपने अनुभव हैं। उसके आधार पर, उन्होंने हमें अपना जनादेश दिया। हमारे खिलाफ पहले से ही 100 आरोप हैं, और हमने पद पर बने हुए 10 महीने भी पूरे नहीं किए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी जानना चाहा कि पिछली सरकार ने हवाई अड्डे के लिए एमएमटीएस कनेक्टिविटी की अनुमति क्यों नहीं दी, जो आम जनता के लिए एक अच्छी सुविधा प्रदान कर सकती थी।

श्री रेड्डी ने बथुकम्मा साड़ी अनुबंध के संचालन पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह श्री राव के बेनामी लोगों को दिया गया था और साड़ियों को सिरिसिला बुनकरों द्वारा बुने जाने के बजाय सूरत से आयात किया गया था, जिसके कारण खराब गुणवत्ता थी। उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर हवाई अड्डे के लिए हैदराबाद मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (एमएमटीएस) निर्माण के प्रस्ताव को खारिज करने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने सवालों के जवाब देते हुए कहा, मैंने कभी यह दावा नहीं किया कि हुसैन सागर का पानी नारियल पानी में बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य के विकास के लिए रचनात्मक सुझावों के लिए तैयार है।

जिष्णु देव वर्मा ने ली तेलंगाना के राज्यपाल पद की शपथ

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। त्रिपुरा के पूर्व उपमुख्यमंत्री जिष्णु देव वर्मा ने बुधवार को तेलंगाना के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति आलोक अराधे ने राजभवन में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल पद की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मंत्री और शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने वर्मा को तेलंगाना का राज्यपाल नियुक्त करते हुए भारत के राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति वारंट को पढ़ा। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, भाजपा, कांग्रेस और बीआरएस के नेता उपस्थित थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वर्मा का स्वागत किया। उन्हें सशस्त्र पुलिस कर्मियों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। वर्मा, जिन्हें 27 जुलाई को राज्यपाल नियुक्त किया गया था, सीपी राधाकृष्णन का स्थान लिया, जिन्हें महाराष्ट्र का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया हैं।

राधाकृष्णन मार्च से झारखंड के साथ-साथ तेलंगाना का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे। राधाकृष्णन पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कार्यों का भी निर्वहन कर रहे थे। तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए तमिलिसाई सुंदरराजन के इस्तीफे के बाद राधाकृष्णन को तेलंगाना और पुडुचेरी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। 67 वर्षीय जिष्णु देव वर्मा तेलंगाना के चौथे राज्यपाल हैं। दिलचस्प बात यह है कि 2014 में राज्य के गठन के बाद से तेलंगाना के सभी तीन राज्यपाल तमिलनाडु से थे। ईएसएल नरसिम्हन, तमिलिसाई सुंदरराजन और राधाकृष्णन सभी तमिलनाडु से थे। 1993 में कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए वर्मा 2018 से 2023 तक त्रिपुरा के डिप्टी सीएम रहे। उन्होंने बिजली, ग्रामीण विकास, पंचायत राज, वित्त, योजना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पर्यावरण मंत्रालयों की जिम्मेदारियां भी संभालीं। वह 2023 में सिपाहीजला जिले के चारिलम से विधानसभा चुनाव हार गए।

प्रत्येक स्थान पर पौधे दो पंक्तियों में लगाने चाहिए : जिलाधिकारी वेंकटेश

आसिफाबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में वन महोत्सव के तहत जहां भी पौधे रोपे जाएं, उन्हें दो पंक्तियों में रोपित किया जाए। जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने जिला वन पदाधिकारी नीरज कुमार टिबरेवाल के साथ जिला मुख्यालय में डीपीओ कार्यालय में आयोजित वन महोत्सव में पौधे लगाए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिले को 40 विभागों को 53 लाख का लक्ष्य आवंटित किया गया है। वे संबंधित विभागों में उपलब्ध जगह का उपयोग कर लक्ष्य तक पहुंचे। वे नई सड़कों की पहचान करना चाहते हैं और उनके बगल में पौधे लगाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 60 फीसदी पौधों का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है। वे यह देखना चाहते हैं कि लगाया गया हर पौधा जीवित रहे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग के तत्वावधान में प्रतिदिन पौधारोपण किया जाए। भारी बारिश के बीच वे जल्द से जल्द लक्ष्य पूरा करना चाहते हैं।

20 साल तक जिस सर्प की पूजा की, उसी सांप के डंसने से हो गई वृद्धा की मौत

आसिफाबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिसने 20 साल तक जिस सांप की घर में पूजा की उसकी उसी सांप के डसने के कारण उसकी मौत हो गई। निर्मल जिले के खानापुर मंडल के गोसामपल्ले गांव में हुई यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है। 20 वर्षों से श्रद्धापूर्वक सांप की पूजा करने वाली वृद्धा गंगा को डंसने वाले सांप को आखिरकार संपेरों ने पकड़ लिया। संपेरों ने बिल में छुपे कोबरा को पकड़ लिया। पूरा शहर उस सांप को देखने के लिए उमड़ पड़ा। लोग सांप को मारने के लिए चिल्लाने लगे। लेकिन बुढ़िया की बेटी को दया आ गई और सांप को जीवनदान मिल गया। संपेरों ने निर्मल जिले के खानापुर मंडल के गोसमपल्ली में एक सेवानिवृत्त महिला गंगा को डंसने वाले कोबरा को पकड़ लिया। गंगव्वा की बेटी पद्मा के निर्णय से संपेरों ने सांप को बांध दिया और उसे पास के जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया। आपके बता दें कि निर्मल जिले के खानापुर मंडल के गोसामपल्ले गांव के अलुगुला गंगव्वा (65) का एक बेटा राजा लिंगु और एक बेटी पद्मा है।

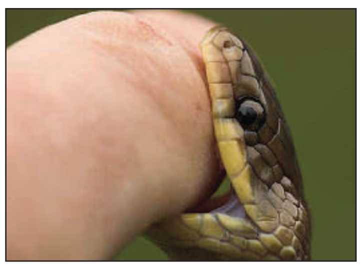

तीस साल से अधिक समय तक आंगनवाड़ी के रूप में सेवा देने वाले गंगावा इस महीने की 1 तारीख को पद से सेवानिवृत्त हुई थी। 20 साल से उस वृद्धा के घर में एक कोबरा सांप रहता था और वृद्धा प्रतिदिन साफ-सफाई कर पूजा-पाठ किया करती थी।

रोज की तरह मंगलवार की सुबह जब गंगव्वा उठी तो घर के काम-काज के तहत बिल के आसपास की मिट्टी साफ कर रही थी, तभी अचानक बिल से एक कोबरा निकला और उसके हाथ में काट लिया। भगवान के रूप में पूजे जाने वाले सांप द्वारा काटे जाने के बाद, वह फिर से अपने काम में व्यस्त हो गई, इस उम्मीद में कि भगवान शिव सब कुछ संभाल लेंगे। थोड़ी देर बाद सांप फिर निकला और खाना बनाने में मग्न गंगवा को फिर डस लिया। बार-बार सांप द्वारा काटे जाने के संदेह में गंगावा ने आसपास के लोगों को बताया कि उसकी आंखें घूम रही हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत परिजनों को सूचना दी। बंडू की मदद से गंगाव को इलाज के लिए लिंगपुर ले जाया गया, लेकिन जब डॉक्टर ने यह कहते हुए इलाज करने से इनकार कर दिया कि उसकी हालत खराब हो गई है, तो उसे खानापुर सरकारी अस्पताल ले जाया गया। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वृद्धा को डंसने वाला कोबरा बिल नहीं छोड़ रहा था, इसलिए स्थानीय लोगों ने बिल पर जाल से सांप को बांध दिया। 24 घंटे बाद परिजनों के अनुरोध पर सांप को बिना किसी नुकसान के बांध कर पास के जंगल में छोड़ दिया गया।

नाग पंचमी

नाग देवता की पूजा या हत्या?

सभी देवी-देवता के क्रोध से बचने के लिए एवं उनके आशिर्वाद प्राप्त करने के लिए हम प्रति वर्ष नागपंचमी के अवसर पर नाग देवता की पूजा अर्चना करते है । क्या आप जानते है कि नागपंचमी के अवसर पर सपेरों द्वारा पकड कर लाये गये सर्प देवता को कितनी यातना दी जाती है ?

सपेरे सांपो को लगभग दो माह पूर्व पकडकर कृरतापूर्वक उनके फन तोडकर विष निकालकर मुँह सी देते है, जिससे उनका भोजन आदि बंद हो जाता है । वे भूखे प्यासे तडपते रहते है एवं सपेरे उनको आपके सामने लाकर आपकी भावना के साथ खिलवाड करते है, पैसे जमा करते है । नागपंचमी के एक-दो दिन बाद सांपो को वृक्षों पर लटका कर जीतेजी उनकी खाल निकाल कर जंगल मे छोड देते है जहां इनके जबड़े सीले हुए होने के कारण ये अपना भोजन प्राप्त नहीं कर सकते है एवं तीन घंटे मे मर जाते है ।

आप सोंचे ? नागपंचमी के अवसर पर नाग के दर्शन, पूजा व दूध पिलाने के निमित्त सपेरों को पैसे देना कहाँ तक उचित है ? सांप को बंदी बनाने वालों को पैसे देकर क्या आप नाग देवता की सेवा कर रहे है या उनकी दुर्दशा के लिए प्रोत्साहित कर रहे है।

वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत सांपो को पकडना एवं उनको कब्जे में रखकर प्रदर्शन करना दंडनीय अपराध है । अपराधियों को कम से कम रु.10,000/- तक जुर्माना या 5 से 7 साल कैद का प्रावधान हैं।

आओं! हम सब मिलकर संकल्प लें कि इस वर्ष से सांप के लिए कभी पैसे नहीं देंगे एवं उन्हे पकडकर संबंधित अधिकारियों को सूचित करेंगे। इस वर्ष भी अगर आपको अपने क्षेत्र में कहीं भी सपेरे नाग सांप के सहारे पैसे वसुलते दिखाई पडे तो आप उसका विरोध करे या निम्नलिखित सौधर्म भंडारी (GHSPCA) 88867 43881, पी.एफ.ए. 9490149601, जसराज श्रीश्रीमाल 9394544929, महेश अग्रवाल 93940 05600, रिद्धीश रमेश जागीरदार 98499 88999 को सूचित करें ।

Telangana Forest Department @18004255364

हम हैं मूक प्राणियों की सेवा में...
श्री जीवरक्षा ज्ञान प्रचारक मण्डली
दिलशाद प्लाजा के सामने, सुलतान बाजार, हैदराबाद

जिला पुलिस ने कलाकारों के माध्यम से छात्रों को जागरूक किया

आसिफाबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के एसपी डीवी श्रीनिवास राव के निर्देशन में एडिशनल एसपी प्रभाकर राव की देखरेख में रेबेना थाना अंतर्गत गंगापुर गांव के जेडपीएचएस स्कूल में पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को नए कानूनों, सड़क दुर्घटनाओं और यातायात नियमों, साइबर धोखाधड़ी पर जागरूकता के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। शी टीमों, गांजा की रोकथाम, सीसी कैमरे की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के भाग के रूप में, एसआई चन्द्रशेखर ने कहा कि हाल के दिनों में साइबर अपराध में काफी वृद्धि हो रही है, साइबर अपराधियों के झूठ में न आएं, अगर कोई धोखा खाता है तो 1930 नंबर पर शिकायत करें, पुलिस क्षेत्र के सभी गांवों में सीसी कैमरे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे गांव में होने वाली किसी भी घटना का तुरंत पता चल जाता है। उन्होंने कहा कि सीसी कैमरे लगने से अभिभावकों को अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा बुरी लत के आदी न हों और सरकार व पुलिस की ओर से हर तरह की मदद की जायेगी।

वाहन चालकों को नशे में वाहन नहीं चलाने, बिना लाइसेंस के वाहन नहीं चलाने तथा वाहन चलाते समय हेलमेट की अनिवार्यता बताई गई। लोगों को गांवों में संदिग्ध व्यक्ति दिखने पर बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई।

उन्होंने कहा कि वे जादू-टोना पर विश्वास न करें, गांवों में किसी भी समस्या की सूचना तुरंत स्थानीय थाने को दें या फिर 100 नंबर पर कॉल करें तो कुछ ही मिनटों में पुलिस उनके पास आ जाएगी। इस कार्यक्रम में एसआई चन्द्रशेखर एवं पुलिसकर्मी, पुलिस कला समूह के सदस्य रामचंदर, रोहित, वेंकटेश, चन्द्रशेखर, रजिता, संघवी एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का समालकोट में ठहराव होगा

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सामलकोट रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के प्रायोगिक ठहराव को छह महीने के लिए और बढ़ा दिया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि तदनुसार, विशाखापत्तनम- सिकंदराबाद (20833) और सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम (20834) सेवाएं 3 अगस्त से समालकोट में रुकेंगी। दमरे अधिकारियों ने रेल उपयोगकर्ताओं से अनुरोध किया कि वे शेड्यूल में बदलाव को ध्यान में रखें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.